हरिभूमि

नई दिल्ली

रविवार, 26 जुलाई 2026

आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी वर्ष : 30, अंक : 98

पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम

अधि. 35

न्यून. 29

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

जंतर मंतर पर जश्न

इस्तीफे के बाद धर्मेंद्र प्रधान

नड्डा के साथ सीजेपी प्रतिनिधिमंडल की बैठक में मुआवजा व केस वापसी की मांगों पर बनी सहमति

वे कहते थे हमारी सरकार में इस्तीफे नहीं होते, झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिएः दीपके

प्रधान के इस्तीफे के बाद जंतर मंतर पर आंदोलनरत छात्र झूमे, जमकर नारेबाजी की

धर्मेंद्र प्रधान ने दिया इस्तीफा, सरकार ने मानी मांगे, कॉकरोच आंदोलन समाप्त

आंनद राणा ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार दोपहर को इस्तीफा दे दिया। इसके साथ ही कॉकरोच जनता पार्टी ने अपना आंदोलन खत्म करने का ऐलान कर दिया। केंद्र सरकार ने सीजेपी की बाकी दो मांगे भी मान ली हैं। इनमें नीट पेपर लीक होने के बाद आत्महत्या करने वाले परीक्षार्थियों के परिवार को एक एक करोड़ रूपये का मुआवजा देना और दिल्ली तथा बीजेपी शासित राज्यों में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस द्वारा दर्ज मामले वापस लेने की मांग शामिल है। प्रधान के जाने के बाद केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का प्रभार दिया गया है।

2014 में पहली बार मोदी सरकार बनने के बाद 12 साल के कार्यकाल में धर्मेंद्र प्रधान पहले मंत्री हैं, जिन्हें विरोध के चलते इस्तीफा देना पड़ा है। प्रधान के इस्तीफे के बाद दिल्ली के जंतर मंतर पर आंदोलनरत छात्रों ने नाच गाकर जश्न मनाया। युवाओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए अपनी जीत पर खुशी जाहिर की। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि वे कहते थे हमारी सरकार में इस्तीफे नहीं होते, झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिए। दीपके घुटने के बल बैठे, आसमान की तरफ देखा और स्टेज पर करीब 10 बार हाथ पटककर जश्न मनाया। इसके बाद समर्थकों ने जश्न शुरू कर दिया। स्टेज से देश ▶▶ शेष पेज 5 पर

आंदोलन की समाप्ति की जानकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी गई

प्रधान का इस्तीफा मंजूर, जोशी संभालेंगे अतिरिक्त प्रभार

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा राष्ट्रपति ने मंजूर कर लिया है। वहीं उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

कॉकरोच जनता पार्टी की ये थी 3 मांगें

1. धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा
2. खुदकुशी करने वाले छात्रों के परिजनों को 1 करोड़ मुआवजा
3. प्रदर्शनकारी छात्रों से सभी राज्यों में केस वापस लिए जाएं

सभी एफआईआर जल्द वापस ली जाएंगी

प्रधान के इस्तीफे के बाद केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जीतेंद्र सिंह ने सीजेपी के प्रतिनिधि सौरव दास और आशुतोष रांका के साथ बैठक की। इस बैठक में सीजेपी की दोनों मांगे मान ली गई। बाद में उपरोक्त चारों ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर मांगे माने जाने और आंदोलन खत्म होने का ऐलान किया। सौरव दास ने सरकार से बातचीत की सारी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि हमारी दूसरी मांग यह थी कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर न केवल दिल्ली में बल्कि सभी भाजपा-शासित और भाजपा-सहयोगी राज्यों में वापस ली जानी चाहिए। सरकार ने उस मांग को भी मान लिया है। साथ ही, इन्हें जल्द ही वापस ले लिया जाएगा। दास ने कहा कि सरकार ने ▶▶ शेष पेज 5 पर

सरकार ने सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया: नड्डा

जेपी नड्डा ने कहा, 'सीजेपी ने मुझे जो पांच-सूत्रीय चार्टर दिया है, वह शिक्षा परीक्षाओं में सुधार से संबंधित है। इस संबंध में हमारा कहना है कि हम शिक्षा परीक्षाओं में सुधार के लिए आपके चार्टर पर गंभीरता से विचार करेंगे और सीजेपी प्रतिनिधिमंडल से बातचीत के बाद हम जो कुछ भी कर सकते हैं, वह करने का प्रयास करेंगे। मुझे लगता है कि सरकार ने उनकी सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया है और उन्हें स्वीकार भी किया है।'

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत के बाद केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, 'आज हमारी लंबी बातचीत हुई। वे एक लिखित ड्राफ्ट लेकर आए थे जिसमें उन्होंने आंदोलन के दौरान दर्ज मामलों के बारे में चार बातें रखीं। इसके साथ ही, हमने दो अन्य मांगों पर भी चर्चा की, कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए, मुआवजा दिया जाना चाहिए और उनके पांच-सूत्रीय चार्टर पर विचार किया जाना चाहिए।

हम उन्हें एफआईआर की कॉपी उपलब्ध कराएंगे और कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। दूसरी बात जो कही गई है, वह मुआवजे के संबंध में है।' जेपी नड्डा ने कहा कि सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि हमारी भी सहानुभूति है। हम सभी ने कहा है कि नियमों और विनियमों के अनुसार मुआवजा दिया जाएगा, जो भी अधिकतम संभव होगा, वह उन्हें दिया जाएगा।

ये 36 दिन

6 जून को दिल्ली एयरपोर्ट पर बाबा साहेब की तस्वीर के साथ

युवाओं के साथ जंतर मंतर पर धरना शुरु किया

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने अनशन शुरु किया

दुखी मन से पुलिस के पैरों में गिरे दीपके

लाठी चार्ज हुआ और सांसद राहुल को उठा लिया गया

दीपके की मां अनीता के निकले खुशी के आंसू, बोलीं हो गई जीत

देश के कई शहरों से लोगों ने ऑनलाइन खाना भिजवाया

सीजेपी की टीम अब एक महीने बाद सरकार के साथ फिर से बैठक करेगी

सरकार के साथ बातचीत के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने यह भी कहा, 'कॉकरोच जनता पार्टी यह घोषणा करती है कि हम अच्छे विश्वास के साथ अपना आंदोलन वापस ले रहे हैं और यह मानते हुए कि तय की गई शर्तों को तय समय-सीमा के भीतर लागू किया जाएगा।' सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका के कहा कि सरकार के प्रतिनिधिमंडल और प्रदर्शनकारियों के बीच लगातार तीन दौर की चर्चा हुई। उन्होंने कहा, 'जंतर-मंतर पर हमारा प्रदर्शन कई दिनों से चल रहा था। हमारी तीन प्रमुख मांगें थीं। इनमें से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा पहली मांग थी। धर्मेंद्र प्रधान के पद छोड़ने के साथ ही हमारी पहली मांग पहले ही मान ली गई।' रांका ने यह भी कहा कि छात्रों की मांगों को लेकर सरकार को 5-सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया है, जिस पर सरकार काम करने के लिए सहमत हो गई है। पीड़ित परिवारों को मुआवजे और प्रदर्शनकारियों पर दर्ज कानूनी मामले वापस लेने जैसी मांगों पर सैद्धांतिक सहमति बन चुकी है। आशुतोष रांका ने स्पष्ट किया कि इन सभी मुद्दों की प्रगति का समीक्षात्मक आंकलन करने के लिए सीजेपी की टीम अब एक महीने बाद सरकार के साथ फिर से बैठक करेगी।

प्रधान ने बदला बायो

कहा-10 दिन का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दुखी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को 'एक्स' पर अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि उन्होंने अपना त्यागपत्र प्रधानमंत्री को भेज दिया है। प्रधान ने कहा कि पिछले 10 दिन का ▶▶ शेष पेज 5 पर

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बोले

पीएम मोदी मांगें माफी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सीजेपी आंदोलन की सफलता को छात्रों की जीत बताते हुए धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का स्वागत किया। उन्होंने ▶▶ शेष पेज 5 पर

भागवत के बयान के बाद बदली सूरत

नई पीढ़ी को आदेश न दें उनसे बातचीत करें

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को दिल्ली में कहा, 'आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। हमें आदेश देने की बजाय उनसे बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें हर बात के पीछे का तर्क समझाना चाहिए, न कि आदेश देना चाहिए। संवाद के जरिए ही उन्हें सही दिशा दिखाई जा सकती है। हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता। भागवत के इस बयान ने भी सरकार को दबाव में लाने का काम किया। इसके बाद सरकार को पूरी तरह बैकफुट पर आने को मजबूर होना पड़ा। आखिरकार प्रधान ने इस्तीफा दे दिया।

'भारतीय ज्ञान परंपरा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति' विषय पर वाराणसी में व्याख्यान

डॉ. द्विवेदी ने कहा- शिक्षा में हो रहे नीतिगत बदलाव ही मनुष्य को संवेदनशील बनाएंगे

> जो शिक्षा और शिक्षा नीति संस्कारों को विस्तार न दे सके वह व्यर्थ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| वाराणसी

अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र द्वारा शब्दन फाउंडेशन के सहयोग से 'भारतीय ज्ञान परंपरा एवं राष्ट्रीय शिक्षा' नीति विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि 'हरिभूमि' के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ▶▶ शेष पेज 5 पर

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

अतिथि विद्वानों के साथ डॉ. द्विवेदी

शिक्षा की अवधारणा संस्कारों के बगैर अधूरी

स्वागत वक्तव्य और विषय प्रवेश पर बोलते हुए प्रो. गुरु प्रसाद सिंह ने शिक्षा के सहकार के अर्थ बताते हुए कहा कि जिस शिक्षा की अवधारणा को आत्मसात करना चाहते हैं वो संस्कारों के बगैर अधूरी है। मुख्य वक्ता ▶▶ शेष पेज 5 पर

ईरान की राजधानी तेहरान में मौजूद भारतीय दूतावास ने की घटना की पुष्टि

होर्मुज में एलपीजी टैंकर 'दिशा' पर हुआ मिसाइल हमला, 28 भारतीय सुरक्षित

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया क्षेत्र में एक बार फिर से शुरू हुए युद्ध के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव काफी बढ़ गया है। इस बीच मोजाम्बिक के ध्वज वाले एक एलपीजी टैंकर 'दिशा' पर मिसाइल हमले की जानकारी सामने आई है। जिसमें यह पता चला है कि टैंकर में सवार चालक दल के सभी 28 भारतीय नागरिकों को किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचा है और वह पूरी तरह से सुरक्षित हैं। यह घटना बीते शुक्रवार को जलडमरूमध्य के पास ईरान के जलक्षेत्र में हुई थी। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि वह घटना के तुरंत बाद से स्थानीय ईरानी अधिकारियों के संपर्क में बने हुए हैं। यहां बता दें कि अमेरिका-इजरायल द्वारा इस साल 28 फरवरी को ईरान पर किए गए हमले के बाद इस युद्ध की शुरुआत हुई थी। जिसके बाद जून में दोनों पक्षों में दो महीने का सीजफायर हुआ था। जो बीच में ही टूट गया और फिर एक बार से यह युद्ध भड़क गया है।

एक अन्य घटना में एमवी 'ओएमओआरएफआई' जहाज पर काला सागर में हुआ हमला, 1 भारतीय की हुई मौत

संवाद-कूटनीति से निकले समाधान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस संघर्ष के बीच कई मौकों पर पश्चिम-एशिया के अलावा खाड़ी क्षेत्र के कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ हुई बातचीत में साफ शब्दों में भारत का इस मामले पर बना हुआ पक्ष साझा करते हुए कहा है कि पश्चिम-एशिया सहित दुनिया के कई भागों में जारी संघर्षों का समाधान बातचीत और कूटनीति के माध्यम से ही निकाला जाना चाहिए। जिसमें सभी भागीदार पक्षों की भूमिका होनी चाहिए। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर पीएम मोदी का यह कहना रहा है कि विवादों का समाधान युद्धक्षेत्र में नहीं निकाला जा सकता है। वार्ता और कूटनीति ही इनका एकमात्र हल हो सकता है। महिलाओं और बच्चों को निशाना बनाया जाना किसी भी सूरत में उचित नहीं है।

नाविकों, जहाजों पर हमले बर्दाश्त नहीं

गौरतलब है कि दिशा जहाज पर हमले की यह जानकारी एक ऐसे समय में सामने आई है। जब हाल ही में विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने आसियान के मंच से जोर देते हुए कहा था कि समुद्री इलाकों में नाविकों, जहाजरानी और बुनियादी ▶▶ शेष पेज 5 पर

राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए दिया अपने पद से त्यागपत्र

एनईपी-2020 को प्रभावी रूप से लागू करने में प्रधान ने दिया महत्वपूर्ण योगदानः सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने अपने सार्वजनिक जीवन में हर दायित्व को निष्ठा, ईमानदारी और पूर्ण समर्पण के साथ निभाया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) -2020 को प्रभावी रूप से लागू करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शिक्षा व्यवस्था में अनेक सार्थक सुधारों को आगे बढ़ाया। भारतीय भाषाओं में शिक्षा को बढ़ावा मिला, तकनीकी और उच्च शिक्षा का विस्तार हुआ तथा विद्यार्थियों के लिए नए अवसर उपलब्ध हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए उन्होंने अपने पद से त्यागपत्र दिया है। यह निर्णय सार्वजनिक जीवन में नैतिक मूल्यों, मर्यादा और सिद्धांतों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रसेवा के उनके सतत प्रयास निरंतर नई ऊँचाइयों को प्राप्त करें। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ।

शिक्षा में 100 से अधिक सुधारों के लिए याद किया जाएगाः सूद

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में धर्मेंद्र प्रधान का कार्यकाल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन और भारत की शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने वाले 100 से अधिक सुधारों के लिए याद किया जाएगा। भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच का विस्तार करने तथा शिक्षा को अधिक समावेशी, आधुनिक और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के उनके प्रयासों ने देश की शिक्षा व्यवस्था पर स्थायी प्रभाव छोड़ा है। राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दिया है। उनका यह निर्णय सार्वजनिक जीवन के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता, नैतिक मूल्यों, ईमानदारी और सिद्धांतों के प्रति समर्पण को दर्शाता है। राष्ट्र सेवा के प्रति उनके निरंतर प्रयास नई ऊंचाइयों तक पहुंचते रहें, यही शुभकामना है।

शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाईः प्रवेश

दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के क्रियान्वयन और देश की शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में शिक्षा क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण पहलें की गईं। राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए लिया गया उनका यह निर्णय उनकी सादगी, ईमानदारी और जनसेवा के प्रति समर्पण का परिचायक है। भारतीय जनता पार्टी इस निर्णय में पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़ी है। धर्मेंद्र प्रधान के उज्ज्वल भविष्य और राष्ट्र सेवा के उनके सतत प्रयासों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

दिल्ली के गृह मंत्री सूद ने उपराज्यपाल से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ दिल्ली के विकास और नीतिगत प्राथमिकताओं पर हुई चर्चा

दिल्ली सरकार के गृह मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू से लोक निवास में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राष्ट्रीय राजधानी से जुड़े विभिन्न नीतिगत मुद्दों और विकास संबंधी प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श किया गया। आशीष सूद ने सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि उन्होंने उपराज्यपाल से दिल्ली के विकास के लिए महत्वपूर्ण नीतिगत प्राथमिकताओं और विभिन्न विकासात्मक पहलों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि राजधानी के समग्र विकास के लिए सरकार और उपराज्यपाल कार्यालय के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी बातचीत हुई। मंत्री सूद ने विश्वास जताया कि प्रगतिशील, दक्ष और नागरिक-केंद्रित दिल्ली के निर्माण के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए भविष्य में भी सभी संबंधित संस्थाओं के बीच समन्वय और सहयोग जारी रहेगा।

सड़क जर्जर और क्षतिग्रस्त होने के कारण 3 बस रूटों में अस्थायी परिवर्तन

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने शनिवार को सड़क जर्जर और क्षतिग्रस्त होने के कारण 3 बस रूटों में अस्थायी रूप से परिवर्तन किया है। डीटीसी के जनसंपर्क प्रबंधक राकेश कुमार ने बताया कि नया बांस से खेड़ा खुर्द तक की सड़क जर्जर एवं क्षतिग्रस्त होने के कारण कल से यानी 27 जुलाई 2026 से रूट संख्या 137, 158 एवं 172 की बसों के डाउन दिशा के वाया में अस्थायी परिवर्तन किया गया है। अब रूट संख्या 137, 158 एवं 172 की बसें डाउन दिशा में होलम्बी खुद डीआरआईडी कॉलेज से नंगली पुना मोड़ बस स्टॉप के मध्य मिंडा फार्म (फेयर स्टेज), होलम्बी खुर्द क्रॉसिंग, अलीपुर गढ़ी (फेयर स्टेज), अलीपुर गांव,अलीपुर जीटी रोड (फेयर स्टेज, एमसीडी स्टोर, जिंदापुर क्रॉसिंग, साईं मंदिर, बुढ़पुर (फेयर स्टेज) तथा जैन मंदिर बस स्टॉप होते हुए परिचालित की जा रही हैं।

सोशल मीडिया पर साझा की गई आंबेडकर की तस्वीर एआई से बनाई गई हैः दिल्ली पुलिस

एजेंसी, नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर एक राजनीतिक दल द्वारा साझा की गई वह ग्राफिक तस्वीर, जिसमें पुलिस बैरिकेड के ऊपर डॉ. बी. आर. आंबेडकर की तस्वीर पकड़े हुए खून से सना एक हाथ दिखाया गया है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से बनाई गई है और किसी वास्तविक घटना को नहीं दर्शाती। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को यह कहा। दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में कहा, ₹पुलिस बैरिकेड के ऊपर डॉ. बी. आर. आंबेडकर की तस्वीर पकड़े हुए खून से सने हाथ को दर्शाने वाली एक ग्राफिक तस्वीर को वास्तविक घटना बताकर व्यापक रूप से साझा किया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि यह तस्वीर पूरी तरह से सिंथेटिक है और एआई की मदद से तैयार की गई है। यह किसी वास्तविक घटना, किसी वास्तविक चोट या शारीरिक हिंसा को नहीं दर्शाती। दिल्ली पुलिस ने कहा कि उचित संदर्भ या घोषणा के बिना एआई से तैयार सामग्री साझा करने से अफरा-तफरी फैल सकती है और भ्रामक सूचना का प्रसार हो

दिल्ली सरकार देहात के विकास को दे रही सर्वोच्च प्राथमिकताः रविन्द्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ विकास कार्यों में बजट की नहीं होगी कोई कमी

दिल्ली सरकार देहात के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और इसके लिए बजट की कोई कमी नहीं होगी। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री तथा बवाना विधानसभा क्षेत्र के विधायक रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने शनिवार को शाहबाद डेरी के ए एवं बी ब्लॉक मेन मार्केट रोड पर मुख्यमंत्री विकास फंड (सीएमडीएफ) से 1 करोड़ 89 लाख की लागत से होने वाले मुख्य सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ करने के बाद यह संबोधन दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि किसी भी राष्ट्र का विकास गांवों के समग्र विकास के बिना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार राजधानी के ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का स्पष्ट लक्ष्य दिल्ली के देहात को आधुनिक एवं बेहतर आधारभूत सुविधाओं से सुसज्जित करना है। मुख्यमंत्री का स्पष्ट संदेश है कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और विकास कार्यों के लिए बजट की कोई कमी न आने दी जाए।

बवाना विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाएं बढ़ रही

मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि इसी सोच के अनुरूप बवाना विधानसभा क्षेत्र में सड़कों, सीवर लाइनों, पेयजल पाइपलाइन, नालियों, गलियों तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के निर्माण एवं जीर्णोद्धार के कार्य निरंतर गति से किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शाहबाद डेरी में शुरू किया गया मुख्य सड़क निर्माण कार्य स्थानीय नागरिकों के आवागमन को सुगम बनाएगा तथा क्षेत्र के आधारभूत ढांचे को और अधिक सुदृढ़ करेगा। दिल्ली सरकार का उद्देश्य क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र एवं संतुलित विकास सुनिश्चित करना है।

गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं

मंत्री ने संबंधित विभागों एवं कार्यदायी एजेंसियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर तथा उच्च गुणवत्ता वाली निर्माण सामग्री का उपयोग करते हुए पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा किसी भी शिकायत की स्थिति में संबंधित एजेंसी की जवाबदेही तय की जाएगी।

पूर्वी दिल्ली में सीवर व्यवस्था बदहाल सड़कों पर बह रहा गंदा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों में सीवर व्यवस्था बदहाल है। लक्ष्मीनगर विधानसभा की बात करें तो यहां के कई इलाकों में सीवर व्यवस्था इतनी ध्वस्त हो गई है कि सड़कों पर सीवर का पानी बहने से लोगों को निकलने में दिक्कत हो रही है। मंडावली की बात करें तो यहां की लगभग सभी गलियों में सीवर व्यवस्था ध्वस्त है। सीवर के मेन होलों से पानी निकलकर सड़कों पर बह रहा है। सीवर के इस गंदे पानी में लोग और स्कूल बच्चे निकलने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद भी सीवर की समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। गौरतलब है कि मंडावली के मुख्य मार्ग की सड़क का नाला तो बन गया है लेकिन अभी तक यह सड़क पूरी खुदी हुई पड़ी है। यहां सीवर की लाइन बदलने के बाद सड़क बनाने का काम अधूरा पड़ा है। यहां सड़क बनाने के काम की रफ्तार की बात करें तो अभी तक सिर्फ 20 मीटर भी सड़क नहीं बन पाई है। मानसून करीब होने के कारण यहां के लोग इस बात से चिंतित हैं अगर यह सड़क अगर जल्द नहीं बनी तो मंडावली की यह मुख्य सड़क बारिश में तालाब बन जाएगी। सबसे अधिक चिंतित इस सड़क पर दुकान चलाने वाले हैं। उनका कहना है कि पिछले कई महीनों से सड़क खुदी पड़ी रहने के कारण उनका व्यवसाय पहले से ही बंद पड़ा है अगर जल्द ही सड़क नहीं बनी तो बारिश में तो उनका कारोबार पूरी तरह ठप हो जाएगा। जिससे उनके परिवार का पालन पोषण होने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। यहां कारोबारियों ने मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क का निर्माण करवाया जाए और गलियों की सीवर लाइन को दुरुस्त किया जाए।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी साहिल, पुत्रः** समसुद्दीन, **पताः** मकान नं. आरजेड, जी–26, निहाल विहार, दिल्ली **CR No. 1172/22, FIR No. 371/23, U/s: 224 IPC, पुलिस थानाः मंगोलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **साहिल,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **साहिल,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **साहिल, CR No. 1172/22, FIR No. 371/23, U/s: 224 IPC, पुलिस थानाः मंगोलपुरी, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.08.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री रितिका जैन,
एलडी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी/
उत्तर पश्चिम कमरा नंबर 105
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/10203/OD/2026
(Court Matter)

डीयू ने यूजी प्रवेश का दूसरा राउंड किया शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ 24,814 छात्रों को नई सीटें, पीजी स्पॉट राउंड के लिए आवेदन शुरू

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने स्नातक (यूजी) प्रवेश प्रक्रिया के दूसरे राउंड की सीट आवंटन सूची जारी कर दी है। विश्वविद्यालय के अनुसार दूसरे राउंड में कुल 88,584 अभ्यर्थियों को शामिल किया गया है, जिनमें 24,814 छात्रों को पहली बार सीट आवंटित हुई है, जबकि 30,682 छात्रों को उनकी वरीयता के अनुसार सीट अपग्रेड मिली है। वहीं 15,265 छात्र पहले ही अपनी सीट फ्रीज कर चुके हैं।

विश्वविद्यालय ने चयनित अभ्यर्थियों को 26 जुलाई, 2026 रात 11:59 बजे तक आवंटित सीट स्वीकार करने का निर्देश दिया है। इसके बाद प्रवेश शुल्क 28 जुलाई, 2026 रात 11:59 बजे तक जमा करना होगा। निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रक्रिया पूरी नहीं करने पर सीट रद्द हो सकती है और उसे अगले पात्र अभ्यर्थी को आवंटित किया जा सकता है। उधर, दिल्ली विश्वविद्यालय ने दो वर्षीय स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों के लिए स्पॉट राउंड की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय ने इसके लिए आवेदन पोर्टल खोल दिया है। जिन अभ्यर्थियों को स्पॉट राउंड की घोषणा के समय किसी भी पाठ्यक्रम में सीट आवंटित नहीं हुई है, वे संबंधित कार्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं। पीजी स्पॉट राउंड के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 26 जुलाई, 2026 शाम 4:59 बजे निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों से समय सीमा के भीतर आवेदन करने और प्रवेश पोर्टल पर जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

'कृषि विज्ञान केंद्र ने स्वरोजगार के लिए युवाओं को किया प्रशिक्षित'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ संपन्न

कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), उजवा, ने 'गार्डेनर सह नर्सरी वर्कर' व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्वरोजगार के लिए युवाओं को किया प्रशिक्षित किया। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. डी. के. राणा ने कहा कि वर्तमान समय में नर्सरी उत्पादन, लैंडस्केपिंग, सजावटी पौधों का उत्पादन तथा रूफटॉप गार्डनिंग जैसे क्षेत्र रोजगार और स्वरोजगार के प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहे हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई आधुनिक तकनीकों को अपनाकर स्वरोजगार एवं उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि यह दस दिवसीय कार्यक्रम 15 से 24 जुलाई, 2026 तक आयोजित किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं, किसानों एवं महिलाओं को आधुनिक उद्यानिकी तकनीकों, गुणवत्तायुक्त नर्सरी उत्पादन तथा बागवानी आधारित स्वरोजगार एवं उद्यमिता के लिए आवश्यक वैज्ञानिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान करना था। वहीं, प्रशिक्षण का संचालन डॉ. राकेश कुमार, विषय विशेषज्ञ (बागवानी) ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को गुणवत्तायुक्त नर्सरी उत्पादन, पौध प्रवर्धन की आधुनिक तकनीकों, नर्सरी स्थापना एवं प्रबंधन सहित पौधों की वैज्ञानिक देखभाल का सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को 'ग्राफ्टिंग, बडिंग, कटिंग, एयर लेयरिंग तथा बीज के माध्यम से पौध तैयार करने' की विधियों की जानकारी दी गई। इसके अलावा वैज्ञानिक पॉटिंग मिक्स तैयार करना, री-पॉटिंग, हार्डनिंग तथा पौधों के रखरखाव के व्यावहारिक पहलुओं से भी अवगत कराया गया। केवीके अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के कौशल विकास कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं, किसानों और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ बागवानी आधारित उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों ने इसे उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें रोजगार के नए अवसरों के साथ अपना उद्यम शुरू करने का आत्मविश्वास मिला।

ध्वस्तीकरण के दौरान इमारत का हिस्सा गिरने से मजदूर घायल

एजेंसी, नई दिल्ली। स्वरूप नगर में शनिवार को एक पुराने भवन को ढहाए जाने के दौरान उसका एक हिस्सा भरभरा कर गिर जाने से एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस को सूचना मिली कि बाहरी उत्तरी दिल्ली में दोपहर करीब तीन बजे एक ढांचे को गिराए जाने के दौरान यह घटना हुई, जिसमें कुछ मजदूर मलबे के नीचे दब गए। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उनके घटनास्थल पर पहुंचने से पहले ही दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था। बचाव दल ने बाद में मलबे में दबे एक अन्य मजदूर संजय को बाहर निकाला और गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, बीरगांव जिला - रायपुर (छ.ग.)
Email Id: birgaonmcp@gmail.com http://www.nagarnigambirgaon.com

क्रं./ 2184/न.पा.नि./ लो. नि. शाखा / 2026 बीरगांव, दिनांक 24/07/2026

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
e-Procurement Tender Notice (1st Call)

नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजनान्तर्गत बंजारी मंदिर चौक से बस स्टैण्ड होते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रावांभाठा तक सड़क चौड़ीकरण कार्य (निविदा राशि रू. 530.23) लाख के लिए System Tender No 196142 अनुसार लोक निर्माण विभाग में [Following work as per schedule of rates for Road works issued by Engineer-In-Chief PWD Raipur in force from 15.06.2026, Building S.OR. in force from 10.06.2026, ELECTRICAL S.O.R 10.06.2026, and amendments applicable upto date of issue of NIT.] से प्रचलित एस.ओ.आर. में प्रतिशत दर पर (System Tender 196142 Bid Start Date 25.07.2026, Bid Due date. 17.08.2026, Physical Submission Last Date 24.08.2026, Open Date 25.08.2026) तक ई - निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक सक्षम पात्र निविदाकार, निविदा प्रपत्र, अनुमानित लागत राशि, नियम एवं शर्ते, धरोहर राशि, Key Date एवं विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निकाय कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www.nagarnigambirgaon.com व संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी उपलब्ध है। इसे https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड / प्राप्त कर ईटेण्डरिंग के माध्यम से निविदा भरने की कार्यवाही कर सकते है ।

"जय भारत जय छत्तीसगढ़"
"Say No To Plastic Bags, Save Earth"
"जल है तो कल है" "Use e-mail Save Tree"

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला - रायपुर (छ.ग.)

राजस्व विभाग में कल होगा आउटर नॉर्थ जिले के लिए साक्षात्कार

सिविल डिफेंस में भर्ती के नाम पर घोटाले के आसार

■ भर्ती करनी है तो साक्षात्कार नहीं, लिखित परीक्षा की मेरिट के आधार पर हो चयन

■ भर्ती प्रक्रिया निर्धारित एसओपी के अनुसार हो रही : आईसीडी

दया राम ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग के अंतर्गत जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) द्वारा आउटर नॉर्थ जिले में सिविल डिफेंस वालंटियर्स (सीडीवी) की भर्ती के पंजीकरण के लिए बीते कल 25 और आज 26 जुलाई को आवेदन स्वीकार किए गए जा रहे हैं। इसके बाद कल, 27 जुलाई को साक्षात्कार प्रक्रिया शुरू की जाएगी। विभाग की ओर से जारी आदेश में निर्धारित तिथि पर अभ्यर्थियों को सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ साक्षात्कार में शामिल होने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, साक्षात्कार प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही इसे लेकर विवाद खड़ा हो गया है। दिल्ली के बेरोजगार पूर्व सिविल डिफेंस वालंटियर्स मुकेश पाल ने इस भर्ती प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसे घोटाले की आशंका वाला कदम बताया है। उनका कहना है कि केजरीवाल सरकार के दौरान एक बार ही साक्षात्कार हुआ था। जबकि भाजपा सरकार के कार्यकाल में हर तीन माह में साक्षात्कार लिया जा रहा है। मुकेश पाल ने बताया यदि विभाग ने वास्तव में पारदर्शी प्रक्रिया से नई भर्ती करनी है तो उसका आधार 'लिखित परीक्षा और मेरिट सूची' होनी चाहिए, न कि केवल साक्षात्कार। वहीं, इस संबंध में इस जिले के वरिष्ठ आईसीडी मनोज कुमार ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया निर्धारित एसओपी के अनुसार हो रही है।

साक्षात्कार आधारित चयन प्रक्रिया पारदर्शी नहीं

नाम नहीं छापने की शर्त पर विभाग में कार्यरत कुछ मनमानी के शिकार सीडीवी ने बताया कि साक्षात्कार आधारित चयन प्रक्रिया पारदर्शी नहीं होती और इससे पक्षपात तथा मनमानी की संभावना बढ़ जाती है। उनका कहना है कि हजारों पूर्व सिविल डिफेंस वालंटियर्स वर्षों तक दिल्ली में बस मार्शल, कोविड ड्यूटी, बाढ़ राहत, जी-20 और अन्य आपदा प्रबंधन कार्यों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। ऐसे में सरकार को स्पष्ट एवं निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया अपनानी चाहिए।

भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाए सरकार

डीडीएमए की ओर से जारी आदेश के अनुसार, अभ्यर्थियों का साक्षात्कार निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगा और उन्हें आधार कार्ड, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण, आयु प्रमाण सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ लाने होंगे। चयनित अभ्यर्थियों को आगे प्रशिक्षण देकर आवश्यकता के अनुसार नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन कार्यों में लगाया जाएगा। उधर, पूर्व सीडीवी ने मांग की है कि सरकार भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाए और चयन केवल लिखित परीक्षा में प्राप्त अंकों की मेरिट के आधार पर करे। उनका कहना है कि यदि साक्षात्कार के आधार पर भर्ती की गई तो इससे पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े होंगे।

एफसीएस सॉफ्टवेयर सोल्यूशंस लिमिटेड
FCS The efficiency catalyst
CIN No. L72100DL1993PLC179154
पंजी. कार्यालय : 205, द्वितीय तल, अग्रवाल चेम्बर IV, 27, वीर सावरकर ब्लॉक, विकास मार्ग, शकरपुर, दिल्ली–92
कार्पोरेट कार्यालय : प्लॉट नं. 83, एनएसईजैड, नोएडा दादरी रोड, फेज–II, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा–201305

30 जून 2026 को समाप्त तिमाही हेतु एफसीएस सॉफ्टवेयर सोल्यूशंस लिमिटेड के अअंकेक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण भारतीय लेखा मानकों (Ind-AS) के अनुपालन में तैयार किया गया (रु. लाखों में)

विवरण	समाप्त तिमाही 30 जून, 2026 अअंकेक्षित	समाप्त वर्ष 31 मार्च, 2026 अंकेक्षित	समाप्त वर्ष 31 मार्च, 2025 अंकेक्षित
समेकित वित्त सम्बन्धी :			
प्रचालनों से कुल आय (शुद्ध)	1,612.00	5,815.13	3,654.04
कर के बाद साधारण गतिविधियों से शुद्ध लाभ (+)/हानि (-)	62.61	261.61	373.05
कर के बाद अवधि हेतु शुद्ध लाभ (+)/हानि (-) (असाधारण मदों के बाद)	62.61	261.61	373.05
इक्विटी शेयर कैपिटल	17,095.53	17,095.53	17,095.53
पूर्ववर्ती लेखा वर्ष की बैलेंस शीट के अनुरूप पुनर्मूल्यांकन रिजर्व्स को छोड़कर रिजर्व	8,783.23	8,728.31	(25,180.50)
अर्जन प्रति शेयर (रु.)* (वार्षिकृत नहीं)			
असाधारण मदों से पूर्व बेसिक (रु. में)	0.004	0.015	0.022
असाधारण मदों से पूर्व डायल्यूटेड (रु. में)	0.004	0.015	0.022
असाधारण मदों के बाद बेसिक (रु. में)	0.004	0.015	0.022
असाधारण मदों के बाद डायल्यूटेड (रु. में)	0.004	0.015	0.022
विवरण	**समाप्त तिमाही 30 जून, 2026 अअंकेक्षित**	**समाप्त वर्ष 31 मार्च, 2026 अंकेक्षित**	**समाप्त वर्ष 31 मार्च, 2025 अंकेक्षित**
स्टैंडअलोन वित्त सम्बन्धी :			
प्रचालनों से कुल आय (शुद्ध)	801.62	2,914.67	3,267.51
कर के बाद साधारण गतिविधियों से शुद्ध लाभ (+)/हानि (-)	67.79	(296.76)	273.93
कर के बाद अवधि हेतु शुद्ध लाभ (+)/हानि (-) (असाधारण मदों के बाद)	67.79	(296.76)	273.93
इक्विटी शेयर कैपिटल	17,095.53	17,095.53	17,095.53
असाधारण मदों से पूर्व बेसिक (रु. में)	(0.007)	(0.02)	0.02
असाधारण मदों से पूर्व डायल्यूटेड (रु. में)	(0.007)	(0.02)	0.02
असाधारण मदों के बाद बेसिक (रु. में)	(0.007)	(0.02)	0.02
असाधारण मदों के बाद डायल्यूटेड (रु. में)	(0.007)	(0.02)	0.02

उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग एवं अन्य घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों, 2015 के नियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजेज के पास दायर किये गये तैमाहिक / वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सार है। तैमाहिक / वार्षिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइट्स पर बीएसई (www.bseindia.com) पर, एनएसई (www.nseindia.com) पर और कम्पनी की वेबसाइट्स (www.fcsltd.com) पर उपलब्ध हैं।

स्थान : नोएडा
दिनांक : 25 जुलाई 2026

निदेशक मंडल के आदेशानुसार
कृते एफसीएस सॉफ्टवेयर सोल्यूशंस लि.
हस्ता/-
(निदेशक)

थिरक उठा जेन-जी, जमकर किया डांस, मस्ती के साथ लौटे घर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर सुनते ही जंतर मंतर खुशी के मारे जश्न में झूम उठा। चारों तरफ इंकलाब जिंदाबाद के नारे गूंजने लगे। झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिए, की गूंज पूरे जंतर मंतर पर गूंज उठी। मंच से ऐलान हुआ कि यह तो अभी पहली विकेट है जो गिरी है। दोपहर लगभग ढाई बजे के करीब मंच पर मौजूद कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) संस्थापक अभिजीत दीपके को जैसे ही यह खबर मिली कि धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है उन्हें यकीन ही नहीं हुआ।

पहले तो उन्हें भरोसा ही नहीं हुआ कि यह सच है, कुछ भी बोलने से पहले दीपके अच्छी तरह यह पक्का करना चाह रहे थे कि खबर सच है या नहीं। जैसे ही मंच पर खड़े उनके सहयोगियों ने यह कंफर्म किया कि केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा इस्तीफा देने की खबर सच है, दीपके एक दम उछल पड़े। उन्होंने सबसे पहले मंच पर झुकते हुए अपनी खुशी का इजहार किया। दीपके ने माइक लेकर सबसे पहले बोला कि क्या कहते थे इस सरकार में इस्तीफे नहीं होते। लेकिन हम कहना चाहते हैं कि झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिए। उसके बाद दीपके ने नीट परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद जान देने वाले सभी मृत छात्रों के नाम लेकर उनको श्रद्धांजलि दी और कहा इनको आज न्याय मिला है। उन्होंने तंज पूर्वक कहा कि जागो मामू सवेरा हो गया है। दीपके ने ऐलान किया कि हम उनको बता देना चाहते है कि यह तो अभी पहली विकेट है जो गिरी है। यह लड़ाई शुरू हुई है, अन्याय के खिलाफ, पूरे देश का युवा अब अपनी ताकत पहचान गया है। लंबे समय बाद जंतर मंतर पर संसद मार्च का नया इतिहास इसी युवा ने लिखा है। दीपके ने कहा कि इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय मुझे बिल्कुल मत देना। कभी भी किसी अकेले को हीरो मत बनाओ, यह जो संघर्ष करना पड़ा है यह हमने एक व्यक्ति को हीरो बनाया इसलिए करना पड़ा। दीपके ने इस ऐतिहासिक जीत के लिए देश के युवाओं को बहुत बहुत धन्यवाद देते हुए कहा कि अपनी ताकत को पहचानो और अन्याय के खिलाफ एकजुट होकर लड़ें, क्योंकि झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिए। बता दें कि केंद्रीय सरकार में मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह के साथ सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास व आशुतोष रांका की दोपहर को तीसरे दौर की बैठक थी। उससे पहले ही प्रधान ने इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। जिसके बाद जंतर मंतर पर जीत का जश्न मनाया जाने लगा।

जंतर-मंतर पर 36 दिन बाद सीजेपी ने किया धरना समाप्त

नीट परीक्षा के पेपर लीक मामले को लेकर हड़ताल पर बैठी सीजेपी ने 36वें दिन बाद शनिवार को बड़े घटनाक्रम में मांगों को पूरी करवाकर मिली जीत के बाद धरना प्रदर्शन समाप्त करने की घोषणा कर दी गई। सीजेपी ने नीट पेपर के लीक को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर गत माह जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन की शुरुआत की थी। शुरुआत में सामान्य धरने की तरह ही सीजेपी का भी प्रदर्शन चल रहा था। लेकिन 20 जुलाई को संसद मार्च के दिन उमड़ी भारी भीड़ के बाद धरने की पूरी दिशा और दशा ही बदलती चली गई। आखिरकार 25 जुलाई को प्रधान के इस्तीफे के बाद धरना समाप्त हो गया।

शनिवार की शुरुआत हुई हनुमान चालीसा से

जंतर मंतर से दूसरी साइड पर सुबह के समय सामूहिक रूप से लोगों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस दौरान भी लोगों की भीड़ देखने को मिली। वहीं गत तीन चार दिनों से जंतर मंतर पर ऐसे ऐसे ही भक्ति भाव वाले रंग देखने को मिलते रहे। जहां एक तरफ सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा अथवा हनुमान आरती की गूंज सुनाई देती। वहीं दूसरी तरफ मुस्लिम अनुयायियों को जंतर मंतर पर नमाज पढ़ते देखा गया।

सुबह सुबह ही जंतर-मंतर पर सुरक्षा कर दी थी कड़ी

शनिवार को सुबह सुबह ही जंतर मंतर के आस पास के सभी रास्तों की सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई। मौके पर खुद जॉइंट सीपी विजय सिंह निगरानी करते नजर आए। पुलिस ने एक बाद एक बैरिकेडिंग की कई लेयर खड़ी कर दी। सड़क पर लोहे की बड़ी बड़ी चौड़ी शीटें मोटी कीलों से गाड़ दी गई जिससे की प्रदर्शनकारी इन्हें खींचकर न ले जा सके। बैरिकेड को एक दूसरे के साथ मोटी जंजीरों से बांध दिया गया। पुलिस की ऐसे भारी सुरक्षा बंदोबस्त को देखकर प्रदर्शनकारियों में तरह तरह की बाते होती रही। सभी को लगने लगा कि हो सकता है सरकार किसी बड़े व कठोर एक्शन को लेकर तैयारी कर रही है। लेकिन ठीक भय के विपरीत दोपहर बाद जंतर मंतर की रंगत ही बदल गई।

वांगचुक ने प्रधान के इस्तीफे को बताया लोकतंत्र की जीत

नई दिल्ली। सोनम वांगचुक ने शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लोकतंत्र की जीत बताते हुए इसका श्रेय देशभर में छात्रों के नेतृत्व वाले आंदोलन और लोगों की भागीदारी को दिया। वांगचुक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, लोकतंत्र की जीत, प्रत्यक्ष लोकतंत्र जो सीधे सड़कों से निकला है। उन्होंने इसे शांति, धैर्य और दृढ़ता की जीत बताया और नीट प्रश्नपत्र लीक मुद्दे को लेकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन में भाग लेने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी), देश की 'जेन-जेड' और आम लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा, सीजेपी, देश की जेन-जेड को बधाई और देश के हर कोने से डर को छोड़कर खड़े होने के लिए सभी नागरिकों का धन्यवाद। इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए और अस्पताल में भर्ती होने से पहले 26 दिन की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल करने वाले वांगचुक ने कहा कि यह आंदोलन अब जवाबदेही तय करने से आगे बढ़ना चाहिए।

प्रदर्शनकारियों को वापस घर भेजने के लिए मेट्रो की फ्री यात्रा से डीएमआरसी ने किया इंकार

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के समाप्त होने के बाद जंतर मंतर सहित देर रात तक यह अफवाह फैली रही कि वापस घर भेजने के लिए मेट्रो ने प्रदर्शनकारियों की यात्रा फ्री कर दी है। इस बारे में डीएमआरसी ने बताया कि ऐसा कुछ नहीं है। डीएमआरसी के अनुसार ऐसा कुछ नहीं हुआ कि प्रदर्शनकारियों को मेट्रो में फ्री यात्रा की सुविधा दी गई हो। वहीं डीएमआरसी ने सुबह साढ़े सात बजे से बंद किए 18 मेट्रो स्टेशनों को प्रदर्शन समाप्त की घोषणा के बाद खोलना शुरू कर दिया था।

पत्थरबाजी, आंसू गैस के चले गोले

नई दिल्ली। शनिवार के दिन जंतर मंतर का माहौल बार बार बदलता दिखाई दिया। जहां एक तरफ कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस व कई छात्रों अथवा प्रदर्शनकारियों के बीच आपसी सौहार्द व हंसी ढिढोली देखने को मिली। वहीं दोपहर बाद एकाएक प्रदर्शनकारियों का एक टोला संसद मार्ग और टॉलस्टॉय मार्ग की तरफ से जंतर मंतर की तरफ बढ़ रहे पुलिस और प्रदर्शनकरियों के बीच झड़प शुरू हो गई। उन्हें आगे बढ़ने से रोके जाने पर हंगामा होने लगा। वहीं दूसरी तरफ किसी ने पुलिस पर पत्थरबाजी शुरू कर दी जिसके बाद पुलिस ने भी आंसू गैस के गोले छोड़े व लाठियां भांजी। हालांकि थोड़ी देर में मामला शांत हो गया।

दूर दराज से आए लोग बोले, आंखों में खुशी के आँसू लेकर लौट रहे हैं घर, जीवन भर रहेंगी यादें

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का धरना समाप्त होने के बाद जंतर मंतर से वापस अपने घर लौटते समय लोग बोले की आंखों में खुशी के आँसू लेकर लौट रहे है घर, जीवन भर यादें ताजा रहेगी। गत चार दिनों से जंतर मंतर पर धरने में शामिल महाराष्ट्र के अमरावती के रहने वाले युवक सतीश कांबले जाते समय बेहद भावुक है। कांबले ने कहा कि मुझे यकीन नहीं हो रहा कि मैं इस ऐतिहासिक धरने और जीत का हिस्सा हूं, मेरे जीवन का सबसे यादगार क्षण है यह। गाजियाबाद की रहने वाली नीलम का कहना है कि जिस समय अण्णा हजारे का आंदोलन हुआ में छोटी थी, केवल सुना और यूट्यूब पर देखा था। लेकिन अब कॉकरोच जनता पार्टी के इस धरने में मैं खुद शामिल हुई यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। आज मुझे भी लग रहा है कि मैंने इतिहास बनते देखा ही नहीं उसका एक हिस्सा भी बनी। राजस्थान के जयपुर की रहने वाली छात्रा खुशी का कहना है कि मैं 20 जुलाई के संसद मार्च में शामिल नहीं हो पाई इसका मलाल रहेगा, लेकिन दो दिन से धरने में रहने की यादें हमेशा रहेगी। मैं दो दिन दिल्ली में ही अपनी दोस्त के घर ठहरूंगी सोमवार को घर जाऊंगी। पंजाब निवासी सरदार विजेंद्र सिंह जोकि लगभग 20 दिनों से जंतर मंतर पर लोगों की सेवा में लगे है, का कहना है सरकार को बहुत पहले यह कदम उठाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि मैं 45 वर्ष हुं, किसान आंदोलन और उससे पहले अण्णा आंदोलन में भी सेवा कर चुका हुं। मुझे किसी से कोई मतलब नहीं मैं तो वाहे गुरू के रास्ते पर चलते हुए लोगों की सेवा करता हुं। दिल्ली के सुनील, हरकेश, मोहम्मद नूर जैसे स्कूली बच्चों का कहना है कि हम पुरानी दिल्ली में रहते है, लेकिन हम यहां तरह तरह का फ्री में मिलने वाले खाने के लिए ही आते हैं। इसी प्रकार विभिन्न राज्यों से आए कई युवक, युवतियों ने कहा कि बेशक कई तरह की परेशानियां उठानी पड़ी। लेकिन बच्चों के भविष्य के लिए यह लड़ाई बेहद जरूरी थी, हमें गर्व है कि इस ऐतिहासिक न्याय युद्ध के भागीदार और विजेता बने।

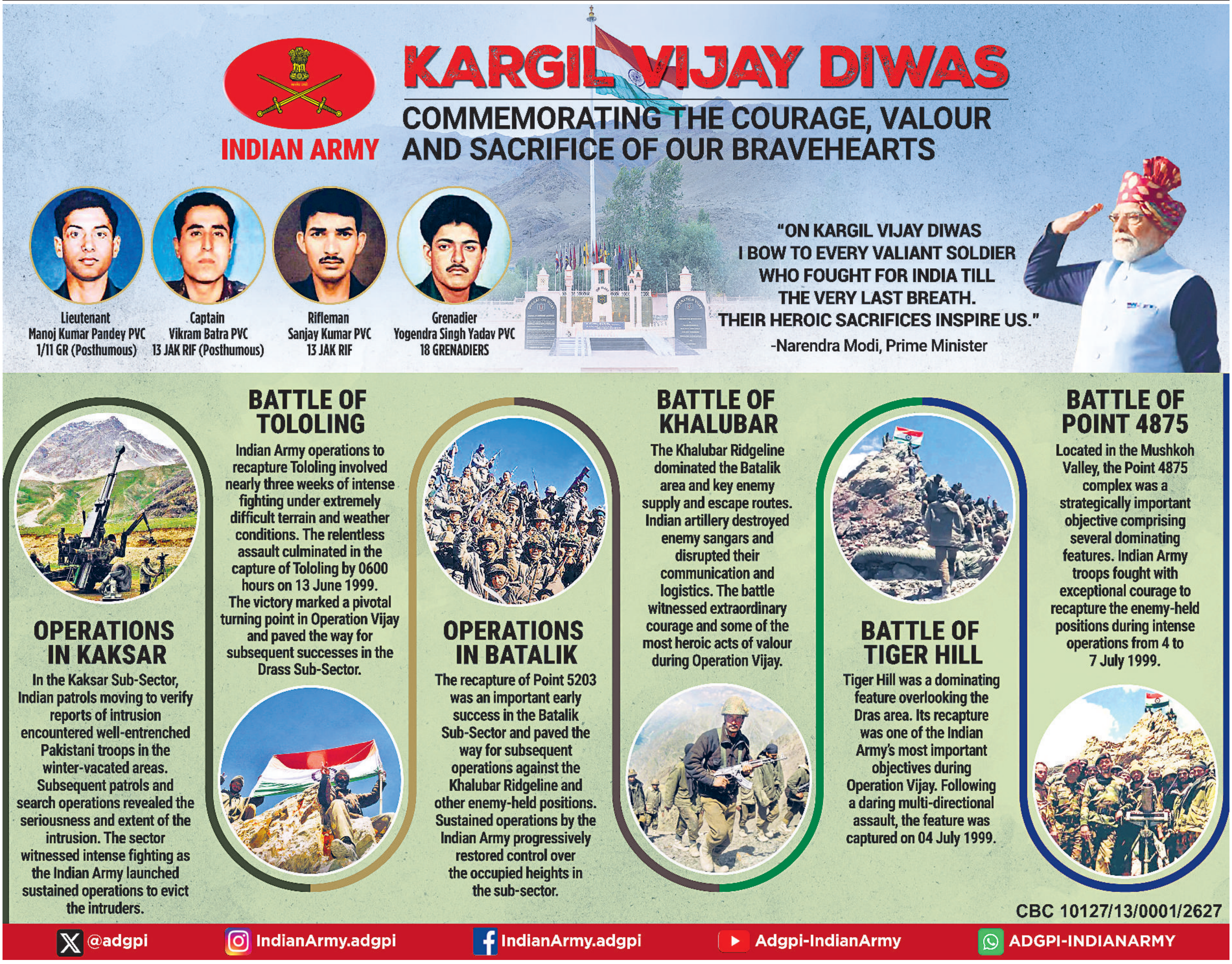

खबर संक्षेप

अवैध शराब बेचने वाला आरोपी धराया

फरीदाबाद। थाना सारन पुलिस की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब बेचने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 174 बोतल देसी एवं अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस पने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान शुभम निवासी जवाहर कॉलोनी फरीदाबाद के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि 24 जुलाई को थाना सारन पुलिस की टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि जवाहर कॉलोनी निवासी शुभम अपने घर में अवैध रूप से शराब बेचने का काम करता है। तलाशी के दौरान आरोपी के घर से 110 बोतल अवैध अंग्रेजी एवं 64 बोतल देसी शराब बरामद हुई, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। थाना प्रभारी हुकम सिंह ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह पेशे से टेलर का कार्य करता है।

ठगी के मामले में ऑपरेटर करनाल से गिरफ्तार

फरीदाबाद। महिला का फोन हैक कर 5,12,000 रुपए की ठगी करने के एक मामले में कार्रवाई करते हुये साइबर थाना एनआईटी की टीम ने स्पर्श निवासी सेक्टर-12 करनाल को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपी को करनाल से 24 जुलाई को काबू किया है। जिसको न्यायलय में पेश कर 2 दिन पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी ने दिल्ली से एलएलबी की पढ़ाई की है। उसकी टेलीग्राम के माध्यम से ठगों से जानकारी हुई थी। जिन्होंने उसको खाता ऑपरेट कर पैसे कमाने का लालच दिया था। जिस पर वह उनके लिए काम करने लग गया। ठगों द्वारा उसके पास कोरियर के माध्यम से खातों की किट व पंजीकृत सिम भेजी जाती थी। जिसके माध्यम से वह यूपीआई व पिन जनरेट कर खाते में आए पैसों को निकाल कर एटीएम मशीन के माध्यम से ठगो द्वारा बताये खातों में पैसे भेज देता था।

वित्तीय साक्षरता सेमिनार आयोजन में धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक किया

कमाई के साथ बचत और निवेश भी जरूरी छोटी बचत से बन सकता है बड़ा फंड: हिमानी लठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

सेक्टर-37, उद्योग विहार फेज-4 स्थित टेक्नोक्रेट कनेक्टिविटी सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड में शुक्रवार को वित्तीय साक्षरता सेमिनार का आयोजन किया गया।

प्रयोग फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में कर्मचारियों को बचत, निवेश और वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में सेबी की मास्टर ट्रेनर हिमानी

वित्तीय साक्षरता सेमिनार में सेबी की मास्टर ट्रेनर हिमानी लठ ने दी सलाह

लठ ने कहा कि वर्तमान समय में केवल कमाई करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि आय का सही प्रबंधन, बचत और सुरक्षित निवेश करना भी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी बचत से भविष्य के लिए बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। युवाओं को निवेश की शुरुआत जल्द करनी चाहिए, ताकि कंपाउंडिंग का अधिक लाभ मिल सके। हिमानी लठ ने कर्मचारियों को बैंकिंग, बीमा, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और डिजिटल लेन-देन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि योजना, एनपीएस और डाकघर की बचत योजनाओं को सुरक्षित निवेश के बेहतर विकल्प बताया। साथ ही निवेश से पहले संबंधित कंपनी के सेबी में पंजीकरण की जांच करने की सलाह दी।

साइबर ठग लोगों की मेहनत की कमाई को निशाना बना रहे

उन्होंने वित्तीय धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए कहा कि ओटीपी, पासवर्ड और बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करनी चाहिए। फर्जी लोन ऐप, फिशिंग लिंक और अनजान नंबरों से आने वाले संदेशों से सतर्क रहना आवश्यक है। प्रयोग फाउंडेशन के अध्यक्ष संजीव शर्मा और उपाध्यक्ष संजय कुमार ने कहा कि संस्था भविष्य में भी इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। उन्होंने कहा कि साइबर ठग नए-नए तरीकों से लोगों की मेहनत की कमाई को निशाना बना रहे हैं, ऐसे में वित्तीय साक्षरता समय की आवश्यकता बन गई है। कार्यक्रम में कंपनी प्रबंधन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सेमिनार कर्मचारियों को अपने वित्तीय भविष्य की बेहतर योजना बनाने में मददगार साबित होते हैं।

फरीदाबाद जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता तिरंगा झंडा लेकर हुए शामिल

छात्रों के समर्थन में कांग्रेस का सत्याग्रह व विजय मार्च, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

जंतर-मंतर पर छात्रों द्वारा किए जा रहे शांतिपूर्वक प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा की गई लाठी-चार्ज के विरोध में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के निर्देशानुसार पर शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बलजीत कौशिक के नेतृत्व में छात्रों के समर्थन में नीलम चौक पर सत्याग्रह किया गया, तत्पश्चात विजय मार्च नीलम चौक से लेकर बीके चौक तक निकाला गया। कांग्रेस कार्यकर्ता के हाथों में तिरंगे झण्डे व स्लोगन की तख्तियां थी।

इस मौके पर विधायक रघुबीर सिंह तेवतिया, रोहित नागर, विधान प्रताप सिंह, विनोद कौशिक, पूर्व पार्षद राजेन्द्र चपराना, अनिल शर्मा, योगेश ढींगड़ा, युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विकास दायमा, रिन्कू चंदीला सहित कांग्रेस जन मौजूद रहे। उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष बलजीत कौशिक ने कहा कि दिल्ली के जन्तर-मन्तर पर लीक हुई नीट परीक्षा व परीक्षाओं में हुई धांधली को लेकर छात्र शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। इस बीच दिल्ली पुलिस ने निर्दोष छात्रों पर हुए बर्बरता दिखाते हुए लाठीचार्ज किया व निर्दोष छात्रों पर मुकदमें भी दर्ज किए। छात्रों के समर्थन में उतरे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद प्रियंका सांसद, सपा प्रमुख अखिलेश यादव सहित सभी विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिया गया। यह कहा का कानून

है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष बलजीत कौशिक ने कहा कि केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा युवाओं-छात्रों के संघर्ष की जीत है। अगर प्रधान शुरुआत में ही नैतिक जिम्मेदारी लेकर इस्तीफा दे देते तो मासूम छात्रों को ना लाठीचार्ज का सामना करने पड़ता और ना ही इतना संघर्ष करना पड़ता। छात्र केवल निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे थे, लेकिन उनकी आवाज को दबाने के लिए पुलिस बल का प्रयोग किया गया, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि देश का युवा अपने भविष्य की सुरक्षा और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया चाहता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और रोजगार से जुड़े मामलों में पारदर्शिता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। यदि परीक्षाएं निष्पक्ष हों और भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी बनाई जाए, तो युवाओं का विश्वास मजबूत होगा और उन्हें बार-बार सड़कों पर उतरने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा छात्रों और युवाओं के अधिकारों की आवाज़ बुलंद करती रहेगी। उन्होंने सरकार से मांग की कि परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए, पेपर लीक जैसी घटनाओं पर सख्त कार्रवाई हो तथा छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ न होने दिया जाए। इस अवसर पृथला क्षेत्र के विधायक रघुबीर सिंह तेवतिया ने कहा कि केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र पहले ही इस्तीफा दे देते तो छात्रों को संघर्ष करने की जरूरत ही नहीं पड़ती और उनके साथ तो बर्बरता हुई है वह भी नहीं होती। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश व देश के भविष्य युवाओं से माफी मांगनी चाहिए, जिन पर लाठीचार्ज व बर्बरता की थी। साथ ही परीक्षा तंत्र को इतना पारदर्शी बनाना चाहिए कि भविष्य में पेपर लीक की कोई संभावना ना रहे क्योंकि पेपर लीक की समस्या देश में महामारी का रूप ले चुकी है।

कांग्रेस ने राष्ट्रव्यापी आंदोलन चलाया

युवाओं को बीजेपी सरकार की अनदेखी के चलते सड़कों पर आकर आंदोलन करना पड़ा। इसके खिलाफ कांग्रेस ने राहुल गांधी के नेतृत्व में, छात्रों की गूंज कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रव्यापी आंदोलन चलाया। आखिरकार जन आंदोलन के खिलाफ बीजेपी को झुकना पड़ा। अब कांग्रेस संसद के भीतर पेपर लीक को लेकर सरकार से जवाब मांगेगी और सभी मागें नहीं मानी तो कांग्रेस संसद को भी नहीं चलने देगी। सड़क से लेकर संसद तक भाजपा सरकार को इस मोर्चे पर घेरा जाएगा। इस अवसर पर बिजेन्द्र चांदहट, अंश वत्स, उमेश कौशिक, डा. सौरभ शर्मा, अनिल शर्मा, वीरेन्द्र चंदीला, वेद प्रकाश यादव, अजीत भाटी एडवोकेट, गौरव ढींगड़ा, अब्दुल गफ्फार कुरैशी, विकास फागना, प्रेम यादव, सुनीता फागना, एन.के.शर्मा, एडवोकेट अनुज शर्मा, संजय सौलंकी, सुरेश बेनीवाल, शालिनी मल्होत्रा, बलजीत हुड्डा, बलजीत सिंह अरोड़ा, महेश बैंसला, जुल्फिकार, इशांत कथूरिया, राहुल सरदाना, राहुल नागर, बिजेन्द्र मावी, मोहसीन खान, युनूस खान, सरला भमोत्रा, पम्मी मान, अरूण अग्रवाल, विशाल पाण्डे, शैलेन्द्र सिंह, मुकेश परसवाल, विक्रम, अर्जुन तंवर, योगेश तंवर, शाहबुद्दीन, नरसीमा शेख, जुबैर खान, मनीष बौद्ध, प्रशांत कौशिक एडवोकेट, देव वशिष्ठ, नरेश, दीपक शर्मा, राजकुमार शर्मा, सोहिल सैफी, जसविंदर, सुन्दर नेताजी, सरपंच विजयपाल कोट, गजना लाम्बा, रियाज खान, राजा सैनी, धर्मदत्त आदि।

राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

पेपर लीक को लेकर भीम आर्मी ने किया प्रदर्शन, लाठीचार्ज को बताया गलत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सेक्टर 12 स्थित लघु सचिवालय में शनिवार दोपहर भीम आर्मी के करीब 50 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन दिल्ली के जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में किया गया। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने जिला उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन में भीम आर्मी के ओमप्रकाश, कुलदीप एडवोकेट, छात्रा अंजलि, दिव्यांग महिला गीत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उनका कहना था कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने कहा कि दिल्ली के जंतर मंतर पर छात्र अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थेए लेकिन उन पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किया गया, जो पूरी तरह गलत है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर नागरिक को अपनी बात शांतिपूर्ण तरीके से रखने का अधिकार है। छात्रों की आवाज सुनने के बजाय उन पर बल प्रयोग करना उचित नहीं है। संगठन ने मांग की कि सरकार छात्रों की बात सुने और उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई करे। प्रदर्शन में शामिल कॉलेज की छात्रा अंजलि ने कहा कि अपने हक की लड़ाई लड़ रहे छात्रों पर किसी को डंडे नहीं मारने चाहिए।

जंतर मंतर पर पुलिस द्वारा छात्रों पर किया गया लाठीचार्ज बहुत गलत है और इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए। वहीं, प्रदर्शन में शामिल दिव्यांग महिला गीत ने कहा कि जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करना सरकार का गलत कदम है।

लगभग 20 लाख रुपए मूल्य के मोबाइल वास्तविक मालिकों को लौटाए

सीईआईआर पोर्टल की मदद से फरीदाबाद पुलिस ने 121 गुम मोबाइल किए बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

लोगों के गुम हुए मोबाइल फोन बरामद करने के लिए फरीदाबाद पुलिस लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त अपराध राजेश कुमार मोहन के मार्गदर्शन तथा सहायक पुलिस आयुक्त अपराध अमन यादव के नेतृत्व में अपराध शाखा की साइबर सेल ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करते हुए 121 गुमशुदा मोबाइल फोन तलाश किये हैं।

पुलिस के अनुसार अपराध शाखा की साइबर सेल ने भारत सरकार के सीईआईआर पोर्टल विभिन्न राज्यों की पुलिस से समन्वय तथा आधुनिक तकनीकी संसाधनों का उपयोग करते हुए पिछले एक माह के दौरान फरीदाबाद जिले से गुम हुए 121

मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जिनकी अनुमानित बाजार कीमत 20 लाख रुपये से अधिक है। 25 जुलाई शनिवार को सहायक पुलिस आयुक्त अपराध अमन यादव ने तलाश किये गये सभी मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिये हैं। लोगों को जब उनके फोन वापस मिले तो उनके चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। मोबाइल वापस मिलने पर सभी नागरिकों ने फरीदाबाद पुलिस की त्वरित कार्रवाई, तकनीकी दक्षता और जनसेवा के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए पुलिस का तहेदिल से धन्यवाद व्यक्त किया। फरीदाबाद पुलिस द्वारा गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए सीईआईआर पोर्टल का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। इस पोर्टल के माध्यम से गुम या चोरी हुए मोबाइल का सिम नंबर ब्लॉक करने, उसकी लोकेशन ट्रैक करने तथा बरामद होने पर उसे पुनः सक्रिय करने की सुविधा उपलब्ध है।

मीटिंग का संचालन सचिव लज्जाराम ने किया

रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

रिटायर्ड कर्मचारी संघ जिला फरीदाबाद की मीटिंग जिला प्रधान नवल सिंह की अध्यक्षता में सेक्टर-11 कार्यालय में संपन्न हुई। मीटिंग का संचालन जिला सचिव लज्जाराम द्वारा किया गया। मीटिंग में मुख्य वक्ता के तौर पर रिटायर्ड कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान एवं जिला फरीदाबाद के प्रभारी वजीर सिंह उपस्थित थे।

मीटिंग में राज्य उप प्रधान यू एम खान एवं आशा शर्मा भी उपस्थित थे। मुख्य वक्ता ने अपने संबोधन में कहां की केंद्र सरकार ने आठवें वेतन आयोग का लाभ पेंशनरों को देना है या नहीं देना है यह सरकार की मर्जी पर निर्भर है। जबकि ऐसा पहले सातवें वेतन आयोग तक कभी नहीं हुआ। ऐसा पहली बार हुआ है उन्होंने कहा कि केंद्र के पेंशनरों एवं राज्य के पेंशनरों को मिलकर लड़ाई लड़नी होगी। जिसकी अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी पेंशनर्स फेडरेशन ने तैयारी शुरू कर दी गई हैं। आगामी 12 दिसंबर को जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया जाएगा और मांगों का ज्ञापन दिया जाएगा। कोरोना काल का 18 महीने का महंगाई भत्ता का एरिया नहीं दिया जा रहा है। पेंशनर को

कैशलेस चिकित्सा नहीं दी जा रही है। मीडिया व अखबारों में ढिंढोरा पीटा जा रहा है कर्मचारियों की बल्ले बल्ले। लंबे समय से पेंशनर मांग कर रहे हैं और कई बार आंदोलन कर चुके हैं लेकिन पेंशनरों की मांग पेंशन में बढ़ोतरी 65 साल में 5 प्रतिशत, 70 साल में 10 प्रतिशत, 75 साल में 15 प्रतिशत और 80 साल में होने पर 20 प्रतिशत फैमिली पेंशनर्स को एलटीसी सुविधा, नागरिकों को रेल यात्रा में व हवाई जहाज यात्रा में छूट प्रदान करना, पेंशन की कोमोट की गई राशि को 15 साल की बजाय 11 साल में काटना। जिन गंभीर बीमारियों में कैशलेस सुविधा है उनके इलाज में भी पैनल वाले अस्पताल में पेमेंट जमा कराई जाती है।

सरकारी खजाने को लगाया करोड़ों का चूना

दो सौ करोड़ के आईटीसी फ्रॉड का भंडाफोड़ दो पूर्व को-फाउंडर व दो सीए गिरफ्तार

धर्मेंद्र कौशिक ▶▶ गुरुग्राम

गुरुग्राम के केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) आयुक्तालय की एंटी इवेजन विंग ने करीब 200 करोड़ रुपए के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) घोटाले का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों में ऑटो सर्विस सेक्टर की एक प्रतिष्ठित कंपनी के दो पूर्व को-फाउंडर और दो चार्टर्ड अकाउंटेंट शामिल हैं। सीजीएसटी अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से फर्जी कंपनियों (शेल एंटिटीज) का नेटवर्क तैयार किया और बिना किसी वास्तविक माल की आपूर्ति किए इनवॉइस जारी कर करोड़ों रुपये के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाया। इस पूरे नेटवर्क के जरिए सरकारी राजस्व को करीब 200 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घोटाले को अंजाम देने के लिए वित्तीय और कर संबंधी विशेषज्ञता का इस्तेमाल किया गया। आरोपियों ने विभिन्न कंपनियों के माध्यम से लेन-देन का ऐसा जाल तैयार किया, जिससे कागजों में व्यापारिक गतिविधियां वास्तविक दिखाई दें। फर्जी बिलिंग और इनवॉइस रूटिंग के माध्यम से आईटीसी का अनुचित लाभ लिया गया, जबकि वस्तुओं की वास्तविक आपूर्ति नहीं हुई थी। सीजीएसटी गुरुग्राम की एंटी इवेजन विंग ने तकनीकी और वित्तीय दस्तावेजों की गहन जांच के बाद चारों आरोपियों को सीजीएसटी अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया। इसके बाद उन्हें गुरुग्राम के ड्यूटी मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। अदालत में सीजीएसटी की ओर से प्रस्तुत किए गए दस्तावेजी और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को देखते हुए चारों आरोपियों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

अपराध शाखा सेक्टर-30 की टीम ने 5000 का ईनामी किया गिरफ्तार

पुलिस ने वारदात को लेकर पूछताछ शुरू की

सूरजकुंड क्षेत्र में शराब के गोदाम पर फायरिंग कर डकैती करने वालों को उपलब्ध कराये थे हथियार, 8 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

वर्ष 2025 में थाना सूरजकुंड क्षेत्र के अंतर्गत शराब के ठेके के पीछे बने गोदाम पर फायरिंग कर डकैती की वारदात को अंजाम देने के मामले में 2 देसी कट्टा उपलब्ध करवाने वाले आरोपी ब्रिजेश निवासी एटा उत्तर प्रदेश को अपराध शाखा सेक्टर 30 की टीम ने 24 जुलाई को एटा से गिरफ्तार किया है।

जिसको 2 दिन पुलिस रिमांड पर लेकर अपराध शाखा की टीम पूछताछ कर रही है। पुलिस प्रवक्ता अनुसार 18 मार्च 2025 की अल सुबह थाना सूरजकुण्ड क्षेत्र के अंतर्गत स्थित शराब ठेके के पीछे बने गोदाम पर फायरिंग कर 1,60,000 रुपये व एक शराब की पेटी लूट ली गई थी। घटना के संबंध में

आरोपियों को वारदात में 2 देशी कट्टा उपलब्ध करवाने वाला विजय भी पुलिस गिरफ्त में

गांव अनंगपुर निवासी प्रदीप की शिकायत पर सूरजकुंड में मामला दर्ज कर जांच आरंभ की गई थी। जांच में सामने आया कि आरोपी ने वारदात में प्रयोग 2 देसी कट्टा आरोपी विजय फौजी को उपलब्ध करवाये थे। विजय फौजी बृजेश के पिता का जानकार था और उसका उनके घर पर आना जाना था। इस दौरान ही ब्रिजेश व विजय फौजी की जान पहचान हुई थी। आरोपी अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए राजस्थान, गुजरात व उत्तर प्रदेश में विभिन्न ठिकाने बदलकर छुप रहा था। फरीदाबाद पुलिस ने दिसंबर 2025 में आरोपी की गिरफ्तारी पर 5000 के नाम घोषित किया हुआ था। अपराध शाखा की टीम ने तकनीकी व खुफिया तंत्र की सहायता से अंततः आरोपी को एटा से काबू किया है। जांच में यह भी पता चला है कि आरोपी पर पूर्व में भी उत्तर प्रदेश में आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है। मामले में अब तक विजय फौजी सहित 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज

गाजियाबाद में सर्राफा कारीगरों से 50 लाख का सोना लेकर कर्मचारी फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

गाजियाबाद में सर्राफा कारोबार से जुड़े तीन कारीगरों से करीब 50 लाख रुपये कीमत का 369 ग्राम गला हुआ सोना लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर तीन आरोपितों के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कन्हैयालाल मोहल्ला निवासी शेख मोहम्मद मोहसिन ने बताया कि वह पिछले 15 वर्षों से सोने-चांदी के आभूषण बनाने का काम करते हैं। रामचंद्र सहाय ज्वेलर्स पर काम करने वाला मोनू उर्फ निशांत शर्मा 27 जून को गहने तैयार कराने के नाम पर 140 ग्राम गला हुआ सोना उनसे ले गया। इससे पहले 14 जून को भी वह 74 ग्राम सोना ले चुका था। इसी तरह उसने एक अन्य कारीगर जाहिद और विमल शर्मा से गला हुआ सोना लिया। इस तरह कुल 369 ग्राम सोना उसके कब्जे में पहुंच गया। 24 जून को जब तीनों कारीगर दुकान पर पहुंचे तो मोनू वहां नहीं मिला। उसका मोबाइल फोन बंद मिला और घर पर भी उसका कोई पता नहीं चला। पीड़ित का आरोप है कि मोनू ने अपने भाई आकाश शर्मा और साथी नितिन शर्मा के साथ मिलकर धोखाधड़ी की और करीब 50 लाख रुपये कीमत का सोना लेकर फरार हो गया। एसीपी कोतवाली उपासना पांडेय का कहना है कि तीनों आरोपितों की तलाश में पुलिस टीमों को लगाया गया है। शीघ्र आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा।

खबर संक्षेप

महिला मित्र संग रह रहे युवक की मौत

लखनऊ। आठ साल से पत्नी और बेटी को छोड़ महिला मित्र के साथ किराये के मकान में रह रहा था।

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। गुजैनी थाना क्षेत्र के जरौली फेज-दो में रील बनाने वाली महिला मित्र के साथ रह रहे राहुल (38) की शनिवार सुबह संदिग्ध हालात में मौत हो गई। महिला उसे सहयोगियों की मदद से कांशीराम अस्पताल लेकर पहुंची। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

गोरखपुर में 42 पुलिसवाले लाइन हाजिर

गोरखपुर। गोरखपुर में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने एक साथ 42 पुलिसवालों को

लाइन हाजिर कर दिया है। कहा जा रहा है कि कानून-व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए एसएसपी ने यह बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। एसएसपी की इस कार्रवाई की जद में आने वाले पुलिसकर्मियों में सात उपनिरीक्षक, एक मुख्य आरक्षी और 34 आरक्षी शामिल हैं।

शराब के अवैध धंधे पर सीएम हेमंत सोरेन सख्त

रांची। सीएम ने अफसरों को स्पष्ट निर्देश दिया कि राज्य में अवैध शराब निर्माण, परिवहन, बिक्री व

तस्करी पर पूरी कठोरता के साथ अंकुश लगाएं। मदिरा के अवैध निर्माण से न केवल सरकारी राजस्व प्रभावित होता है, बल्कि सेवन करने वालों के लिए भी यह गंभीर खतरा उत्पन्न करता है। इसके अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

जांच को सशक्त बनाकर न्याय प्रणाली को मजबूत करने में देंगे सहयोग

योगी सरकार के 94 पुलिस अधिकारियों ने सीखी फॉरेंसिक विज्ञान की बारीकियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वैज्ञानिक और तकनीक आधारित पुलिसिंग के विजन को जमीन पर उतारने की दिशा में उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस ने एक और कदम बढ़ाया है।

संस्थान में 'क्राइम सीन मैनेजमेंट' कोर्स के पांचवें बैच का प्रशिक्षण पूरा हो गया। छह सप्ताह तक चले प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न कमिश्नरेट और जनपदों के 94 पुलिस अधिकारियों को वैज्ञानिक प्रबंधन, साक्ष्य संरक्षण, साइबर

फोरेंसिक और आधुनिक विवेचना तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। जिसका उद्देश्य है कि विवेचना वैज्ञानिक साक्ष्यों पर आधारित हो, ताकि अदालत में मजबूत पैरवी हो और दोषियों को सजा दिलाने की दर बढ़े। समारोह में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ. प्रशांत कुमार ने कहा कि फॉरेंसिक विज्ञान का मूल उद्देश्य जांच को सशक्त बनाकर न्याय प्रणाली को मजबूत करना है। कहा कि डीएनए, फिंगरप्रिंट और अन्य भौतिक साक्ष्यों का वैज्ञानिक विश्लेषण अपराधियों की पहचान और सफल विवेचना की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने प्रशिक्षित अधिकारियों से अपने-अपने जनपदों में ट्रेनर ऑफ ट्रेनर्स के रूप में अन्य पुलिसकर्मियों को भी प्रशिक्षित करने का आह्वान किया। कहा कि योगी सरकार ने विश्वस्तरीय फोरेंसिक शिक्षा और विशेषज्ञ तैयार करने के उद्देश्य से इस संस्थान की स्थापना की है।

पटना, सीवान, पूर्णिया, सहरसा समेत अन्य जगहों पर उग्र प्रदर्शन

पटना समेत कई जिलों में लाठी चार्ज

बिहार बंद: छपरा और सीतामढ़ी में प्रदर्शनकारियों ने गाड़ियां फूंकीं

बिहार बंद के दौरान शनिवार को पटना से छपरा, सीवान, सीतामढ़ी, पूर्णिया, सहरसा, सासाराम तक भारी बवाल देखने को मिला। कहीं पर प्रदर्शकारियों ने ईंट-पत्थर चलाए, तो कहीं पर तोड़फोड़ करते हुए जमकर उत्पात मचाया। छपरा और सीतामढ़ी में उपद्रवियों ने गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया।

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार बंद के दौरान राज्य के कई जिलों में शनिवार को तनाव और बवाल की स्थिति रही। छपरा में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की गाड़ी को फूंक दिया। सीतामढ़ी में भी कई गाड़ियों में तोड़फोड़ के बाद आग के हवाले कर दिया गया। पटना, सीवान, पूर्णिया, सहरसा समेत अन्य जगहों पर उग्र

प्रदर्शनकारियों ने ईंट-पत्थर चलाए। पुलिस ने उन्हें काबू में करने के लिए लाठीचार्ज किया और कहीं-कहीं पर आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए।

पटना में बिहार बंद के दौरान पुलिस की गाड़ी में तोड़फोड़

पुलिस ने लाठीचार्ज कर छात्रों को वहां से खदेड़ दिया। दोपहर में गांधी मैदान बिस्कोमान के पास लाठीचार्ज की कोशिश से आंदोलनकारी भड़क गए। आक्रोशित युवाओं ने ईंट-पत्थर चलाना शुरू कर दिया। सीतामढ़ी में शहर में बिहार बंद के दौरान कलेक्ट्रेट गेट के पास आंदोलन अचानक उग्र हो गया।

आगरा में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनेगा, किसानों की आमदनी बढ़ेगी

नीट के दोषियों की संपत्तियां होंगी जब्त संसद में पेपर लीक पर आएगा बिल

मदारीपुर कला में आयोजित जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले जो जिला आकांक्षी था, वह अब विकास की राह पर आगे बढ़ चुका है। इस दौरान उन्होंने चेतावनी दी कि नीट परीक्षा जैसी गड़बड़ियों और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले दोषियों की संपत्तियां जब्त की जाएंगी...

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहपुर/जालौन/आगरा

जिले में सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मदारीपुर कला स्थित मैदान में विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। उन्होंने 2027 विधानसभा चुनाव का राजनीतिक संदेश देते हुए विकास को भाजपा की सबसे बड़ी ताकत बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले फतेहपुर आकांक्षी जिलों में गिना जाता था। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और सपा के शासन में युवाओं का शोषण हुआ और नकल माफिया को संरक्षण मिला। कहा कि छात्र-छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। नीट परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपियों पर कार्रवाई का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दोषियों की संपत्तियां भी जब्त की जाएंगी।

उरई से सीएम योगी का विपक्ष पर बड़ा हमला, बोले

1273.96 करोड़ के विकास कार्यों का तोहफा

माफिया को मिट्टी में मिलाया अब नकल माफिया की बारी

उन्होंने जालौन में विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान विपक्ष पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए कानून-व्यवस्था, माफिया और नकल माफिया के खिलाफ सरकार की सख्त नीति को दोहराया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने प्रदेश को डकैती और संगठित अपराध से मुक्त कराने का काम किया है और अब नकल माफिया के खिलाफ भी निर्णायक कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड के पिछड़ेपन का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि जालौन और पूरे बुंदेलखंड को वर्षों तक पिछड़ेपन, दस्यु समस्या और पलायन की मार झेलनी पड़ी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जालौन वासियों को 1273.96 करोड़ की 324 विकास परियोजनाओं की बड़ी सौगात दी, जिनमें 216 परियोजनाओं का लोकार्पण और 108 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। वहीं तय कार्यक्रम के अनुसार सीएम योगी शनिवार दोपहर करीब 3:40 बजे जालौन से हेलिकॉप्टर से सीधे टाटा मैदान पहुंचे। जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि आगरा में सिर्फ एयरपोर्ट ही नहीं बनेगा, बल्कि इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनेगा।

सम्राट के 100 दिन पूरे होने पर बड़े ऐलान

कोसी-गंडक कॉरिडोर, नया अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, गयाजी में नया स्टील प्लांट

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर सरकार की आगामी योजनाओं का खुलासा करते हुए कई बड़े ऐलान किए। सीएम ने कहा कि कोसी और गंडक नदी के किनारे रोड के साथ-साथ इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाया जाएगा। दरभंगा के साथ ही पूर्णिया एयरपोर्ट को भी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाया जाएगा। गयाजी में बोकारो (झारखंड) की तर्ज पर स्टील प्लांट लगाया जाएगा।

सीएम ने पटना में जीविका टावर तो मुजफ्फरपुर में इलेक्ट्रॉनिक पार्क की स्थापना करने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को बीआईडी मेसरा में सरकार के 100 दिन पूरे होने पर बीआईटी मेसरा में आयोजित कार्यक्रम 11461 करोड़ की लागत से 2476 योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि 100 दिन पूरे करने के बाद अब उनका सबसे बड़ा लक्ष्य सभी जिलों में उद्योगों की स्थापना करना है। इसको लेकर सरकार गंभीरता से काम कर रही है।

5 साल में 25 चीनी मिल खुलेंगी

सम्राट ने कहा कि बोकारो स्टील प्लांट की तर्ज पर आईएमसी गया में स्टील प्लांट की स्थापना की जाएगी। मुजफ्फरपुर के राजापाकड़ में इलेक्ट्रानिक पार्क बनाया जाएगा। इसमें 20 से 30 हजार करोड़ रुपए का निवेश होगा, जबकि एक लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा। इसके अलावा उन्होंने अगले पांच सालों में 25 नई चीनी मिल खोलने की घोषणा भी की।

कोसी और गंडक नदी पर कॉरिडोर

सम्राट चौधरी ने कहा कि कोसी और गंडक नदी पर कॉरिडोर का निर्माण होगा। इस पर सड़क तो बनेगी ही, उसके साथ इंडस्ट्रियल कॉरिडोर भी विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही गंगा के अलावा गंडक और कोसी नदी के किनारे टाउनशिप भी विकस की जाएगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

आईजी रेंज लखनऊ की अध्यक्षता में नई एसआईटी गठित, अयोध्या के डीआईजी- एसएसपी शामिल

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच के लिए शासन ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार शनिवार को नई एसआईटी गठित कर दी है। अब आईजी रेंज लखनऊ किरण एस की अध्यक्षता में गठित एसआईटी में अयोध्या रेंज के डीआईजी सोमेन बर्मा व एसएसपी अयोध्या डॉ. गौरव ग्रोवर को शामिल किया गया है। कई दिनों से सुस्त पड़ी जांच अब तेजी पकड़ेगी। केस में नए आरोपी भी बनाए जा सकते हैं।

जून के पहले सप्ताह में चढ़ावा चोरी का मामला उजागर हुआ था। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मांग पर शासन ने 13 जून को

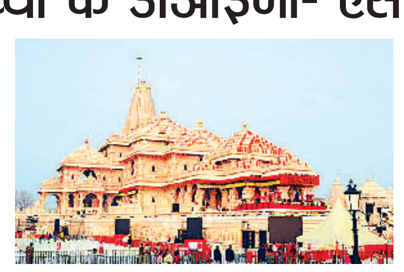

एसआईटी गठित की थी। एसआईटी में लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, आईजी रेंज लखनऊ किरण एस और विशेष सचिव (वित्त) नील रतन को शामिल थे। एसआईटी की सिफारिश पर 25 जून को केस दर्ज कर आरोपी गिरफ्तार किए गए थे।

अगली सुनवाई 27 को

20 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यूपी सरकार को आदेश दिया था कि मामले की जांच के लिए आईपीएस के नेतृत्व में एसआईटी गठित की जाए। अगली सुनवाई 27 जुलाई को होनी है। सुनवाई से पहले शासन ने नई एसआईटी गठित कर दी है। पहली एसआईटी में आईजी रेंज लखनऊ शामिल थे। इसलिए नई एसआईटी को जांच में काफी मदद मिलेगी। अब तक हुई जांच के तथ्यों को नई एसआईटी अपनी तफ्तीश में शामिल करेगी।

यात्रियों की मांग पर रेलवे ने लिया फैसला

सावन में श्रद्धालुओं के लिए प्रयागराज से स्पेशल ट्रेनें

एजेंसी ▶▶| प्रयागराज

सावन में दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए रेलवे ट्रेनें चलाने जा रहा है। रेलवे बाबा बैद्यनाथ धाम (देवघर), महाकालेश्वर (उज्जैन) और सोमनाथ के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। इससे प्रयागराज और आस-पास के ज़िलों के शिव भक्तों के लिए देश के तीन प्रमुख ज्योतिर्लिंग मंदिरों तक रेल से पहुँचना आसान हो जाएगा।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों की मांग के आधार पर वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम तक भी कनेक्टिविटी बढ़ाने पर विचार कर रहा है। सावन में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेल प्रशासन प्रयागराज-वेरावल-प्रयागराज विशेष ट्रेन चलाएगा।

गाड़ी 04173 प्रयागराज से प्रत्येक गुरुवार छह अगस्त से 24 सितंबर तक आठ फेरे लगाएगी। वापसी में 04174 शुक्रवार को वेरावल से सात अगस्त से 25 सितंबर तक चलेगी। यह अजमेर, आबू रोड, पालनपुर, राजकोट, जूनागढ़ होते हुए वेरावल पहुंचेगी। यात्री सोमनाथ मंदिर के दर्शन के साथ अजमेर शरीफ और माउंट आबू भी जा सकेंगे। प्रयागराज से सुबह 10:10 बजे चलकर अगले दिन शाम 6:15 बजे वेरावल पहुंचेगी।

महाकाल के दर्शन को ट्रेन की अवधि बढ़ाई

उत्तर मध्य रेलवे ने सूबेदारगंज-इंदौर-सूबेदारगंज द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के संचालन की अवधि बढ़ा दी है। ट्रेन संख्या 04169 प्रत्येक शुक्रवार और सोमवार को सूबेदारगंज से तथा 04170 प्रत्येक शनिवार और मंगलवार को इंदौर से चलेगी। यह सेवा 15 जून से 29 सितंबर तक कुल 31 फेरों के लिए संचालित होगी।

जिम के शौक ने बनाया चैंपियन

ई-रिक्शा और ठेला बेचकर जुटाया था डाइट का फंड

एजेंसी ▶▶| नालंदा

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल में देश के लिए पहला पदक जीतने वाला दिव्यांग भारोत्तोलक झण्डू कुमार ने निर्धनता को मात देकर उपलब्धि प्राप्त की है।झण्डू कुमार ने दिव्यांग भारोत्तोलन में भारत को कांस्य पदक दिलाया।

इन्होंने पौष्टिक आहार के लिए अपनी ई-रिक्शा और ठेला बेच दी थी। बिहार में नालंदा जिले के हरनौत के सबनहुआ डीह निवासी 28 वर्षीय यह खिलाड़ी माता-पिता की सब्जी की दुकान चलाने में सहयोग करते थे। गृहस्थी के कारण उनकी अनुपस्थिति में झण्डू ही दुकान पर बैठते थे। इन्होंने घर का खर्च जुटाने के लिए ई-रिक्शा

और ठेला भी चलाया। जब इनके कोच ने बताया कि भारोत्तोलन मैच में विजेता बनने के लिए शारीरिक ताकत बढ़ानी होगी, इसके लिए धन चाहिए। इनके पास रुपए नहीं थे। पौष्टिक आहार जुटाने के लिए इन्होंने घर वालों की सहमति से ई-रिक्शा और ठेला बेच दी। सब्जी दुकान चलाई और लगभग ढाई लाख रुपए का प्रबंध किया था। अब झण्डू की वैश्विक पहचान बन गई है।

सरकारी नौकरी की प्रतीक्षा में झण्डू

झण्डू की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियों के आधार पर वर्ष 2024 से इनके सभी खर्च भारत सरकार उठा रही है। बिहार सरकार ने भी सहायता की है। झण्डू के कोच रहे नालंदा लक्ष्य पारा खेल अकादमी के सचिव कुंदन कुमार पांडेय ने बताया कि बिहार सरकार ने झण्डू को तीन बार बिहार खेल सम्मान दिया है।

पेज एक का शेष

धर्मेंद्र प्रधान ने दिया ...

भक्ति गीत बजने लगे, प्रदर्शनकारी नाचने लगे। आंदोलन के दौरान कई दिन तक अनशन पर रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने इसे देश की युवा शक्ति और लोकतंत्र की जीत बताया।

सभी एफआईआर ...

हमें भरोसा दिलाया है कि वह दर्ज सभी एफआईर की कॉपी शेयर करेगी। हमारी आखिरी जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में 15 से 20 एफआईआर दर्ज की गई थीं और हमें किसी भी हाल में तीन से चार दिनों के भीतर वे कॉपी मिल जाएंगी। सरकार ने यह भी भरोसा दिलाया है कि इन्हें जल्द ही वापस ले लिया जाएगा। इसे समझते हुए, हमने सरकार के साथ एक ड्राफ्ट शेयर किया है। सरकार ने कहा है कि वह मंगलवार तक इसे हमारे साथ शेयर करेगी। हमें उम्मीद है कि मंगलवार तक हमें इन एफआईआर और भविष्य की किसी भी कार्रवाई के संबंध में सरकार की गारंटी मिल जाएगी।

कहा-10 दिन का ...

घटनाक्रम देखकर मेरा मन दुखी है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है। प्रधान ने कहा कि उन्होंने पहले दिन से ही जिम्मेदारी ली है और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा।

पीएम मोदी मांगें ...

आरएसएस पर शिक्षा प्रणाली पर कब्जे का आरोप लगाया और मांग की कि छात्रों पर हमला करने वालों को सजा दी जाए तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के छात्रों से माफी मांगें।

डॉ. द्विवेदी ने ...

व मुख्य वक्ता बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह एवं प्रो. गुरुप्रसाद सिंह (पशुपालन विभाग, बीएचयू) थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. प्रेम नारायण सिंह (निदेशक अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र, वाराणसी) ने की। अपने संबोधन में डॉ. द्विवेदी ने शिक्षा में किए जा रहे नए नीतिगत बदलाओं का मुख्य उद्देश्य मनुष्य को संवेदनशील बनाया जाना बताया। उन्होंने कहा कि जो शिक्षा और शिक्षा नीति संस्कारों को विस्तार न दे सके वह व्यर्थ है। द्विवेदी ने पौराणिक और धार्मिक कथाओं के समृद्ध स्वरुप से अपने तर्कों को पुष्ट कर व्याख्यान को सार्थक बनाया।

शिक्षा की अवधारणा....

बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह ने शिक्षा के प्रशासनिक, आर्थिक स्वायत्तता की बात की साथ में कैंपस में शिक्षा सभी को एक बराबर मिले इस पर मुख्य रूप से बल दिया। उन्होंने आजादी के बाद वर्तमान तक शिक्षा नीतियों की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए उनकी विवेचना की। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिवेंद्र राणा व धन्यवाद ज्ञापन अश्विनी सिंह ने किया।

नाविकों, जहाजों पर ...

ढांचों पर हमलों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग पूरी तरह से सुरक्षित और नौवहन आवाजाही की स्वतंत्रता को समेटे हुए होने चाहिए। जिससे इन इलाकों से गुजरने वाले जहाजों को बिना किसी बाधा के आवागमन का अवसर मिल सके।

जहाज पर हुए हमले में 1 भारतीय की मौत : वहीं, एक अन्य मामले में विदेश मंत्रालय ने बीते 24 जुलाई को एक बयान जारी कर बताया कि इसी महीने की 18 तारीख को एमवी 'ओएमओआरएफआई' नामक एक वाणिज्यिक पोत पर काला सागर से गुजरते वक्त रूस के प्रादेशिक जलक्षेत्र में हुए हमले में 1 भारतीय नागरिक की मृत्यु हो गई है। जिस वक्त यह हादसा हुआ। उस दौरान जहाज में सवार चालक दल के 10 सदस्यों में 3 भारतीय थे। जिनमें से एक की मौत हो गई है। जबकि दो अन्य सुरक्षित हैं। मंत्रालय ने दुख की इस घड़ी में मृतक के शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी ओर से गहन संवेदनाएं व्यक्त की हैं। इसके अलावा जहाज में सवार 2 अन्य भारतीयों को सुरक्षित बताया गया है।

प्रभावित परिवारों को देते सहायता : जहाज पर हमले की सूचना मिलते ही रूस में मौजूद भारतीय दूतावास ने मामले से जुड़े हुए रूस के अधिकारियों से संपर्क स्थापित किया है। प्रभावित परिवारों को हर प्रकार से सहायता प्रदान करने की कोशिश की जा रही है।

जहाजों पर हमले की निंदा की : वैश्विक जलक्षेत्रों में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने की तमाम घटनाओं और बेकसूर चालक दल के सदस्यों के जीवन को खतरे में डालने की भारत ने कड़ी निंदा की है। नई दिल्ली की तरफ से इस बात को लेकर भी चिंता व्यक्त की गई थी कि समुद्री नौवहन की स्वतंत्रता तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार निरंतर रूप से बढ़ते खतरों का सामना कर रहे हैं। सभी भागीदार पक्षों से भारत ने यह अपील भी की है कि वह समुद्री व्यापार की सुरक्षा और संरक्षा को बनाए रखने के लिए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।

चंद्रमा के बेहद करीब नजर आया अन्टारेस तारा

गोरखपुर समेत देशभर में दिखा अद्भुत खगोलीय नजारा

एजेंसी ▶▶| गोरखपुर

24 जुलाई की रात गोरखपुर समेत देश के कई शहरों के आकाश में एक दुर्लभ और मनमोहक खगोलीय दृश्य देखने को मिला। शुक्ल पक्ष का बढ़ता हुआ चंद्रमा वृश्चिक तारामंडल के प्रमुख लाल महादानव तारे अन्टारेस के बेहद करीब दिखाई दिया।

इस दुर्लभ खगोलीय युति ने खगोल प्रेमियों को रोमांचित कर दिया। गोरखपुर के तारामंडल स्थित नक्षत्रशाला के खगोलविद अमरपाल सिंह ने बताया कि ऐसी खगोलीय घटनाएं कई वर्षों के अंतराल पर देखने को मिलती हैं और इन्हें देखने के लिए किसी विशेष उपकरण की आवश्यकता नहीं होती। यह दृश्य नंगी आंखों से भी आसानी से देखा जा सकता था।

वास्तव में अंतरिक्ष में दोनों पिंड एक-दूसरे के पास नहीं होते

खगोलविद अमरपाल सिंह के अनुसार 24 जुलाई की रात चंद्रमा वृश्चिक तारामंडल के सबसे चमकीले लाल महादानव तारे अन्टारेस, जिसे भारतीय खगोल विज्ञान में ज्येष्ठा नक्षत्र का योगतारा कहा जाता है, इसके अत्यंत निकट दिखाई दिया। इसे खगोल विज्ञान की भाषा में युति कहा जाता है। हालांकि अंतरिक्ष में दोनों पिंड वास्तव में एक-दूसरे के पास नहीं होते, लेकिन पृथ्वी से देखने पर वे एक ही दिशा में होने के कारण यह बेहद निकट दिखाई देते हैं।

बिना दूरबीन के भी दिखा शानदार दृश्य

अमरपाल सिंह ने बताया कि इस खगोलीय युति को देखने के लिए दूरबीन या टेलीस्कोप की आवश्यकता नहीं थी। सूर्यास्त के बाद से लेकर रात लगभग एक बजे तक यह दृश्य नंगी आंखों से देखा जा सकता था। जिन लोगों के पास दूरबीन या बाइनोकुलर थे, उन्हें यह दृश्य और अधिक स्पष्ट तथा आकर्षक दिखाई दिया।

क्यों खास है अन्टारेस तारा?

अन्टारेस वृश्चिक तारामंडल का सबसे चमकीला और रात के आकाश का लगभग 15वां सबसे चमकीला तारा माना जाता है। यह एक लाल महादानव तारा है, जिसे ॼवृश्चिक का हृदयॽ भी कहा जाता है।

भारतीय खगोलीय परंपरा में इसे ज्येष्ठा नक्षत्र का प्रमुख योगतारा माना जाता है। इसका रंग लाल-नारंगी है और यह पृथ्वी से लगभग 550 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है।

आषाढ़ बीतने वाला है, सावन का महीना शुरू होने वाला है। रिमझिम फुहारों से भीगी हरी-भरी प्रकृति और मन को प्रफुल्लित करने का यह मौसम हमें आमंत्रित करता है कि आइए, एक बार फिर अपने बचपन में लौट जाएं। बारिश की फुहारों में तन मन को भिगो लें, अपनों के संग यादगार पल बिता लें, उनके साथ झूम लें। यकीन मानिए, ये पल आप कभी नहीं भूल पाएंगे।

आइए फिर बन जाएं बच्चे

रिमझिम बारिश का लें जी भर मजा

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

आधुनिक भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में अगर बारिश के मौसम का असली आनंद लेना है, तो हमें अपने भीतर के बचपन को फिर से जगाना होगा। यानी आने वाले सावन-भादो के दिनों का मजा लेने के लिए बन जाएं बच्चे, थोड़े से अक्ल के कच्चे। तर्क, समझदारी और दुनियादारी के बोझ को किनारे रखकर, एक बच्चे जैसी मासूमियत और बेफिक्री से इस मौसम को जीना सीख लें तो पूरे साल जीवन ऊर्जा से लबरेज रह सकते हैं।

समेट लें हर बूंद: बारिश के ये भीगे-भीगे दिन साल में एक बार आते हैं और हमें यह संदेश देते हैं कि जिंदगी सिर्फ काम करने, पैसे कमाने और जिम्मेदारियां निभाने का नाम ही नहीं है। इस मौसम के बहाने प्रकृति हमें खुलकर हंसने, भीगने और गाने का न्यौता देती है। इसलिए इन दिनों में अपनी सारी 'अक्लमंदी' को कुछ दिनों के लिए आराम करने भेज दीजिए। दिल से पूरी तरह 'बच्चे' बनिए और सावन-भादो की हर एक बूंद को अपने भीतर समेट लीजिए। क्योंकि समझदारी में भले ही सुरक्षा हो, पर असली आनंद तो बेफिक्री की मासूमियत में ही मिलती है।

तर्क छोड़ लें आनंद: बड़े होने पर हम हर चीज में नफा-नुकसान, सही-गलत और लॉजिक ढूंढ़ने लगते हैं। बारिश का यह मौसम तर्क का नहीं, बल्कि अहसास का उत्सव है। जब आसमान से बूंदें गिरती हैं, तो एक समझदार व्यक्ति कपड़े भीगने या बीमार पड़ने के डर से छतरी तान लेता है। इसके विपरीत, मासूम बच्चे बिना किसी बचाव के बारिश की बूंदों का मजा लेने लगते हैं। बारिश का असली मजा लेने के लिए पहली शर्त यही है कि हम कुछ समय के लिए अपनी प्रौढ़ उम्र की समझदारी को भूलकर प्रकृति के इस उपहार को स्वीकार करें।

भीगने का बेबाक उल्लास: छत पर जाकर या सड़कों पर बाहें फैलाकर आसमान से गिरती बूंदों को अपने चेहरे पर महसूस करना एक थेरेपी की तरह है। जब आप 'बच्चे' बन जाते हैं, तो आपको इस बात की परवाह नहीं होती कि लोग क्या कहेंगे या आपके जूते खराब हो जाएंगे। बारिश का पानी हमारे तन के साथ-साथ मन के तनाव को भी धो देता है। यह बेफिक्री ही बारिश को खास बनाती है।

कागज की कश्ती से दोस्ती: 'वो कागज की

कश्ती, वो बारिश का पानी।' मशहूर शायर सुदर्शन फाकिर द्वारा लिखी यह बेहद खूबसूरत नज्म वर्षा ऋतु से जुड़ी यादों को सामने ले आती है। बचपन में घंटों बैठकर रंग-बिरंगे कागजों से नाव बनाना और उन्हें बहते पानी में छोड़ना एक अलग ही रोमांच देता था। जब नाव किसी बाधा को पार कर आगे निकल जाती, तो मन खुशी से झूम उठता था। क्यों न एक बार फिर बच्चा बनकर कागज की कश्ती को बहते पानी में बहाएं। महसूस करें कि छोटी-छोटी चीजों में कितनी बड़ी खुशियां छिपी होती हैं!

नहीं भूलेगी सोंधी महक: तपती गर्मी के बाद जब बारिश की पहली फुहार सूखी धरती पर पड़ती है, तो उससे उठने वाली सोंधी महक आत्मा को तृप्त कर देती है। बारिश में भीगते, मिट्टी में खेलने के दौरान बच्चे इस सोंधी महक से भी जुड़ जाते हैं। आज कंक्रीट के जंगलों और 'स्क्रीन टाइम' के दौर में, बारिश हमें वापस मिट्टी की ओर खींचता है। बिना चप्पल पहने हरी घास और गीली मिट्टी पर चलकर देखिए, यह अनुभूति आप भूल नहीं पाएंगे।

झूले पर पींग बढ़ाने का रोमांच: सावन-भादो के मौसम में पुराने समय में बाग-बगीचों में पेड़ों

की डालियों पर रस्सियों के झूले डाले जाते थे। किशोरियां और महिलाएं मिलकर लोकगीत गाती थीं और आसमान छूने की होड़ में पींग बढ़ाती थीं। हवा के झोंकों के साथ ऊपर जाना और फिर तेजी से नीचे आना, दिल की धड़कनों को बढ़ा देता था। आज भले ही वो बाग कम हो गए हों, लेकिन किसी पार्क में या घर की बालकनी में एक छोटा-सा झूला डालकर भीगी हवाओं का आनंद लिया ही जा सकता है। इससे हमारे भीतर का बाल-मन जीवंत हो उठेगा।

फायदेमंद है अक्ल का कच्चापन: 'अक्ल का कच्चा' होने का मतलब मूर्ख होना नहीं, बल्कि 'ओवरथिंकिंग' से मुक्त होना है। बारिश की बूंदें हमसे कहती हैं कि इस पल में जियो। जैसे बच्चे को कल की चिंता नहीं होती, वैसे ही कुछ घंटों के लिए अपनी अक्ल और चिंताओं को ताले में बंद कर देना ही आनंद मार्ग का दरवाजा खोलता है।

लजीज पकवानों का लें मजा: रसोई से घेवर, मालपुए, मूंगदाल के चीले, गरमा-गरम पकोड़े और अदरक वाली चाय की खुशबू, बारिश के मौसम का लुत्फ और बढ़ा देती है। अगर आप समझदार बने रहेंगे तो हमेशा कैलोरी, डाइट और फैट के हिसाब-किताब में उलझे रहेंगे। लेकिन बारिश का मजा तो तब आएगा, जब आप बच्चे की तरह बिना किसी गिल्ट के लजीज व्यंजनों का स्वाद लेंगे।

हरियाली को निहारने का सुख: एक बच्चा प्रकृति के इस बदलाव को बड़े कौतूहल से देखता है। पत्तियों पर अटकी बूंदें, रेंगते हुए छोटे कीट और इंद्रधनुष उसे मोहित कर देते हैं। जब हम एक बच्चे की विस्मय भरी नजरों से इस हरियाली को देखते हैं, तो हमें भी हर शय आकर्षक लगने लगती है। *

गीत-संगीत के संग थिरकन

बारिश सिर्फ देखने या छूने का नहीं, बल्कि सुनने का भी मौसम है। बादलों की गड़गड़ाहट, मेंढकों की टर्र-टर्र, झींगुरों की आवाज और पत्तियों पर गिरती बूंदों का अपना एक संगीत होता है। इसके साथ ही, लोकगीतों और कजरी की परंपरा इस मौसम को संगीतमय बनाती है। कुछ पल के लिए जब आप बच्चे बनते हैं, तो झिझक छोड़कर संगीत की धुन पर अपने परिजन या दोस्तों के संग झूम उठते हैं। बारिश के गानों पर जी भर झूमना या नाचना, मन के भीतर दबे हुए सारे गुबार को बाहर निकाल देता है।

संगीत-कला-मनोरंजन के साथ

सुधरे स्वास्थ्य-बढ़े आयु

अगर आप लंबे समय तक स्वस्थ रहना चाहते हैं, अपनी मेमोरी, सुकून और आयु बढ़ाना चाहते हैं तो अपनी व्यस्त दिनचर्या में से कुछ समय अपने मनोरंजन के लिए निकालिए। कला और संगीत का जीवन पर कैसा सकारात्मक असर पड़ता है, इसका खुलासा हाल में एक स्टडी में हुआ है।

लाइफस्टाइल

अंजू जैन

अगली बार जब आप अपने साप्ताहिक बजट या वीकेंड की योजना बनाएं, तो उसमें केवल मॉल जाने या रेस्टोरेंट में खाना खाने का कार्यक्रम न रखें, बल्कि किसी स्थानीय कला प्रदर्शनी का टिकट लें, किसी नाटक के दर्शक बनें या लाइव संगीत की महफिल का हिस्सा बनें। इससे आपके स्वास्थ्य और जीवन पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

क्या कहती है स्टडी: वैज्ञानिकों द्वारा किया गया अध्ययन इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि कला कोई विलासिता नहीं, बल्कि दीर्घायु और स्वस्थ जीवन के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। जाहिर है, कला पर खर्च किया गया आपका समय और पैसा केवल

मनोरंजन पर नहीं, बल्कि आपके जीवन के कीमती और स्वस्थ वर्षों को बढ़ाने पर निवेश है। सीधी-सी बात है कि कला से जुड़िए और लंबी उम्र पाइए।

स्टडी का तरीका: जापान के नेशनल सेंटर फॉर जेरियाट्रिक्स एंड जेरोंटोलॉजी और यूके के शोधकर्ताओं ने लगभग 10 से अधिक वर्षों तक हजारों वयस्कों के जीवन चक्र और उनकी सांस्कृतिक आदतों का विश्लेषण किया। वैज्ञानिकों ने डीएनए प्रणालियों और कोशिकाओं के बूढ़े होने की गति को मापा। इस शोध से जो बातें सामने आईं, उनसे यह साबित हुआ है कि सिनेमा, संगीत कार्यक्रम और कला प्रदर्शनियों में भाग लेने से इंसान की जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। नियमित रूप से सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले लोगों की उम्र न केवल लंबी होती है, बल्कि उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी काफी बेहतर रहता है। इस शोध में शामिल वैज्ञानिकों ने पाया कि जो लोग सप्ताह में कम से कम एक बार किसी सांस्कृतिक गतिविधि (जैसे फिल्म, नाटक या संगीत) का हिस्सा बनते हैं, उनकी जैविक उम्र न जाने वालों की तुलना में लगभग एक वर्ष कम पाई गई। कलात्मक गतिविधियों में सक्रियता से शरीर के बूढ़े होने की वार्षिक दर में करीब 4 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई है। जापान दुनिया में सबसे अधिक औसत आयु वाले देशों में शीर्ष पर है, जिसका एक बड़ा कारण वहां की जीवनशैली है। जब बुजुर्ग या वयस्क किसी पेंटिंग, प्रदर्शनी या लाइव कॉन्सर्ट में जाते हैं, तो उन्हें न केवल मानसिक संतोष मिलता है, बल्कि वे समाज के अन्य लोगों से भी जुड़ते हैं।

व्यायाम जैसा प्रभाव: वैज्ञानिकों का मानना है कि नियमित रूप से कला दीर्घाओं या संगीत समारोहों में जाना शरीर पर उतना ही सकारात्मक जैविक प्रभाव डालता है, जितना कि नियमित व्यायाम करना या धूम्रपान/शराब जैसी लत को छोड़ना।

शारीरिक-मानसिक तंत्र पर प्रभाव: यह शोध केवल सतही आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरा न्यूरोलॉजिकल और बायोलॉजिकल विज्ञान काम करता है। जब हम किसी मूवी, म्यूजिक कंसर्ट या आर्ट एग्जीबिशन का हिस्सा बनते हैं, तो हमारे शरीर में कई बदलाव होते हैं। जैसे- कलात्मक माहौल में समय बिताने से मस्तिष्क में तनाव पैदा करने वाले हार्मोन 'कोर्टिसोल' का स्तर तुरंत गिर जाता है। इससे हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है और असमय आने वाले हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। म्यूजिक कंसर्ट की धुनें या किसी फिल्म की सम्मोहक कहानी हमारे मस्तिष्क में डोपामाइन, ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर को रिलीज करती हैं। ये हार्मोन दर्द कम करते हैं, मूड बेहतर बनाते हैं और शरीर में हीलिंग की प्रक्रिया को तेज करते हैं। उम्र बढ़ने और अंगों के खराब होने का बड़ा कारण शरीर के अंदरूनी हिस्सों में होने वाली सूजन है। जो लोग कलात्मक अभिव्यक्तियों से जुड़े, उनके शरीर में 'साइटोकिंस' (सूजन बढ़ाने वाले प्रोटीन) का स्तर कम पाया गया, जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत बना रहता है।

अकेलापन वृद्ध अवस्था में एक साइलेंट किलर की तरह काम करता है। थिएटर और कंसर्ट हॉल जैसे सार्वजनिक स्थान लोगों को एक साझा मंच प्रदान करते हैं, जिससे सामाजिक अलगाव खत्म होता है और जीवन जीने की इच्छा मजबूत होती है। *

गीत

प्रो. शरद नारायण खरे

बरखा की बहार

ताल-तलैयां रीत गए थे नदियां भी थीं सूखी।
बुझा-बुझा मन रहता था और काया भी थी रूखी।।
बरखा की बूंदों से पर अब, मिला खुशी का खत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
कंठ शुष्क थे, जी घुटता था, बेचैनी मुस्काती।
सारा आलम व्यथित हुआ था, सांसें भी थम जाती
हरियाली धरती पर बिखरी, लगता सुखद सतत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
स्वेद बहा करता था निशिदिन पर अब जल साथी है।
आसमान से अमिय बरसता, हर शय अब गाती है।।
मौसम तो मनभावन लगता, हर पल उल्लासित है
बहुत दिनों के बाद सभी की, खिली-खिली तबियत है।।
बूंदें लाईं नवल संदेशे, अमन-चैन के मेले।
बच्चे नाव चलाते जल में, लिए हर्ष के रेले।।
जीवन को नवरूप मिला, कृषक हुआ आनंदित है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।

लघुकथा / संजय मृदुल

गुरु दक्षिणा

रमा ने दरवाजा खोला तो सामने एक नौजवान खड़ा था। असमंजस से डूबे हुए स्वर में रमा ने पूछा, 'जी कहिए, किससे मिलना है आपको?'

'अरे रमा आंटी! पहचाना नहीं मैं हूं रिंटू! कई साल पहले यहीं आपके पड़ोस में रहते थे ना हम।' कहकर रिंटू चुप हो गया।

'अरे हां, रिंटू! इतने सालों बाद तुम्हें यूं देखकर थोड़ी हैरान हो गई थी मैं।' रमा को याद आया तो मुस्कुराते हुए उसका हाथ पकड़ भीतर ले आई। रमा अतीत को याद करने लगी। रिंटू के पिता सरकारी कर्मचारी थे। कई साल पहले ट्रांसफर से यहां पड़ोस में रहने आए थे। दो तीन साल रहकर फिर और किसी शहर में चले गए थे।

'तुम अचानक यहां कैसे बेटा? और तुम्हे हम, ये घर याद था अब तक?' रमा ने रिंटू से प्रश्न किया। 'जी आंटी! मेरी बैंक में नौकरी लगी है और पहली पोस्टिंग इसी शहर में मिली है। कुछ दिन पहले ही आया हूं यहां। मां ने याद दिलाया कि आपसे जरूर मिलना। वैसे भी आंटी, भूलने का तो सवाल ही नहीं उठता आपको। आपकी वजह से तो आज मैं यहां तक पहुंचा हूं। आप की दी हुई सीख भूल चुका होता तो पापा की तरह शराबी, जुआरी हो गया होता।'

रमा को बिसरा हुआ सब याद आने लगा। रिंटू के पिता आदतन शराबी थे। करेला और नीम चढ़ा यह कि जुए का भी जबरदस्त नशा था। आए दिन घर पर महाभारत होता। रिंटू की मां भी परिस्थितियों के कारण गुस्सैल हो गई थी। रोज-रोज की मारपीट, झगड़े ने रिंटू का बचपन छीन लिया था। जैसे ही शाम होती वो भागकर रमा के घर आ जाता। जब तक उसके पिता की आवाज आनी बंद नहीं होती, तब तक उन्हीं के पास दुबका रहता। रमा को भी उस नन्हे बच्चे पर तरस आता। उसे खाने को देती, पढ़ाती, नई बातें सिखाती।

'क्या सोचने लगी आंटी? मैं आपसे ही मिलने आया हूं। आज गुरु पूर्णिमा भी है तो और कभी इससे शुभ मुहूर्त नहीं मिलता आपसे मिलने आपका आशीर्वाद लेने का।' रिंटू की बात सुनकर रमा वर्तमान में लौट आई। रिंटू को इस तरह खुश और विश्वास से भरा हुआ देखकर उसे अच्छा लग रहा था।

'घर में सब कैसे हैं रिंटू?' रमा ने रिंटू से पूछा। 'सब कौन आंटी? मैं और मां ही हैं। पापा तो कुछ साल पहले चल बसे। उनकी जगह मां को नौकरी मिल गई।' कुछ ठहरकर रिंटू फिर बोला, 'याद है आंटी, जब मैं रोज आपके यहां आकर छुपता था, आप कितना समझाती थीं मुझे। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे आपने एक बात कही थी उसी बात ने मुझे आज यह मुकाम दिया है।'

'ऐसा क्या कहा था मैंने? मुझे तो याद नहीं।' रमा ने सवाल किया।

'हमारे घर की हालत तो आपको याद होगी। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे, तब आपने मुझसे कहा था- रिंटू! कमल केवल कीचड़ में ही खिलता है। तुम्हारे घर के हालात कितने भी खराब हों तुम कभी अपने पापा की तरह बनने की सोचना भी मत। हमेशा सोचना कि कैसे इनके तरह ना बनूं? खूब पढ़ना, मेहनत करना, अपनी मां को सारी खुशियां देना। देखना एक दिन तुम्हारे पापा भी समझ जाएंगे सुधर जाएंगे। बस सब्र रखना। ...और आंटी जी, मैंने आपकी बात को गांठ बांध लिया। जितनी भी मुश्किल आई, हार नहीं माना। घर में जितना भी माहौल खराब रहा, मां को समझाता रहा कि एक दिन सब अच्छा हो जाएगा। और देखिए आज मैं एक अच्छी नौकरी पर हूं। बस दुःख यही है कि पापा नहीं है। उन्हें भी खुशी तो होती आज।' रिंटू भावुक हो गया। 'बिल्कुल होती बेटा। कौन सा बाप बेटे की सफलता पर खुश नहीं होता। भले ही उन्होंने कितने गलत काम किए...' रमा बोली। 'जी आंटी। आपने जो भी सिखाया था उसी का यह परिणाम है।' कहते हुए रिंटू ने अपने बैग में से कुछ सामान निकाला, 'ये मेरी तरफ से कुछ भेंट है, मेरी तरफ से गुरु दक्षिणा मान कर स्वीकार कर लीजिए।' रमा की आंखों में आंसू झिलमिला उठे। स्नेह से रिंटू के सिर पर हाथ फेरा। वाकई कीचड़ में कमल खिलते देख लिया था उसने। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

समय-समाज की कहानियां

गत वर्ष दिवंगत हुए प्रखर कथाकार अवधेश प्रीत की नई कहानियों के संग्रह 'मिनी और अन्य कहानियां' में बारह कहानियां संकलित हैं। इन कहानियों में जहां एक ओर लेखक की वह गहन दृष्टि नजर आती है, जिससे वे अपने समय में होने वाले विचलन को लक्षित करते हैं, साथ ही राजनीतिक और सामाजिक सरोकारों को लेकर उनकी प्रतिबद्धता भी प्रकट होती है। शीर्षक कहानी 'मिनी' का फलक अत्यंत विस्तृत है, जिसमें मीडिया की भूमिका, लोगों के चारित्रिक क्षरण और स्त्री चेतना को स्वर दिया गया है। 'ये शरीफ लोग' कहानी हमारे समय की राजनीति और समाज के उस स्याह यथार्थ को सामने लाती है, जिसमें एक स्त्री भरपूर संकल्प के साथ संघर्ष के लिए कदम तो बढ़ाती है लेकिन लोगों के संबल के अभाव में हार मान लेती है। 'बारिश' कहानी आम इंसान के रोजमर्रा के खटराग और उसके अंतर्द्वंद्व को सामने लाती है। 'कॉफी' एक वृद्ध दंपती की भावनाओं और उनके अतीत की स्मृतियों को व्यक्त करती है तो 'उस मोड़ का अफसाना' अपने-अपने दांपत्य जीवन से आबद्ध दो सहेलियों के अतीत और वर्तमान प्रेम संबंध की कोमल-खुरदरी अनुभूतियों को पूरी भावुकता से स्वर देती है। पठनीयता से भरपूर और भाषा में स्थानीयता की सोंधी गंध लिए ये कहानियां, आत्मविवेचन के लिए भी प्रेरित करती हैं। *

किताब: मिनी और अन्य कहानियां(कहानी-संग्रह), **लेखक:** अवधेश प्रीत,
मूल्य: 299 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Mushroom World Ayurved & Food Pvt. Ltd.
For Trade Enquiry - +91 888 922 3333

केंद्रीय मंत्री ने बड़ौनी, जिगना, निचरोली, चकरासागर और गोविंद नगर में जनसभाओं को संबोधित किया

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य ने कहा- कांग्रेस कभी भी विकास की नहीं, बल्कि एक परिवार को आगे बढ़ाने की पक्षधर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भाजपा प्रत्याशी तिवारी के समर्थन में की जनसभाएं

जनसभा को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री सिंधिया।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को दतिया विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के समर्थन में ग्रामीण क्षेत्रों बडौनी, जिगना, निचरोली, चकरासागर और गोविंद नगर में जनसभाओं को संबोधित किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार में विकास और प्रगति की आंधी आई है।

कांग्रेस ने देश की सत्ता पर 70 वर्षों तक और प्रदेश में भी लंबे समय तक शासन किया, लेकिन उन्होंने विकास के कार्य कभी नहीं कराए। जो जनता का अधिकार था, उसे कांग्रेस के नेताओं ने छीनने का काम किया। कांग्रेस पार्टी ने देश-प्रदेश के विकास पर कभी भी ध्यान नहीं दिया, बल्कि उन्होंने तो हमेशा से केवल एक ही परिवार को बढ़ाने का काम किया है। कांग्रेस की सरकार जिन कामों को इतने वर्षों में नहीं कर सकी, उन विकास कार्यों को केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार एवं मप्र में डॉ. मोहन यादव की डबल इंजन सरकार ने करके दिखाया है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से परिवारवाद को बढ़ावा देती रही है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी में कार्यकर्ताओं को उनका अधिकार मिलता है। भाजपा ने दतिया उपचुनाव में पार्टी और संगठन के लिए हमेशा समर्पित रहने वाले कार्यकर्ता आशुतोष तिवारी को अपना प्रत्याशी बनाया है।

बसपा के सेवड़ा से पूर्व प्रत्याशी यादव समर्थकों सहित भाजपा में शामिल

» दतिया चुनाव कार्यालय में आयोजन

» मुंह मीठा कराकर बधाई दी

खंडेलवाल की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करते यादव।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के समक्ष शुक्रवार को दतिया चुनाव कार्यालय में बसपा के सेवड़ा से पूर्व प्रत्याशी लाखन सिंह यादव सहित कांग्रेस, बसपा के जनप्रतिनिधि एवं सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर सभी का भाजपा परिवार में स्वागत किया एवं मुंह मीठा कराकर शुभकामनाएं दी।

ऊर्जावान युवा ही सशक्त भारत की नींव रखते हैं : उपाध्याय

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते उपाध्याय।

भाजपा प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने शुक्रवार को दतिया स्थित भाजपा चुनाव कार्यालय में युवाओं के साथ संवाद किया। इस दौरान उपाध्याय ने कहा कि दतिया का सुनहरा कल, हर घर खिलेगा कमल केवल एक चुनावी नारा नहीं, बल्कि दतिया के सर्वांगीण विकास, सुशासन, जनकल्याण और समृद्ध भविष्य का संकल्प है। भारत विश्व का सबसे युवा देश है, यही युवा देश की सबसे बडी पूंजी है। हमारे ऊर्जावान, शिक्षित और जागरूक युवा ही सशक्त और विकसित भारत की नींव हैं।

मुख्यमंत्री ने पन्ना में 184.83 करोड़ की लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन, लोकार्पण किया

भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर और इंदौर में खोले जाएंगे फास्ट ट्रैक कोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

◆ सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत 35 लाख रुपए से अधिक हितग्राहियों को लगभग 210 करोड़ राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण

मुख्यमंत्री ने पन्ना में पर्यटन बढ़ाने के लिए नदी पर बने अनोखे ग्लास फ्लोर और व्यू प्वाइंट का लोकार्पण किया

पन्ना में समारोह में शामिल सीएम डॉ. यादव व सांसद शर्मा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं के हित में उनकी शिक्षा और रोजगार से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की है। मप्र के भोपाल, जबलपुर, इंदौर और ग्वालियर में इसी प्रकार के फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले साल पन्ना मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण किया जाएगा।

नीट के अभ्यर्थियों को डॉक्टर बनने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पन्ना में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत 35 लाख से अधिक हितग्राहियों को लगभग 210 करोड़ रुपए की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण किया। उन्होंने प्रतीक स्वरूप विभिन्न विभागों की ओर से संचालित योजनाओं के हितग्राहियों एवं आत्मनिर्भर ग्राम पंचायतों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री को कृषि कल्याण वर्ष के उपलक्ष्य में हल भेंट कर सम्मानित किया गया।

सरकार युवाओं की भविष्य, सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को बताया कि गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा एवं केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने सोनम वांगचुक से भेंट कर विद्यार्थियों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सरकार की पहल, दृष्टिकोण और आगामी योजनाओं की रूपरेखा साझा की। सकारात्मक एवं सार्थक संवाद के उपरांत वांगचुक ने अपना अनशन समाप्त करने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार युवाओं के भविष्य की सुरक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रत्येक विद्यार्थी के हितों की रक्षा के लिए निरंतर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

मेडिकल कॉलेज तेज गति से प्रारंभ हो रहे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के हित में निरंतर कार्य कर ही है। विभिन्न पाठ्यक्रमों की व्यवस्था से युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर दिलवाने का प्रयास है। मेडिकल कॉलेज भी तेज गति से प्रारंभ हो रहे हैं। इससे आने वाले वर्षों में बड़ी संख्या में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रदेशवासियों को लाभ मिलेगा। वर्तमान में प्रदेश में चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या 34 है, जो दो वर्ष में बढ़कर 52 हो जाएगी। डॉ. यादव ने पन्ना में हेलीपेड पर मीडिया से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2002-03 में प्रदेश में मात्र 5 मेडिकल कॉलेज थे। मेडिकल कॉलेज की सीट संख्या भी मात्र 500 थी, जो वर्तमान में साढ़े पांच हजार हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसके पूर्व पन्ना में आयोजित लोकार्पण और भूमिपूजन कार्यक्रम में जानकारी दी कि अगले वर्ष पन्ना मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण किया जाएगा। पीपीपी मोड पर बनने वाले चिकित्सा महाविद्यालय भवन का कार्य तेजी से चल रहा है।

पलायन रुका, अब बुंदेलखंड को समृद्ध बनाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड की धरती सर्वश्रेष्ठ है। यहां पन्ना में धरती के नीचे हीरा निकलता है, लेकिन धीरे-धीरे पानी की कमी होती गई। लोगों ने पलायन शुरू कर दिया, जिसे हमारी सरकार ने रोका। अब सरकार ने बुंदेलखंड की समृद्धि के लिए अंतर्राज्यीय केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की शुरुआत की है।

आयोग की नजर से नहीं बच पाएंगे गड़बड़ी करने वाले चिकित्सा संस्थान

भोपाल। नीट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने और दोबारा परीक्षा आयोजित हुई तभी से सेंट्रल व राज्य स्तर पर चिकित्सा संस्थानों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना, संचालन, और उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को नियंत्रित व रेग्युलर करने की दिशा में मप्र निजी विनियामक आयोग भी और ज्यादा सक्रिय हो गया है। आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. राकेश पाण्डेय ने बताया कि आयोग ने समस्त निजी विश्वविद्यालय के कुलसचिवों से 2025-26 में चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेशित छात्रों की प्रमाणिक सूची बुला ली है ताकि प्रवेश, प्रवेश फीस, शैक्षणिक मानक, शुल्क विनियमन, योग्य स्टॉफ, निरीक्षण जांच के साथ छात्रहित में प्रवेशित छात्रों के हित में निर्णय लिए जा सकें। क्योंकि वैधानिक तौर पर पारदर्शिता जरूरी है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में बैठक

मंत्री परमार ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर सुनीं समस्याएं

कार्यकर्ताओं से चर्चा करते मंत्री परमार।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री इंदर सिंह परमार ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याओं को सुना। मंत्री इंदर सिंह परमार ने कार्यकर्ताओं की जनसमस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव नहीं हो सका, उन्हें संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई एवं शीघ्र निराकरण के लिए प्रेषित किया गया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा।

मेवात विकास संकल्प रैली में पुन्हाना को 270 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नूंह

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मेवात विकास संकल्प रैली के दौरान पुन्हाना विधानसभा क्षेत्र के लिए 270 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने जल निकासी व्यवस्था मजबूत करने के लिए लफुरी लिंक ड्रेन की खुदाई एवं पुनर्स्थापन, उजीना ड्रेन पर नए पुलों के निर्माण तथा पुन्हाना में हाइब्रिड चैनल के पुनर्निर्माण की घोषणा की। उन्होंने पिनगवां में 55 करोड़ रुपये की लागत से महाग्राम योजना के तहत जलापूर्ति और सीवर नेटवर्क बिछाने, 13.57 करोड़ रुपये से नया खेल स्टेडियम तथा 1.80 करोड़ रुपये से पुराने स्टेडियम के नवीनीकरण की घोषणा की। नगर पालिका पुन्हाना में 16.85 करोड़ रुपये की लागत से मल्टीपर्पज हॉल और ऑडिटोरियम भी बनाया जाएगा। रैली का नेतृत्व मुख्य रूप से कांग्रेस के बागी विधायक मोहम्मद इलियास के पुत्र एडवोकेट जावेद अहमद के द्वारा किया गया। इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

घासेड़ा और नगीना पीएचसी को अपग्रेड किया जाएगा

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के तहत घासेड़ा और नगीना पीएचसी को सीएचसी में अपग्रेड किया जाएगा, जिस पर लगभग 44 करोड़ रुपये खर्च होंगे। धांधुका, साकरस, लुहिंगा कलां, शाहचौखा और चंदेनी के उप स्वास्थ्य केंद्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया जाएगा। रानिका, देवला-नंगली, चीला और गोधोला सहित कई गांवों में नए उप स्वास्थ्य केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री की कई अन्य विकास कार्यों का भी रैली में ऐलान किया।

इंडियनऑयल ने 5 और 10 किग्रा एलपीजी एक्सप्रेस डिलीवरी शुरू की

नई दिल्ली। इंडियनऑयल के अध्यक्ष श्री ए. एस. साहनी ने आज कार्पोरेशन के निदेशक (विपणन) श्री सौमित्र पी. श्रीवास्तव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इंडेन एक्स्ट्रालाइट नाउ इंडेन एक्स्ट्रालाइट नाउ का शुभारंभ किया। यह एक अभिनव 10 किलोग्राम कम्पोजिट एलपीजी सिलेंडर है, जिसे एक्सप्रेस डिलीवरी सेवा के साथ पेश किया गया है। आधुनिक परिवारों की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, इंडेन एक्स्ट्रालाइट नाउ में हल्के वजन, जंग-रोधी कम्पोजिट सिलेंडर तकनीक को डिजिटल रूप से सक्षम सेवा तंत्र के साथ जोड़ा गया है, ताकि ग्राहकों को अधिक सुविधा, सुरक्षा और पारदर्शिता मिल सके। इस सिलेंडर की पारदर्शी (ट्रांसलूसेंट) बॉडी उपभोक्ताओं को एलपीजी के स्तर की आसानी से निगरानी करने की सुविधा देती है। इसके साथ बुकिंग के चार घंटे के भीतर एक्सप्रेस डिलीवरी, पसंदीदा समय पर डिलीवरी तथा न्यूनतम दस्तावेजी प्रक्रिया जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। इस अवसर पर इंडियनऑयल के अध्यक्ष ने लोकप्रिय 5 किलोग्राम 'छोटू' सिलेंडर के लिए भी एक्सप्रेस होम डिलीवरी सेवा का शुभारंभ किया। अब यह सिलेंडर भी बुकिंग के चार घंटे के भीतर घर तक पहुंचाया जाएगा। यह पहल शहरी परिवारों, पेशेवरों और छोटे परिवारों की जरूरतों के अनुरूप लचीले और सुविधाजनक एलपीजी समाधान उपलब्ध कराने की इंडियनऑयल की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

जन्मदिन सेलीब्रेट करने पहुंचे थे दोस्त

शिवनाथ नदी में फिर हादसा तेज बहाव में बहे दो बच्चे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

जिले के पुलगांव थाना क्षेत्र के छातागढ़ स्थित शिवनाथ नदी में फिर से दर्दनाक हादसा हो गया। जहां शिवनाथ नदी के तेज बहाव में दो बच्चे बह गए। डूबने की सूचना मिलने पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंचकर एक शव को बरामद कर लिया है। पुलिस ने मृतक की पहचान रेहान 14 वर्षीय निवासी उरला के रूप में की है। वहीं एक बच्चे का शव को तलाश में टीम जुटी हुई है। बता दें कि शुक्रवार को मृतक अपने 7-8 दोस्तों के साथ छातागढ़ बर्थडे सेलिब्रेट करने पहुंचे थे। इसी दौरान नहाने उतरे दो बच्चे तेज बहाव में बह गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची लेकिन अंधेरा होने की वजह से टीम सर्च अभियान नहीं कर पाई। आज सुबह सर्च अभियान के दौरान एक बच्चे का शव एक किलोमीटर दूर बरामद किया गया। पुलिस ने मृतक की पहचान रेहान 14 साल निवासी उरला के रूप में की है वही एक 12 वर्षीय बच्चे की तलाश जारी है।

महत्वपूर्ण सूचना

कांवड़ मेला-2026 के लिए विशेष व्यवस्था

कांवड़ मेला–2026 के दौरान कांवड़ियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे द्वारा कुछ नामित रेल सेवाओं को हरिद्वार तक विस्तार करने, निम्नलिखित कांवड़ विशेष रेलगाड़ियों का संचालन करने और वर्तमान में संचालित की जा रही, कुछ रेलगाड़ियों को अस्थायी तौर पर नए ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:–

रेलगाड़ी संख्या 74023/74022 दिल्ली जं.-शामली-दिल्ली जं. डीईएमयू का हरिद्वार तक विस्तार (प्रतिदिन)

रेलगाड़ी सं. 74023		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 74022	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	20:00	दिल्ली जं.	09:25	---
दिल्ली जं.–शामली के बीच कोई परिवर्तन नहीं				
22:50	22:55	शामली	06:25	06:30
23:20	23:22	थाना भवन	05:11	05:12
23:44	23:45	रामपुर मनिहारान	04:47	04:48
00:15	00:17	टपरी जं.	04:32	04:33
00:56	00:58	रूड़की	04:03	04:05
01:38	01:40	ज्वालापुर	03:15	03:17
01:55	---	हरिद्वार	---	03:05

चलने के दिन: **74023 दिल्ली जं. से** दिनांक 30.07.2026 से 13.08.2026 तक और **74022 हरिद्वार** से दिनांक 31.07.2026 से 14.08.2026 तक।
स्थान: सामान्य

रेलगाड़ी संख्या 64557/64558 दिल्ली जं.-सहारनपुर-दिल्ली जं. एमईएमयू का हरिद्वार तक विस्तार (प्रतिदिन)

रेलगाड़ी सं. 64557		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 64558	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	16:15	दिल्ली जं.	08:45	---
दिल्ली जं.–सहारनपुर के बीच कोई परिवर्तन नहीं				
20:50	21:10	सहारनपुर	03:40	04:20
21:48	21:50	रूड़की	02:53	02:55
22:25	22:27	ज्वालापुर	02:10	02:12
22:50	---	हरिद्वार	---	02:00

चलने के दिन: **64557 दिल्ली जं. से** दिनांक 30.07.2026 से 13.08.2026 तक और **64558 हरिद्वार** से दिनांक 31.07.2026 से 14.08.2026 तक।
स्थान: सामान्य

मेला विशेष रेलगाड़ियों का निम्न समय-सारणी के अनुसार संचालन

04314/04313 हरिद्वार-दिल्ली शाहदरा-हरिद्वार अनारक्षित मेला विशेष (प्रतिदिन)

रेलगाड़ी सं. 04314		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04313	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	15:30	हरिद्वार	04:25	---
20:40	---	दिल्ली शाहदरा	---	22:25

चलने के दिन: **04314 हरिद्वार से** और **04313 दिल्ली शाहदरा** से दिनांक 30.07.2026 से 13.08.2026 तक। **स्थान:** शयनयान/सामान्य
ठहराव: ज्वालापुर, रूड़की, टपरी जं., मुजफ्फरनगर, मेरठ सिटी एवं गाजियाबाद स्टेशन।

04316/04315 योग नगरी ऋषिकेश-दिल्ली शाहदरा-योग नगरी ऋषिकेश अनारक्षित मेला विशेष (प्रतिदिन)

रेलगाड़ी सं. 04316		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04315	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	20:35	योग नगरी ऋषिकेश	11:00	---
03:50	---	दिल्ली शाहदरा	---	04:20

चलने के दिन: **04316 योग नगरी ऋषिकेश से** दिनांक 30.07.2026 से 13.08.2026 तक और **04315 दिल्ली शाहदरा से** दिनांक 31.07.2026 से 14.08.2026 तक। **स्थान:** शयनयान/सामान्य
ठहराव: रायवाला जं., मोतीचूर, हरिद्वार, ज्वालापुर, रूड़की, टपरी जं., एवं शामली स्टेशन।

04318/04317 योग नगरी ऋषिकेश-आलमनगर-योग नगरी ऋषिकेश अनारक्षित मेला विशेष (प्रतिदिन)

रेलगाड़ी सं. 04318		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04317	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	19:00	योग नगरी ऋषिकेश	23:00	---
10:45	---	आलमनगर	---	12:05

चलने के दिन: **04318 योग नगरी ऋषिकेश से** दिनांक 30.07.2026 से 28.08.2026 तक और **04317 आलमनगर** से दिनांक 31.07.2026 से 29.08.2026 तक।
स्थान: शयनयान/सामान्य
ठहराव: रायवाला जं., मोतीचूर, हरिद्वार, ज्वालापुर, लक्सर जं., बालावाली, मुअज़्ज़मपुर नारायण जं., नजीबाबाद जं., मुरादाबाद, रामपुर जं., बरेली एवं शाहजहाँपुर जं. स्टेशन।

दिनांक 30.07.2026 से 13.08.2026 तक रेलगाड़ियों का अस्थाई ठहराव

रेलगाड़ी सं. एवं नाम	आवृति	अस्थाई ठहराव	समय-सारणी आगमन	समय-सारणी प्रस्थान
14113 सूबेदारगंज–देहरादून एक्सप्रेस	प्रतिदिन	रायवाला जं.	11:14	11:16
		मोतीचूर	11:04	11:06
		ज्वालापुर	10:43	10:45
14114 देहरादून–सूबेदारगंज एक्सप्रेस	प्रतिदिन	रायवाला जं.	14:10	14:12
		मोतीचूर	14:34	14:36
		ज्वालापुर	15:15	15:17
14309 लक्ष्मीबाई नगर–योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस	सप्ताह में 2 दिन	रायवाला जं.	17:35	17:37
		मोतीचूर	17:00	17:02
		ज्वालापुर	15:53	15:55
14310 योग नगरी ऋषिकेश–लक्ष्मीबाई नगर एक्सप्रेस	सप्ताह में 2 दिन	रायवाला जं.	07:08	07:10
		मोतीचूर	07:24	07:26
		ज्वालापुर	07:52	07:54
14317 लक्ष्मीबाई नगर–योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस	सप्ताह में 2 दिन	रायवाला जं.	17:35	17:37
		मोतीचूर	17:00	17:02
		ज्वालापुर	15:53	15:55
14318 योग नगरी ऋषिकेश–लक्ष्मीबाई नगर एक्सप्रेस	सप्ताह में 2 दिन	रायवाला जं.	07:08	07:10
		मोतीचूर	07:24	07:26
		ज्वालापुर	07:52	07:54
19565 ओखा–देहरादून एक्सप्रेस	साप्ताहिक	रायवाला जं.	17:35	17:37
		मोतीचूर	17:00	17:02
		ज्वालापुर	15:53	15:55
19566 देहरादून–ओखा एक्सप्रेस	साप्ताहिक	रायवाला जं.	07:08	07:10
		मोतीचूर	07:24	07:26
		ज्वालापुर	07:52	07:54
22659 तिरुवनंतपुरम–योग नगरी ऋषिकेश सुपरफास्ट एक्सप्रेस	साप्ताहिक	रायवाला जं.	13:04	13:06
		मोतीचूर	12:52	12:54
		ज्वालापुर	12:08	12:10
22660 योग नगरी ऋषिकेश–तिरुवनंतपुरम सुपरफास्ट एक्सप्रेस	साप्ताहिक	रायवाला जं.	07:08	07:10
		मोतीचूर	07:24	07:26
		ज्वालापुर	07:52	07:54
14610 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा–योग नगरी ऋषिकेश हेमकुण्ड एक्सप्रेस	प्रतिदिन	मोतीचूर	07:20	07:22
		ज्वालापुर	06:48	06:50
14609 योग नगरी ऋषिकेश–श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा हेमकुण्ड एक्सप्रेस	प्रतिदिन	ज्वालापुर	18:31	18:33
54075 बरेली–दिल्ली जं. पैसेंजर	प्रतिदिन	कांकाठेर	23:36	23:38
54076 दिल्ली जं.–बरेली पैसेंजर	प्रतिदिन	कांकाठेर	02:40	02:42
14815 श्रीगंगानगर–ऋषिकेश एक्सप्रेस	प्रतिदिन	रायवाला जं.	14:16	14:18
		मोतीचूर	13:54	13:56
		ज्वालापुर	13:24	13:26
14816 ऋषिकेश–श्रीगंगानगर एक्सप्रेस	प्रतिदिन	रायवाला जं.	13:35	13:37
		मोतीचूर	14:02	14:04
		ज्वालापुर	14:28	14:30

उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों और समय–सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139
रेलमदद वेबसाइट देखें:– www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
2568/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पड़ोसी देश पाकिस्तान के विरुद्ध 3 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध शुरू हुआ था। भारत ने 26 जुलाई 1999 को इस पर निर्णायक सैन्य विजय हासिल की। इसी परिप्रेक्ष्य में आज हम कारगिल विजय को याद कर रहे हैं। कारगिल विजय दिवस केवल अतीत के शौर्य का स्मरण करने का अवसर नहीं, यह भविष्य की चुनौतियों को समय रहते पहचानने और उनसे निपटने की प्रेरणा भी देता है। कारगिल में दुश्मन ने पहाड़ों की ऊंचाइयों का सहारा लिया था, जबकि आज वही चुनौती समुद्र की गहराइयों में दिखाई दे रही है। हालांकि इन बदलती परिस्थितियों से भारत पूरी तरह सजग है। भारतीय नौसेना लगातार अपनी समुद्री क्षमता का आधुनिकीकरण कर रही है। स्वदेश निर्मित कलवरी श्रेणी की आधुनिक पनडुब्बियां नौसेना की ताकत बढ़ा रही हैं। 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण को बहुत बढ़ावा मिला है। यही वजह है कि वित्त वर्ष 2024-25 में कुल रक्षा उत्पादन 1.5 लाख करोड़ से अधिक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। जहां तक भारत के उत्पाद की बात है तो अब स्वदेशी रूप से ब्रह्मोस मिसाइल, आर्टिलरी गन और रडार जैसे 65 प्रतिशत से ज्यादा महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों का घरेलू स्तर पर निर्माण हो रहा है। *इन्हीं तैयारियों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

अब पाक सरहद पर पुख्ता सुरक्षा तैयारियां

विश्लेषण

प्रभात कुमार राय
वरिष्ठ स्तंभकार

कारगिल युद्ध में भारत सेना के 527 सैनिक और अधिकारी शहीद हुए और तकरीबन 1500 से अधिक सैनिक बुरी तरह से जख्मी हुए थे। कारगिल युद्ध के बुनियादी कारणों की जांच पड़ताल अंजाम दी गई तो नतीजा सामने आया कि भारत-पाक सरहद पर सैन्य सर्विलांस की काफी कुछ कमी कायम बनी रही थी। युद्ध के तत्पश्चात भारतीय सरहद पर सर्विलांस के लिए बहुत ही शानदार और प्रखर इंतजामात भारतीय सेना द्वारा अंजाम दिए गए हैं। भारतीय सरहद की निरंतर निगरानी रखने के लिए भारतीय वायु सेना के ड्रोन लगातार उड़ानें भरते रहते हैं। सरहद पर मिलिट्री इंटेलिजेंस सेटअप को अत्यंत शक्तिशाली बनाया गया है। डीआरडीओ के पास 10 की अपेक्षा आज तकरीबन 50 से अधिक प्रयोगशालाएं हैं।

पाकिस्तान के विरुद्ध 3 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध का आगाज़ हुआ था। इसका समापन भारत की निर्णायक सैन्य विजय के साथ 26 जुलाई 1999 को संपन्न हुआ। भारत को आखिरकार कारगिल युद्ध क्यों लड़ना पड़ा? कारगिल युद्ध में भारत सेना के 527 सैनिक और अधिकारी शहीद हुए और तकरीबन 1500 से अधिक सैनिक बुरी तरह से जख्मी हुए थे। कारगिल युद्ध के बुनियादी कारणों की जांच पड़ताल अंजाम दी गई तो नतीजा सामने आया कि भारत-पाक सरहद पर सैन्य सर्विलांस की काफी कुछ कमी कायम बनी रही थी। सौभाग्य से तोशी नामग्याल नाम के एक शैफर्ड द्वारा भारतीय सरहदी क्षेत्र में पाक घुसपैठ की सूचना भारतीय सेना को तत्काल प्रदान की गई। शेफर्ड ताशी नामग्याल का एक याक गुम हो गया था, उसी को ढूंढते हुए उसने सरहद के कुछ सैन्य बंकरों में सैन्य हलचल देखी। ज्ञात हुआ कि बटालीक पहाड़ियों के भारतीय सैनिक बंकरों पर पाक सैनिकों ने आधिपत्य स्थापित कर लिया गया।

कारगिल युद्ध के तत्पश्चात भारतीय सरहद पर सर्विलांस के लिए बहुत ही शानदार और प्रखर इंतजामात भारतीय सेना द्वारा अंजाम दिए गए हैं। भारतीय सरहद की निरंतर निगरानी रखने के लिए भारतीय वायु सेना के ड्रोन लगातार उड़ानें भरते रहते हैं। सरहद पर मिलिट्री इंटेलिजेंस सेटअप को अत्यंत शक्तिशाली बनाया गया। भारत का डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन- डीआरडीओ 1958 में स्थापित किया गया था। उस वक्त डीआरडीओ के पास केवल 10 प्रयोगशालाएं थी। आज के दौर में डीआरडीओ के पास तकरीबन 50 से अधिक प्रयोगशालाएं हैं।

आजकल डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं में तकरीबन 5000 वैज्ञानिक और 25000 तकनीशियन कार्यरत हैं। सर्वविदित है कि प्रारम्भिक काल में भारत को अपनी सैन्य रक्षा उपकरणों और सामग्री के लिए काफी हद तक तत्कालीन सोवियत रूस पर निर्भर रहना पड़ा था। भारत द्वारा बड़े पैमाने पर फ्रांस, इजराइल और अमेरिका से भी सैन्य अस्त्र-शस्त्र आयात किए जाते रहे हैं।

देश ने आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ाए कदम

कारगिल युद्ध के तत्पश्चात विगत दो दशकों से भारत द्वारा अत्यंत शक्तिशाली ढंग से सैन्य अस्त्र-शस्त्रों के निर्माण में आत्मनिर्भरता की तरफ कदम बढ़ाए गए। डीआरडीओ द्वारा कॉम्बैट ड्रोन का निर्माण करने की दिशा में बड़ा वैज्ञानिक कारनामा अंजाम दिया गया। तेजस एयर जेट लड़ाकू विमानों का भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू किया गया। डीआरडीओ द्वारा हाइपरसोनिक मिसाइल्स का निर्माण संभव हुआ। भारत में बैलिस्टिक मिसाइल्स का भी निर्माण प्रारंभ किया गया। रूस द्वारा प्रदत्त सैन्य तकनीक से भारत में ही ब्रह्मोस मिसाइलों का निर्माण किया गया। अग्नि मिसाइलों का निर्माण किया गया। आकाश मिसाइलों का निर्माण किया गया। नाग मिसाइलों का निर्माण किया गया। डीआरडीओ का मूल मंत्र है- बलस्य मूलम् विज्ञानम् अर्थात शक्ति की बुनियाद में विज्ञान निहित है। इस वर्ष के बजट में डीआरडीओ को तकरीबन 25000 करोड़ का बजट प्रदान किया गया है। डीआरडीओ द्वारा खोजी गई वैज्ञानिक तकनीकों को इस्तेमाल करके आत्मनिर्भर भारत द्वारा आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों का निर्माण करके युद्ध मैदान के लिए निर्मित किया जाता है। सैन्य अस्त्र शस्त्रों का निर्माण मुख्यतः हिंदुस्तान एरॉनोटिक लिमिटेड, बीइएल, एडीए, एल एन्ड टी, टाटा एडवांस और भारत फोर्ज द्वारा किया जाता रहा है।

जापान संग सैन्य सुरक्षा सहयोग

भारत द्वारा अमेरिका के कूटनीतिक दबाव का प्रबल मुकाबला करते हुए मिसाइल डिफेंस प्रणाली एस 400 का निर्माण रूस के तकनीकी सहयोग से भारत में ही किया गया है। समुद्र के भीतर 6000 मीटर नीचे चलने वाली पनडुब्बी अरिहंत को हाल ही में न्यूक्लियर अस्त्रों से लैस किया गया है। एएसटीआरए मिसाइल का निर्माण भी भारत में ही किया जा रहा है। हाल ही में जब जापान की प्रधानमंत्री भारत पधारी, भारत और जापान के मध्य एक रक्षा समझौता अंजाम दिया गया। चीन के विस्तारवाद का मुकाबला करने के लिए जापान द्वारा अब पुनः एक सैन्य शक्ति बन जाने का निर्णय किया गया है। अमेरिका के सुरक्षा अंब्रेला से जापान का विश्वास पूरी तरह उठ चुका है। विश्व युद्ध के बाद जापान ने सैन्य शक्ति के रूप में अपना अस्तित्व समाप्त कर दिया था। किंतु एशिया में उत्पन्न हुए हालात को देखते हुए जापान ने अब फिर से सैनिक शक्ति बन जाने की तरफ अपने कदम बढ़ा दिए हैं। भारत के साथ जापान का सैन्य सुरक्षा सहयोग यकीनन एशिया में एक नया सुरक्षी आयाम स्थापित करेगा। विश्व पटल पर अरब देशों के पश्चात, भारत सबसे अधिक सैन्य अस्त्र शस्त्रों को आयात करने वाला राष्ट्र रहा है।

अस्त्र-शस्त्रों का निर्यात

अब तस्वीर शनैः शनैः बदल रही है, क्योंकि भारत अस्त्र-शस्त्रों के निर्यात वाला देश के तौर पर उभर रहा है। फिलिपींस और दक्षिण कोरिया के साथ ही दक्षिण एशिया के अनेक देश भारतीय अस्त्र-शस्त्रों को आयात करने के लिए तत्पर हैं। अस्त्र शस्त्रों के निर्यात में अब भारत वस्तुतः एशिया के देशों में चीन के विकल्प के तौर पर उभर रहा है। भारतीय सेना विश्व की चौथी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति है। भारतीय सेना के पास आजकल विश्व श्रेष्ठतम अस्त्र शस्त्र विद्यमान है। भारतीय सेवा के पास तकरीबन 130 न्यूक्लियर वारहेड्स विद्यमान है। भारत द्वारा यूएई को आर्टिलरी अस्त्र निर्यात किए गए हैं। मॉरीशस और म्यांमार को मिसाइल और एयरक्राफ्ट्स निर्यात किए गए हैं। आने वाले वक्त में भारत में निर्मित सैन्य अस्त्र शस्त्रों का निर्यात बहुत तेजी के साथ वृद्धि करने वाला है। भारत को वस्तुतः दो युद्ध मोर्चे पर तैयार रहना है, पहला युद्ध मोर्चा पाकिस्तान का है और दूसरा है चीन का। भारत द्वारा विश्व के 20 प्रमुख देशों के साथ अस्त्र शस्त्रों की टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर समझौते अंजाम दिए हैं। विगत एक दशक से भारत आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के निर्माण का एक बड़ा देश बन रहा है।

प्राइवेट सेक्टर को भी अनुमति

अपनी सैन्य शक्ति को अत्यधिक शक्तिशाली बनाने की राह में भारत ने मॉरीशस के अगालेगा द्वीप पर एक मिलिट्री बेस तैयार करना प्रारंभ किया है। हिंद -प्रशांत महासागर में भारत को चीन की सैन्य चुनौतियों का सामना करना है। भारत और मालदीव ने एक सैन्य समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत मालदीव के सिवारू द्वीप पर भारत और मालदीव एक साथ रक्षात्मक तैयारी अंजाम देंगे। भारत में विगत कुछ वर्षों के दौरान अपनी सुरक्षा व्यवस्था को अत्यंत शक्तिशाली बनाने की कोशिश की है। आधुनिकतम सैन्य अस्त्र शास्त्रों के निर्माण क्षेत्र में भारत ने प्राइवेट सेक्टर को भी प्रवेश करने की अनुमति प्रदान की है। पाकिस्तान द्वारा सैन्य शक्ति से कश्मीर को हड़पने के लिए संचालित प्रॉक्सीवार का विगत 38 वर्षों से भारत ने कामयाबी के साथ प्रबल मुकाबला किया है। विश्व के सात देशों में शामिल है भारत, जोकि अपने ही देश में आधुनिकतम फाइटर जेटों का, आधुनिकतम टैंकों का, पनडुब्बियों का, मिसाइलों का निर्माण करने में सक्षम हैं। विगत 4 वर्षों के दौरान ही प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने तकरीबन ढाई लाख करोड़ रुपये भारतीय सेना का आधुनिकरण करने के लिए खर्च किए हैं।

चीन निर्मित पाक पनडुब्बियां बनी नई सामरिक चुनौती

संघर्ष

रमेश चंद्र
रि. नायब सूबेदार

प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को पूरा देश कारगिल विजय दिवस मनाकर उन वीर सैनिकों को श्रद्धापूर्वक नमन करता है, जिन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध में अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान का परिचय देते हुए भारत की सीमाओं की रक्षा की। कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सेना की आर्टलरी व आर्मड कॉर्प्स का जम्मू एरिया में बहुत बड़ा योगदान था। आर्टलरी की बोफोर्स तोपों की मदद से हमारी विजय की गाथा लिखी गई। कारगिल युद्ध केवल एक सैन्य विजय नहीं था, बल्कि उसने देश को यह सीख भी दी कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही घातक साबित हो सकती है। शत्रु की रणनीति समय के साथ बदलती रहती है, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था को भी लगातार नए खतरों के अनुरूप मजबूत बनाना आवश्यक है।

आज जब हम कारगिल विजय को याद कर रहे हैं, तब यह समझना भी जरूरी है कि भविष्य की चुनौतियां अब केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं हैं। समुद्र की गहराइयों में भी ऐसे खतरे आकार ले रहे हैं, जिन पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। कारगिल युद्ध और उसके बाद कई प्रत्यक्ष तथा परोक्ष संघर्षों में अपेक्षित सफलता न मिलने के बाद पाकिस्तान ने अपनी सैन्य रणनीति में बदलाव किया है। थल सीमा पर भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति को देखते हुए उसने समुद्री क्षमता बढ़ाने पर जोर देना शुरू किया है। इस दिशा में उसे सबसे बड़ा सहयोग चीन से मिल रहा है। चीन और पाकिस्तान का बढ़ता रक्षा सहयोग अब हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के लिए नई सामरिक चुनौती बनकर सामने आ रहा है। वर्ष 2015 में चीन और पाकिस्तान के बीच हुए रक्षा समझौते के तहत चीन पाकिस्तान को आठ आधुनिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियां उपलब्ध करा रहा है। ये चीन की युआन श्रेणी की उन्नत पनडुब्बियों का निर्यात संस्करण हैं, जिन्हें पाकिस्तान ने 'हांगोर श्रेणी' नाम दिया है। अगले कुछ वर्षों में इन सभी के पाकिस्तान नौसेना में शामिल होने की संभावना है, जिससे उसकी समुद्री क्षमता पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत हो जाएगी। इन पनडुब्बियों की सबसे बड़ी विशेषता एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) प्रणाली है। सामान्य डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों को कुछ दिनों बाद बैटरियां चार्ज करने के लिए समुद्र की सतह पर आना पड़ता है। ऐसा करते समय उनके रडार या समुद्री गश्ती विमानों की नजर में आने की संभावना बढ़ जाती है। इसके विपरीत, एआईपी तकनीक से लैस पनडुब्बियां लगभग पंद्रह से बीस दिनों तक बिना सतह पर आए समुद्र की गहराई में रह सकती हैं। इससे उनका पता लगाना और उन्हें निशाना बनाना कहीं अधिक कठिन हो जाता है। अरब सागर जैसे विशाल समुद्री क्षेत्र में ऐसी पनडुब्बियां किसी भी नौसेना के लिए बड़ी चुनौती बन सकती हैं। यह खतरा केवल सैन्य दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि भारत की आर्थिक सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। भारत का अधिकांश विदेशी व्यापार और ऊर्जा आयात समुद्री मार्गों के माध्यम से होता है। यदि किसी संघर्ष की स्थिति में पाकिस्तान इन पनडुब्बियों की मदद से व्यापारिक जहाजों, तेल आपूर्ति या महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को बाधित करने का प्रयास करता है, तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। भविष्य में यदि इनसे लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलों का संचालन होता है, तो भारत के तटीय शहरों, नौसैनिक अड्डों और सामरिक प्रतिष्ठानों के सामने नई चुनौती खड़ी हो सकती है। इसके साथ ही हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती मौजूदगी और पाकिस्तान के साथ उसका गहरा होता सैन्य सहयोग भारत के लिए दोहरे दबाव की स्थिति पैदा करता है। चीन लंबे समय से हिंद महासागर में अपने प्रभाव का विस्तार करने की रणनीति पर काम कर रहा है और पाकिस्तान इसमें उसका महत्वपूर्ण साझेदार बनता जा रहा है। हालांकि इन बदलती परिस्थितियों से भारत पूरी तरह सजग है। भारतीय नौसेना लगातार अपनी समुद्री क्षमता का आधुनिकीकरण कर रही है। स्वदेश निर्मित कलवरी श्रेणी की आधुनिक पनडुब्बियां नौसेना की ताकत बढ़ा रही हैं। इनमें स्वदेशी एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन प्रणाली जोड़ने की दिशा में भी कार्य चल रहा है। इसके अलावा पी-8आई पोसाइडन समुद्री टोही विमान, एमएच-60आर रोमियो हेलीकॉप्टर और आधुनिक पनडुब्बी रोधी प्रणालियां हिंद महासागर क्षेत्र में हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने में सक्षम हैं। प्रोजेक्ट-75(आई) के तहत नई पीढ़ी की अत्याधुनिक पनडुब्बियों के निर्माण की प्रक्रिया भी तेजी से आगे बढ़ रही है। इसके साथ ही स्वदेशी रक्षा तकनीक और समुद्री निगरानी तंत्र को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कारगिल विजय दिवस केवल अतीत के शौर्य का स्मरण करने का अवसर नहीं है। यह भविष्य की चुनौतियों को समय रहते पहचानने और उनसे निपटने की प्रेरणा भी देता है। कारगिल में दुश्मन ने पहाड़ों की ऊंचाइयों का सहारा लिया था, जबकि आज वही चुनौती समुद्र की गहराइयों में दिखाई दे रही है। यदि भारत सतर्कता, आधुनिक तकनीक और मजबूत रक्षा तैयारियों के साथ आगे बढ़ता रहा, तो समुद्र से उठने वाली हर चुनौती का भी प्रभावी ढंग से सामना कर सकेगा। यही कारगिल विजय दिवस का सबसे बड़ा संदेश है और यही उन अमर शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी।

चीन और पाकिस्तान का बढ़ता रक्षा सहयोग अब हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के लिए नई सामरिक चुनौती बनकर सामने आ रहा है। वर्ष 2015 में चीन और पाक के बीच हुए रक्षा समझौते के तहत चीन पाकिस्तान को आठ आधुनिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियां उपलब्ध करा रहा है।

रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बन रहे हम

मेक इन इंडिया

उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में रक्षा उत्पादन का भारतीयकरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी और नीतिगत सुधार 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत तेजी से बढ़ रहा है। इसकी सफलता का अंदाजा इस साल के कुल रक्षा उत्पादन के आंकड़ों से लगाया जा सकता है। इसके अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में कुल रक्षा उत्पादन 1.54 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब तेईस हजार करोड़ ज्यादा है। वित्त वर्ष यानी 2023-24 में यह आंकड़ा एक लाख 27 हजार 434 करोड़ था। अगर शुरुआती वर्ष यानी 2014-15 के आंकड़ों से इसकी तुलना करें तो यह वृद्धि करीब 174 प्रतिशत ज्यादा है। तब भारत ने 46429 करोड़ का उत्पादन किया था।

रक्षा उत्पादन की इस उपलब्धि में सार्वजनिक क्षेत्र ही नहीं, निजी कॉरपोरेट की भी हिस्सेदारी है। इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी करीब 23 प्रतिशत है, जो लगातार इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि अभी भी इस क्षेत्र में वर्चस्व सार्वजनिक क्षेत्र की ही कंपनियों का है। 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण को बहुत बढ़ावा मिला है। यही वजह है कि वित्त वर्ष 2024-25 में कुल रक्षा उत्पादन 1.5 लाख करोड़ से अधिक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। रक्षा उत्पादन की निगरानी और नीतिगत सहयोग के लिए मोदी सरकार ने अलग से रक्षा उत्पादन विभाग बनाया है, जिसके अधीन हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएएल सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख रक्षा उत्पादक कंपनी के रूप में उभरी है। इस क्षेत्र में देश की अग्रणी निजी कंपनियां और कारोबारी समूहों मसलन, टाटा, एलएंडटी और कल्याणी आदि अब मिसाइल, तोप और बख्तरबंद वाहन निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। नीतिगत बदलावों के चलते जहां बड़े कारपोरेट हाउसों के साथ ही छोटे कारपोरेट हाउसों और स्टार्टअप्स को भी मौका मिला है। रक्षा उत्पादन विभाग और वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सोलह हजार लघु और मध्यम वर्ग की कंपनियां भी स्वदेशी रक्षा उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसके साथ ही स्वदेशी रक्षा उत्पादन के लिए 462 कंपनियों को 788 रक्षा औद्योगिक लाइसेंस जारी किए गए हैं। रक्षा उत्पादन में नीतिगत सुधार और निजी-सार्वजनिक क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी का ही असर है कि आज देश, अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया समेत दुनिया के सौ से ज्यादा देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात कर रहा है। जहां तक रक्षा उत्पादन में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की बात है, देश के कुल रक्षा उत्पादन में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का कुल योगदान 77 प्रतिशत है, जबकि बाकी निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी है। इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी साल-दर-साल लगातार बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कुल रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भागीदारी जहां 21 प्रतिशत थी, जिसमें दो फीसद का इजाफा हो चुका है। यह भारत के रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में निजी क्षेत्र की तेजी से बढती भूमिका को स्पष्ट करता है। निर्यात के क्षेत्र में भी भारत की प्रगति उल्लेखनीय हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 के निर्यात की तुलना में बीते वित्त वर्ष में 2,539 करोड़ रुपये यानी करीब 12.04 फीसद की बढ़त दर्ज की गई है। सरकार ने वर्ष 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये के रक्षा निर्माण और 50,000 करोड़ के रक्षा निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इन गतिविधियों से भारत न केवल अपने आर्थिक विकास को गति दे रहा है, बल्कि वैश्विक रक्षा उत्पादन और विनिर्माण केंद्र के रूप में अपनी स्थिति को सुदृढ़ भी कर रहा है। भारत के रिकॉर्ड रक्षा उत्पादन और निर्यात के पीछे सरकारी नीतियों में आया बदलाव है। इससे भारतीय रक्षा उत्पादन क्षेत्र लगातार देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इन नीतियों ने रक्षा क्षेत्र को आयात-निर्भरता से मुक्त करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया है। सरकार ने रक्षा उत्पादन को निजी क्षेत्र के लिए खोलने की दिशा में विदेशी निवेश को 74 प्रतिशत तक कर दिया है। मोदी सरकार का लक्ष्य 2030 तक रक्षा उत्पादन को 3 लाख करोड़ तक पहुंचाने का है। जहां तक भारत के उत्पाद की बात है तो अब देश स्वदेशी रूप से ब्रह्मोस मिसाइल, आर्टिलरी गन और रडार जैसे 65 प्रतिशत से ज्यादा महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों का घरेलू स्तर पर निर्माण हो रहा है। जिस तरह निजी उद्योग को मौका दिया है, उससे आने वाले दिनों में निजी क्षेत्रों की भागीदारी और ज्यादा बढ़ेगी, रक्षा उपकरण और भी ज्यादा संख्या में स्वदेशी होंगे।

रक्षा उत्पादन की इस उपलब्धि में सार्वजनिक क्षेत्र ही नहीं, निजी कॉरपोरेट की भी हिस्सेदारी है। इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी करीब 23 प्रतिशत है, जो लगातार इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि अभी भी इस क्षेत्र में वर्चस्व सार्वजनिक क्षेत्र की ही कंपनियों का है।

दर्द, गर्व और राष्ट्र के सम्मान का दिन

कारगिल विजय दिवस

डा. विवेक बाल्यान
स्वतंत्र पत्रकार

देश आज का दिन भारतीय इतिहास में केवल एक तारीख नहीं, बल्कि शौर्य, बलिदान और राष्ट्र-गौरव प्रतीक है। वर्ष 1999 में भारत ने 26 जुलाई को ही कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी और दुनिया को यह संदेश दिया था कि भारत अपनी सीमाओं, अपने सम्मान और अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए पूरी तरह से सक्षम है। कारगिल की बर्फीली चोटियों पर लड़ी गई यह लड़ाई साधारण नहीं थी। यह युद्ध ऊंचाई पर कठोर मौसम में लड़ा गया, जहां हर कदम पर मौत का खतरा था। इसके बाद भी भारतीय सेना ने अदम्य साहस, अनुशासन और देशभक्ति के बल पर विजय पताका फहराई। शोर्य बलिदान की इस गाथा में हरियाणा की भूमि पर जन्में 75 वीर सपूतों ने भी अपने प्राण न्यौछावर किए। ये केवल एक संख्या नहीं हैं, बल्कि वे नाम हैं जिनके पीछे इन सपूतों के परिवारों का दर्द, गांवों का गर्व और राष्ट्र का सम्मान छिपा हुआ है।

हरि की धरा हरियाणा की मिट्टी को हमेशा से वीरता, परिश्रम और देशसेवा की भूमि माना गया है। यहां के किसान जिस तरह खेतों में पसीना बहाते हैं, उसी तरह उनके बच्चे सीमा पर खड़े होकर देश की रक्षा करते हैं। हरियाणा का सामाजिक और सांस्कृतिक चरित्र ही ऐसा रहा है कि यहां सैनिक बनना केवल नौकरी नहीं, बल्कि सम्मान और परंपरा का विषय रहा है। जब कारगिल युद्ध छिड़ा, तब हरियाणा के अनेक जवान अग्रिम पंक्ति में दुश्मन के सामने खड़े थे। उन्होंने न केवल युद्ध लड़ा, बल्कि उसमें सर्वोच्च बलिदान भी दिया। कारगिल के युद्ध में शहीद हुए हरियाणा के 75 जवान इस राज्य की सैन्य परंपरा को अमर कर गए। उनके बलिदान ने यह साबित कर दिया कि हरियाणा की वीरता केवल कथाओं में नहीं, बल्कि वास्तविक युद्धभूमि में भी उतनी ही प्रखर है। कारगिल युद्ध की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह युद्ध अत्यंत कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में लड़ा गया। हिमालय की ऊंची-ऊंची चोटियां, भीषण ठंड, दुर्गम चढ़ाई, सीमित ऑक्सीजन और दुश्मन की पहले से बनाई गई मजबूत स्थिति- इन सबके बीच भारतीय सैनिकों ने असंभव लगने वाली इस लड़ाई को जीता। विजय के इस अभियान में हरियाणा के शहीदों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही। वे अपने साहस और कर्तव्यनिष्ठा से इस राष्ट्रीय विजय का हिस्सा बने। कारगिल विजय दिवस मनाने का अर्थ केवल एक युद्ध में भारत की जीत की याद ताज़ा करना नहीं है। यह दिन हमें यह भी स्मरण कराता है कि हमारे सैनिक ने किस कीमत पर हमें सुरक्षित जीवन प्रदान किया। जब देश के नागरिक अपने घरों में चैन से रहते हैं, तब सीमा पर जवान हिमपात, गोलियों और दुश्मन की घेराबंदी से जूझ रहे होते हैं। इस वास्तविकता को हम अक्सर तभी महसूस करते हैं जब कोई युद्ध या शहादत की बड़ी घटना सामने आती है। कारगिल युद्ध ने पूरे देश को यह समझाया कि सैनिकों का बलिदान सिर्फ समाचार नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का हिस्सा है। हरियाणा के शहीदों ने इस भावना को और भी गहराई दी। उनकी शहादत केवल सैन्य इतिहास में दर्ज नहीं, बल्कि हरियाणा की लोक-स्मृति और जन-चेतना में हमेशा जीवित रहेगी। कारगिल विजय दिवस पर जब हम तिरंगा फहराते हैं, तो हमें याद रखना चाहिए कि उस झंडे की ऊंचाई के पीछे कितने परिवारों की वेदना छिपी है। हरियाणा के शहीदों ने इस तिरंगे की ऊंचाई के लिए अपना जीवन दिया। उनका रक्त इस ध्वज की लाली में शामिल है। उनका साहस इस राष्ट्र की आत्मा में मौजूद है। उनका नाम लेकर जब हम श्रद्धांजलि देते हैं, तब हम केवल अतीत को नहीं देखते, बल्कि एक ऐसे भारत की कल्पना करते हैं जो अधिक कृतज्ञ, अधिक मजबूत और अधिक एकजुट हो।आज की पीढ़ी के लिए कारगिल विजय दिवस का संदेश बहुत स्पष्ट है। यह दिन बताता है कि स्वतंत्रता की रक्षा केवल नारे से नहीं होती, उसके लिए बलिदान चाहिए। कारगिल विजय दिवस हरियाणा के लिए विशेष गर्व का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हरियाणा की धरती ने देश को ऐसे सपूत दिए हैं, जिन्होंने कर्तव्य को जीवन से बड़ा माना। इन 75 शहीदों की शहादत केवल एक राज्य की नहीं, पूरे भारत की धरोहर है। उनका बलिदान हमें सिखाता है कि देश के लिए दिया गया जीवन कभी व्यर्थ नहीं जाता। वे आज भले हमारे बीच न हों, लेकिन उनकी बहादुरी, उनकी निष्ठा और उनका त्याग हमेशा जीवित रहेगा। कारगिल विजय दिवस पर हरियाणा के इन वीर शहीदों को कोटि-कोटि नमन।

यह दिन हमें याद दिलाता है कि हरियाणा की धरती ने देश को ऐसे सपूत दिए हैं, जिन्होंने कर्तव्य को जीवन से बड़ा माना। इन 75 शहीदों की शहादत केवल एक राज्य की नहीं, बल्कि पूरे भारत की धरोहर है। उनका बलिदान हमें सिखाता है कि देश के लिए दिया गया जीवन कभी व्यर्थ नहीं जाता।

प्रधान का इस्तीफा, बोले- युवाशक्ति देश की असली ताकत, 4 दशकों से छात्रहित में काम किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है। नीट पेपर लीक मामले में देशभर के छात्र पिछले कई दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। जंतर-मंतर पर आंदोलन में बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स हिस्सा ले रहे। छात्रों की पहली डिमांड शिक्षा मंत्री प्रधान का इस्तीफा थी। प्रधान ने शनिवार दोपहर को मंत्रिपद से इस्तीफा दे दिया। अपने इस्तीफे में उन्होंने कहा कि युवाशक्ति ही देश की असली ताकत है और पिछले 10 दिनों के घटनाक्रम को देखकर मन दुखी हो गया। सोशल मीडिया पर पोस्ट में प्रधान ने कहा कि मेरे युवा साथियों, मैं पिछले 4 दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं।

युवाओं का सम्मान करता हूं

मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है। मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है।

परीक्षा रद्द कर दोबारा कराई

उन्होंने कहा, 3 मई 2026 को नीट यूजी की परीक्षा में सामने आई अनियमितता पाई गई। भारत सरकार ने इसको तुरंत संज्ञान में लेते हुए जांच सीबीआई को सौंपी और परीक्षा को रद्द किया एवं पुनः परीक्षा की तिथि घोषित की गई। इसके साथ ही अगले वर्ष से इस परीक्षा को सीबीटी मोड में करने का निर्णय लिया गया।''इस दौरान हमारी प्रमुख प्राथमिकता यह रही कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की जाए। इसमें सभी का सहयोग रहा।

पत्र जारी कर कही अहम बातें

लंबे समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए 'लड़ा'

प्रधान ने एक पत्र जारी कर अपने इस्तीफे की जानकारी दी है। उन्होंने पत्र में कहा है कि वह पिछले 4 दशक से भी अधिक वक्त से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहे हैं। वह देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी अपेक्षाओं का सम्मान करते हैं और भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के सामाजिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है।

पीएम मोदी का जताया आभार : प्रधान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो मौका उन्हें मिला उसके लिए वह प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हैं
सीबीटी मोड में परीक्षा कराने का फैसला: धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि 3 मई, 2026 को हुई नीट यूजी की परीक्षा में गड़बड़ियां पाई गई, केंद्र सरकार ने इसका संज्ञान लिया और जांच सीबीआई को सौंप दी।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर सत्तापक्ष और विपक्ष ने दी अपनी अपनी प्रतिक्रियाएं

भाजपा ने व्यापक हितों को प्राथमिकता, ईमानदारी के मापदंडों पर पद छोड़ने की बात कही, वहीं विपक्ष ने अपनी 'एकजुटता' को जीत का कारण बताया

नबीन ने एक्स पर लिखा कि प्रधान ने भारत के शिक्षा में सुधार लाने और ऐतिहासिक राष्ट्रीय शिक्षा नीति व अन्य पहलों को सफलतापूर्वक लागू करने में अहम भूमिका निभाई तो विपक्ष ने कहा हमने संसद से सड़क तक छात्रों के हित में मांग उठाई, हालांकि श्रेय की होड़ लगी है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नीट पेपर लीक विवाद पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने उनके इस कदम का समर्थन किया है। नबीन ने एक्स पर लिखा कि प्रधान ने भारत के शिक्षा में सुधार लाने और ऐतिहासिक राष्ट्रीय शिक्षा नीति व अन्य पहलों को सफलतापूर्वक लागू करने में अहम भूमिका निभाई है। व्यापक हितों को प्राथमिकता देते हुए उनका पद छोड़ने का निर्णय सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और निस्वार्थ सेवा के उच्चतम मानदंडों को दर्शाता है। पार्टी प्रधान के साथ मजबूती से खड़ी है। मैं उनके भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।

खास बातें

- विपक्ष को सबसे पहले संसद में चर्चा करनी थी
- सरकार ने उन्हें ईमानदार और समर्पित बताया

विपक्ष की रुचि हंगामा में, चर्चा करने में नहीं: सीतारमण

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष के रुख पर सवाल उठाते हुए कहा था कि सरकार संसद में चर्चा के लिए तैयार थी, लेकिन विपक्ष एक मांग पूरी होने के बाद नई शर्तें रख रहा था और असल में चर्चा में दिलचस्पी नहीं ले रहा था। उन्होंने विपक्ष के रवैए पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी मंशा सिर्फ हंगामा करने की है, वे सरकार से जवाब मांगने या सार्थक चर्चा करने में कोई रुचि नहीं दिखा रहे हैं।

विपक्ष ने सरकार की हार बताया

अहंकारी सत्ता की हार, माफी मांगें: खरगे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भारत के 'छात्रों की आवाज' आखिरकार उस अहंकारी सत्ता के दरवाजे तक पहुंच ही गई है। यह हमारे उन लाखों युवाओं की जीत है जिन्होंने शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए देश भर की सड़कों पर अपनी आवाज़ उठाई। यह सच की जीत है और मोदी की जिद की हार है। यह सरकार भ्रष्ट है। यह एकजुट विपक्ष की जीत है, जिसने छात्रों के हित में संसद से लेकर सड़कों तक अपनी आवाज उठाई। वे हमारी युवा पीढ़ी से माफी मांगें।

और तानाशाही नहीं चलेगी: प्रियंका

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अब तानाशाही नहीं चलेगी।

इस्तीफे पर पूरे देश को बधाई: केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सरकार को जनता के सामने झुकना पड़ा। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो मैसेज शेयर कर लिखा, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर पूरे देश को बधाई।

दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी को झुकाया

समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि नई पीढ़ी की एक बड़ी जीत है। यह युवाओं की एक बड़ी जीत है। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी को झुका दिया। अब परीक्षाएं सही ढंग से चलेंगी।

मोदी और शाह अजेय नहीं...

शिवसेना के नेता संजय राउत ने प्रधान के इस्तीफे को लेकर पीएम मोदी और अमित शाह पर हमला बोला है। राउत ने एक्स पर सीजेपी के प्रदर्शन की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा है कि प्रधान ने इस्तीफा दिया, मोदी और शाह अजेय नहीं हैं... वे भी जाएंगे!

सेलेब्स ने कहा

सभी को बधाई, जिन्होंने सहयोग दिया: प्रकाश

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर खुशी का इजहार करते हुए अभिनेता प्रकाश राज ने अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए एक्स पर लिखा 'मेरे प्यारे कॉकरोचेस, सोनम वांगचुक सर और उन सभी लोगों को बधाई जिन्होंने युवाओं का साथ दिया।

पुलिस ने दी सारी जानकारी

2000 क्रिमिनल, 15 एफआईआर और 130 पुलिसकर्मी घायल

दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में फेशियल रिकग्निशन सिस्टम की मदद ली गई।

इस आधुनिक प्रणाली से 2000 से अधिक आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की पहचान की गई है। ये प्रदर्शनकारी भीड़ में घुस गए थे। इनका मुख्य उद्देश्य पुलिसकर्मियों को निशाना बनाना था। इस दौरान 130 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। अब तक 15 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान जारी है।

फेशियल रिकग्निशन सिस्टम से हुई पहचान

इस दौरान पुलिस ने आधुनिक फेशियल रिकग्निशन सिस्टम का प्रभावी ढंग से उपयोग किया। इस तकनीक से भीड़ में मौजूद संदिग्ध चेहरों को पहचाना गया। सिस्टम ने हजारों लोगों के डेटाबेस से मिलान किया। इससे आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की सटीक पहचान संभव हो पाई। इसकी जांच की जा रही है।

जंतर- मंतर पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव

हंगामा, पथराव और पानी की बोतल फेंकी, पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले, किया लाठीचार्ज

जंतर-मंतर पर दोपहर में एक बार फिर से प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव का माहौल हो गया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया पुलिस और आरएएफ की टीम ने आंसू गैस के गोले छोड़े। लाठीचार्ज भी किया।

खबर संक्षेप

अभिषेक जेल गए तो नहीं निकल पाएंगे: सुवेंदु

कोलकाता। सीएम सुवेंदु अधिकारी ने तृणमूल सांसद अभिषेक बेनर्जी को फिर निशाना बनाया। उन्होंने विधानसभा में अभिषेक के 'सेवाश्रय' से संबंधित कई गंभीर अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने चेतावनी दी कि इस घोटाले की जांच होने पर अभिषेक को जेल भेजा जाएगा।

महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक का सरगना अरेस्ट

मुंबई। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा पेपर लीक का कथित मास्टरमाइंड बिजेंद्र गुप्ता कई महीनों तक फरार रहने के बाद आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। महाराष्ट्र पुलिस ने बिजेंद्र गुप्ता को बिहार से गिरफ्तार किया है। ठाणे पुलिस ने शनिवार को बिहार से गिरफ्तार किया है।

बाल पुरस्कार के लिए 31 तक होंगे आवेदन

लखनऊ। सिखों के अंतिम और दसवें गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहिबजादों के बलिदान दिवस पर मेधावियों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार दिया जाएगा। 26 दिसंबर को राष्ट्रपति बाल मेधावियों को पुरस्कृत करेंगी। 31 जुलाई तक आवेदन किया जा सकता है। 5-18 आयु वर्ग के मेधावी आवेदन करें।

करंट लगने से 3 पैसेंजर्स की मौत

पटना। बिहार की राजधानी पटना में दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक सड़क हादसे में 3 लोगों की जान चली गई. शनिवार सुबह एक ऑटो अनियंत्रित होकर पहले पानी के गड्ढे में जा घुसा। तभी बिजली के तार की चपेट में आ गया। करंट लगने से 3 लोगों की मौत हो गई।

महानदी ऑफशोर बेसिन में पहले अप्रेजल वेल की ड्रिलिंग शुरू

पुरी ने ऊर्जा सुरक्षा की मजबूत नींव बताया संसाधनों की खोज, उत्पादन क्षमता बढ़ेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शनिवार को महानदी ऑफशोर बेसिन में पहले अप्रेजल वेल की ड्रिलिंग शुरू होने की घोषणा करते हुए इसे भारत की ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में 'एक नए अध्याय की शुरुआत; बताया। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि यह उपलब्धि पिछले एक दशक में किए गए दूरदर्शी सुधारों का परिणाम है, जिसने देश के एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाया है। महानदी ऑफशोर बेसिन में शुरू किया गया 'एमएन-डीडब्ल्यूएन18-1-एचडी' अप्रेजल वेल चार प्रस्तावित डीपवॉटर वेल में पहला है। इन कुओं से देश के ऑफशोर बेसिन में से एक का चरणबद्ध तरीके से आकलन किया जाएगा। इस ड्रिलिंग कार्यक्रम में अत्याधुनिक डीपवॉटर ड्रिलिंग तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिससे नए हाइड्रोकार्बन संसाधनों की खोज और घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

10 वर्षों के दूरदर्शी सुधारों का परिणाम दिखाई दे रहा

आयात निर्भरता घटाने पर जोर

पुरी ने कहा कि ड्रिलिंग का हर मीटर हमें आयात पर निर्भरता कम करने, आत्मनिर्भरता बढ़ाने और विकसित भारत के विजन को साकार करने के और करीब ले जाएगा।

कंपनियों ने पूरी संरचना को ही बदल दिया

पुरी ने कहा कि 10 वर्षों में सरकार ने ऐतिहासिक नीतिगत और नियामकीय सुधारों के जरिए एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन क्षेत्र की पूरी संरचना को बदल दिया है। उन्होंने ओएनजीसी, ऑयल इंडिया लिमिटेड, डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हाइड्रोकार्बन्स, तकनीकी साझेदारों और इस क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों को बधाई देते हुए विश्वास जताया।

बड़े निवेश की प्रतिबद्धता मिली

पुरी ने बताया कि ओएएलपी के तहत अब तक लगभग 3.8 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले 172 एक्सप्लोरेशन ब्लॉक आवंटित किए जा चुके हैं, जिनमें 4.3 अरब डॉलर से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धता मिली है।

पिछले दशक के सुधारों का किया उल्लेख

पुरी ने हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन एंड लाइसेंसिंग पॉलिसी , नामांकन आधारित व्यवस्था के स्थान पर ओपन एकरेज लाइसेंसिंग प्रोग्राम, पारदर्शी रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल और पहले प्रतिबंधित रहे लगभग 99 फीसदी ऑफशोर 'नो-गो' क्षेत्रों को एक्सप्लोरेशन के लिए खोलने जैसे प्रमुख सुधारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद भारत के कुल सक्रिय एक्सप्लोरेशन एकरेज का 81% आवंटित किया गया है।

वैश्विक शिपबिल्डिंग हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम

सरकार ने 69,725 करोड़ रुपए की योजना मंजूर की

केंद्र सरकार ने देश के जहाज निर्माण (शिपबिल्डिंग) उद्योग को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने 69,725 करोड़ के व्यापक पैकेज को मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य घरेलू जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाना, समुद्री क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक वित्तपोषण उपलब्ध कराना, कौशल विकास को प्रोत्साहित करना और भारत को वैश्विक शिपबिल्डिंग हब के रूप में स्थापित करना है। पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया कि शिपयार्ड की लागत को वैश्विक शिपयार्ड के मुकाबले प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए 24,736 करोड़ की स्कीम को मंजूरी दी गई है।

25,000 करोड़ रुपए का मैरीटाइम डेवलपमेंट फंड

पैकेज के तहत 25,000 करोड़ रुपए का मैरीटाइम डेवलपमेंट फंड भी स्थापित किया जाएगा। इससे जहाज निर्माण और समुद्री क्षेत्र को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इस फंड में 20,000 करोड़ रुपए का मैरीटाइम इन्वेस्टमेंट फंड और 5,000 करोड़ रुपए का इंटरेस्ट इंसेंटिवाइजेशन फंड शामिल है।

कोरबा कार्बन फैक्ट्री में ब्लास्ट

30-40 मजदूरों ने भागकर बचाई जान, 8 दमकलों ने पाया काबू

एजेंसी ▶▶ कोरबा

जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित कार्बन फैक्ट्री में शनिवार दोपहर बायलर फटने से हड़कंप मच गया। इससे फैक्ट्री के भीतर भीषण आग लग गई। घटना के समय फैक्ट्री में 30-40 मजदूर काम कर रहे थे। ब्लास्ट की आवाज सुनते ही मजदूरों में भगदड़ मच गई और सभी ने भागकर अपनी जान बचाई।

आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पूरा इलाका काले धुएं से भर गया। धुएं के साथ केमिकल की तेज बदबू और जलन भी महसूस की जा रही थी। इससे आसपास के रहवासियों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही नगर सेना की दमकल टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाई। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। आग किस कारण से लगी इसकी जांच की जाएगी। माना जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी है।

बुझाने में 3 घंटे की मशक्कत करनी पड़ी

आग पर काबू पाने के लिए करीब 3 घंटे तक लगातार मशक्कत करनी पड़ी। लगभग 8 दमकल वाहनों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। कूलिंग का काम भी लगातार जारी रखा गया ताकि आग दोबारा न भड़के। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने फैक्ट्री के आसपास के इलाके को तत्काल सील कर दिया। ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।

फैक्ट्री वाले इलाके को किया सील

सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने घटनास्थल को पूरी तरह सील कर दिया है। आम लोगों के प्रवेश और वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। पुलिस ने बैरिकेड लगाकर लोगों को सुरक्षित दूरी पर रोक रखा है।

अगले महीने से बदल जाएगा नियम

अब केवाईसी 2.0 में बगैर डॉक्यूमेंट्स के खुलेंगे खाते

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय बैंक और इंश्योरेंस कंपनियां अगस्त में एक कॉमन कस्टमर आइडेंटिफिकेशन सिस्टम शुरू करेंगी, जिसमें बाद में एसेट मैनेजर भी शामिल होंगे। इससे ग्राहकों को अलग-अलग पहचान दस्तावेज जमा किए बिना फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स का फायदा उठाने में मदद मिलेगी। इस नए सिस्टम को 'सेंट्रल नो-योर-कस्टमर 2.0' कहा जाएगा।

इसकी मुख्य बातें

- बैंक या बीमा कंपनी में नया खाता खोलने के लिए आपको बार-बार पहचान पत्र या पते का सबूत नहीं देना होगा।
- वित्तीय संस्थान सेंट्रल रजिस्ट्री से आपका सत्यापित डेटा सीधे ले सकेंगे।
- डेटा लेने के लिए संस्थानों को केवल आपके वन-टाइम पासवर्ड सहमति की आवश्यकता होगी।

प्रधानमंत्री आज वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के प्रतिभागियों से करेंगे संवाद

सामाजिक, सांस्कृतिक व रणनीतिक महत्व की जानकारी मिलेगी

प्रश्नोत्तरी में 3 लाख से अधिक युवाओं ने लिया चयन प्रक्रिया में हिस्सा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के प्रतिभागियों से संवाद करेंगे। इसमें 400 से अधिक युवा शामिल होंगे, जिनका चयन राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के जरिए किया गया था। माय भारत के माध्यम से संचालित विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026 का आयोजन 4 जून से 30 जून तक दो चरणों में किया गया।

इसमें 400 से अधिक युवा शामिल होंगे माय भारत कर रहा संचालन

74 सीमावर्ती गांवों से युवाओं को मिला जुड़ने का अवसर

कार्यक्रम के तहत लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के 74 वाइब्रेंट सीमावर्ती गांवों को शामिल किया गया। इसका उद्देश्य युवाओं को सीमावर्ती क्षेत्रों के सामाजिक, सांस्कृतिक विकासात्मक परिवेश से जोड़ना तथा उन्हें इन गांवों के रणनीतिक महत्व से परिचित कराना था।

विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया

प्रतिभागियों ने स्थानीय समुदायों के साथ रहकर स्वच्छता अभियान, सरकारी योजनाओं पर जागरूकता अभियान, युवा सम्मेलन आदि में हिस्सा लिया।

'देश के पहले गांव' बनाने की पहल

यह प्रोग्राम प्रधानमंत्री के उस विजन पर आधारित है, जिसमें सीमावर्ती गांवों को 'देश के पहले गांव' के रूप में विकसित करने और उन्हें विकसित भारत की यात्रा में सक्रिय भागीदार बनाने पर जोर दिया गया है। युवाओं को सीमावर्ती क्षेत्रों की सारी जानकारी मिलेगी।

पिछले कुछ वर्षों में भारत में व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के प्रति लोगों का आकर्षण तेजी से बढ़ा है। छोटे शहरों और कस्बों के निवेशक भी अब म्यूचुअल फंड को बचत और निवेश का महत्वपूर्ण माध्यम मानने लगे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म, आसान निवेश प्रक्रिया, वित्तीय जागरूकता और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न की संभावनाओं ने म्यूचुअल फंड उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। मिड और स्मॉल कैप फंडों में बढ़ती भागीदारी इसी बदलाव का परिणाम मानी जा रही है।

मिड और स्मॉल कैप फंडों पर निवेशकों का भरोसा कायम

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- *बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद बन रहे पहली पसंद*
- *दो वर्षों में करोड़ों नए निवेशक जुड़े, दीर्घकालिक रिटर्न से बढ़ा विश्वास*
- *विशेषज्ञों ने ऊंचे वैल्यूएशन के बीच सतर्क निवेश की दी सलाह*

शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के दौरान कई बार तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनाव, ब्याज दरों में बदलाव और घरेलू बाजार में समय-समय पर आई गिरावट के बावजूद भारतीय खुदरा निवेशकों का भरोसा मिड कैप और स्मॉल कैप म्यूचुअल फंडों पर लगातार मजबूत बना हुआ है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों का किया गया एक अहम विश्लेषण है। रिपोर्ट बताती है कि बाजार की अस्थिरता निवेशकों के उत्साह को कम नहीं कर सकी। इसके विपरीत, बड़ी संख्या में नए निवेशकों ने इन श्रेणियों में निवेश शुरू किया और पहले से निवेश कर रहे लोगों ने भी अपना निवेश जारी रखा। पोर्ट के अनुसार, जून 2024 से जून 2026 के बीच मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों में खुदरा निवेशकों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। जून 2024 में जहां मिड कैप फंडों के फोलियो की संख्या लगभग 1.53 करोड़ थी, वहीं जून 2026 तक यह बढ़कर 2.55 करोड़ हो गई। इसी अवधि में स्मॉल कैप फंडों के फोलियो 2.03 करोड़ से बढ़कर 2.87 करोड़ तक पहुंच गए। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि निवेशकों का रुझान केवल बड़े बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे बेहतर संभावनाओं वाली मध्यम और छोटी कंपनियों में भी निवेश के अवसर तलाश रहे हैं।

सभी ओपन-एंडेड इक्विटी फंड फोलियो का 32 प्रतिशत हिस्सा

आज मिड कैप और स्मॉल कैप फंड मिलकर देश के सभी ओपन-एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड फोलियो का 32 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बन चुके हैं। यह हिस्सा लगातार बढ़ रहा है, जो बताता है कि भारतीय निवेशकों की सोच अब लंबी अवधि के निवेश और संपत्ति निर्माण की ओर तेजी से बदल रही है। इस बढ़ते भरोसे के पीछे सबसे बड़ा कारण इन श्रेणियों का मजबूत दीर्घकालिक प्रदर्शन है। 30 जून 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, मिड कैप फंडों ने पिछले तीन वर्षों में 18.76 प्रतिशत का चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) और पांच वर्षों में 16.33 प्रतिशत का सीएजीआर दिया है। वहीं स्मॉल कैप फंडों ने तीन वर्षों में 17.68 प्रतिशत तथा पांच वर्षों में 17.06 प्रतिशत का सीएजीआर रिटर्न निवेशकों को उपलब्ध कराया।

उतार-चढ़ाव की संभावना ज्यादा

यह समझना जरूरी है कि अधिक रिटर्न के साथ जोखिम भी अधिक होता है। मिड और स्मॉल कैप कंपनियों के शेयरों में बड़े उतार-चढ़ाव की संभावना रहती है। यही कारण है कि बाजार में गिरावट आने पर इन श्रेणियों में नुकसान भी अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है। इसके बावजूद निवेशकों का विश्वास इसलिए बना हुआ है क्योंकि वे अब अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बजाय दीर्घकालिक निवेश रणनीति को प्राथमिकता दे रहे हैं। निवेशकों का यह भरोसा केवल फोलियो की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों में भी साफ दिखाई देता है। जून 2025 में मिड कैप फंडों का एयूएम 4.32 लाख करोड़ रुपये था, जो जून 2026 तक बढ़कर 5.06 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह स्मॉल कैप फंडों का एयूएम 3.55 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 4.30 लाख करोड़ तक पहुंच गया।

निवेशक सतर्क रहें

आईसीआरए एनालाइस्टिक ने निवेशकों को सतर्क रहने की भी सलाह दी है। संस्था का कहना है कि वर्तमान समय में मिड और स्मॉल कैप शेयरों के वैल्यूएशन अपेक्षाकृत ऊंचे स्तर पर हैं। यदि आने वाले समय में कंपनियों की आय (कॉरपोरेट अर्निंग्स) बाजार की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं बढ़ती है, तो इन श्रेणियों में करेक्शन देखने को मिल सकता है। ऐसे में निवेशकों को यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि पिछले वर्षों जैसा रिटर्न भविष्य में भी निश्चित रूप से मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में इन फंडों का प्रदर्शन केवल वैल्यूएशन बढ़ने पर नहीं, बल्कि कंपनियों के वास्तविक कारोबार और मुनाफे में वृद्धि पर निर्भर करेगा।

क्या कहते हैं आंकड़े

वित्तीय सलाहकारों का सुझाव है कि मिड और स्मॉल कैप फंडों में निवेश हमेशा लंबी अवधि के लक्ष्य को ध्यान में रखकर करना चाहिए। एकमुश्त बड़ी राशि लगाने के बजाय नियमित एसआईपी के माध्यम से निवेश करना अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। साथ ही निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए, ताकि जोखिम और रिटर्न दोनों का बेहतर प्रबंधन किया जा सके।

कुल मिलाकर, एएमएफआई और आईसीआरए एनालाइस्टिक के ताजा आंकड़े यह संकेत देते हैं कि भारतीय खुदरा निवेशकों का भरोसा मिड और स्मॉल कैप फंडों पर पहले से अधिक मजबूत हुआ है। बेहतर दीर्घकालिक प्रदर्शन और नियमित निवेश ने इन श्रेणियों को लोकप्रिय बनाया है। हालांकि, ऊंचे वैल्यूएशन और संभावित बाजार उतार-चढ़ाव को देखते हुए निवेशकों को संयम, विविधीकरण और लंबी अवधि की रणनीति अपनाकर ही निवेश करना चाहिए। यही तरीका भविष्य में बेहतर और टिकाऊ संपत्ति निर्माण का आधार बन सकता है।

मृत्यु के बाद क्लेम होगा आसान

नॉमिनेशन व वसीयत अब भी जरूरी

सेबी ने एएमएफआई के मानकों में बदलाव कर दी बड़ी राहत | अब परिवारों को आर्थिक और मानसिक परेशानियां नहीं झेलनी होंगी | रिकॉर्ड में नाम की स्पेलिंग में मामूली अंतर होने से नहीं होगी दिक्कत

जानकारी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक महत्वपूर्ण और निवेशक हितैषी कदम उठाया है। निवेशक की मृत्यु के बाद उसके परिवार या कानूनी उत्तराधिकारियों को म्यूचुअल फंड यूनिट्स का ट्रांसमिशन (हस्तांतरण) कराने में अक्सर कई तरह की तकनीकी और दस्तावेजी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। पते में अंतर, नाम की स्पेलिंग अलग होना, हस्ताक्षर मेल न खाना या पुराने रिकॉर्ड जैसी छोटी-छोटी वजहों से क्लेम महीनों तक लंबित रहता था। कई मामलों में परिवारों को आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानियां झेलनी पड़ती थीं। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सेबी ने एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के मानकों में बदलाव कर ट्रांसमिशन प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। नए दिशा-निर्देशों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी निवेशक के निधन के बाद उसके परिवार को तकनीकी कारणों से अनावश्यक परेशान न होना पड़े।

पते में अंतर अब नहीं बनेगा बड़ी बाधा

पहले यदि म्यूचुअल फंड फोलियो में दर्ज पता और क्लेम के समय दिए गए दस्तावेजों का पता अलग होता था, तो एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) क्लेम रोक देती थी। अब वैध और अद्यतन दस्तावेजों के आधार पर नया पता स्वीकार किया जा सकेगा। इससे पुराने रिकॉर्ड के कारण होने वाली देरी काफी हद तक समाप्त होगी।

छोटी गलतियां भी होंगी स्वीकार

अक्सर पैन कार्ड, आधार, बैंक खाते और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में नाम की स्पेलिंग में मामूली अंतर होने से ट्रांसमिशन अटक जाता था। अब आधार, पासपोर्ट जैसे सेल्फ-सर्टिफाइड दस्तावेजों के आधार पर ऐसे मामलों का समाधान किया जा सकेगा। हस्ताक्षर मेल न खाने की स्थिति में भी रजिस्ट्रार एंड ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) निर्धारित प्रक्रिया के तहत समाधान करेंगे।

सभी एएमसी में एक जैसी प्रक्रिया

सेबी ने एएमएफआई को निर्देश दिया है कि सभी एसेट मैनेजमेंट कंपनियों और संबंधित कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाए, ताकि पूरे देश में ट्रांसमिशन प्रक्रिया एक समान तरीके से लागू हो। इससे निवेशकों को अलग-अलग फंड हाउस में अलग नियमों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

कौन क्लेम कर सकता है?

- क्लेम की प्रक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि निवेश किस प्रकार किया गया था।
- यदि निवेश संयुक्त नाम से है और एक निवेशक का निधन हो जाता है, तो जीवित धारक यूनिट्स अपने नाम कराने के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि निवेश एकल नाम से है और नॉमिनी दर्ज है, तो नॉमिनी ट्रांसमिशन के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि नॉमिनी नहीं है, तो कानूनी उत्तराधिकारी को उत्तराधिकार प्रमाणपत्र, लीगल हेयरशिप सर्टिफिकेट, वसीयत या अन्य आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर दावा करना होगा। ऐसे मामलों में प्रक्रिया अपेक्षाकृत लंबी हो सकती है।

किन दस्तावेजों की होगी जरूरत?

■ ट्रांसमिशन रिक्वेस्ट फॉर्म ■ निवेशक का मृत्यु प्रमाणपत्र ■ पैन कार्ड ■ केवाईसी दस्तावेज ■ बैंक खाते का प्रमाण ■ यदि नॉमिनी नहीं है तो सक्सेशन सर्टिफिकेट, लीगल हेयरशिप सर्टिफिकेट, वसीयत या अन्य कानूनी दस्तावेज भी प्रस्तुत करने पड़ सकते हैं।

किन कारणों से अटकेगा क्लेम?

- नॉमिनी का नाम दर्ज न होना।
- केवाईसी अधूरा या पुराना होना।
- बैंक, पैन और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में अलग-अलग जानकारी होना।
- कानूनी उत्तराधिकारियों के बीच विवाद।
- अलग-अलग एएमसी में कई फोलियो होने से दस्तावेजी प्रक्रिया जटिल होना।

आज ही करें ये चार काम

- पहला, हर म्यूचुअल फंड फोलियो में नॉमिनी अवश्य दर्ज करें और समय-समय पर उसकी समीक्षा करें।
- दूसरा, पैन, आधार, खाते और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में नाम, जन्मतिथि, पता और अन्य विवरण समान रखें।
- तीसरा, यदि आपका निवेश बड़ा है तो केवल नॉमिनेशन पर निर्भर न रहें। एक विधिवत वसीयत तैयार करें। यह संपत्ति के अंतिम उत्तराधिकार को लेकर भविष्य के विवादों से बचाती है।
- चौथा, अपने परिवार को यह जानकारी अवश्य दें कि आपने किन-किन म्यूचुअल फंडों में निवेश किया है। कई बार परिवार को निवेश की जानकारी ही नहीं होती, जिससे वर्षों तक रकम बिना क्लेम के पड़ी रहती है।

नॉमिनी व उत्तराधिकारी में अंतर समझें

कई निवेशक यह मान लेते हैं कि नॉमिनी निवेश का अंतिम मालिक होता है, जबकि ऐसा हमेशा नहीं होता। नॉमिनी निवेश की राशि प्राप्त करने का अधिकृत व्यक्ति होता है। अंतिम स्वामित्व उत्तराधिकार कानून या वैध वसीयत के अनुसार तय होता है। बड़े निवेश वाले परिवारों के लिए एस्टेट प्लानिंग-वसीयत तैयार करना महत्वपूर्ण है।

निवेशक हित में बड़ा सुधार

सेबी का यह कदम ऐसे समय आया है, जब देश में म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या लगातार बढ़ रही। करोड़ों निवेशक एसआईपी व अन्य योजनाओं के माध्यम से लंबी अवधि के लिए निवेश कर रहे हैं। ऐसे में निवेशक की मृत्यु के बाद परिवार को सरल- समयबद्ध तरीके से राशि मिलना वित्तीय व्यवस्था में विश्वास बढ़ाने के लिए आवश्यक है। सेबी के नए दिशा-निर्देश न केवल ट्रांसमिशन प्रक्रिया को तेज-पारदर्शी बनाएंगे, बल्कि निवेशकों में भरोसा मजबूत करेंगे कि उनकी मेहनत की कमाई जरूरत पड़ने पर बिना कानूनी बाधाओं के परिवार तक पहुंच सकेगी।

जानें जोखिम पोर्टफोलियो और टैक्स से जुड़े जरूरी नियम

सिर्फ रिटर्न नहीं, इन पैमानों पर चुनें सही म्यूचुअल फंड

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड आज करोड़ों भारतीयों की निवेश यात्रा का अहम हिस्सा बन चुके हैं। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए हर महीने छोटी-छोटी रकम निवेश कर लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। लेकिन बाजार में हजारों म्यूचुअल फंड योजनाएं उपलब्ध होने के कारण सबसे बड़ी चुनौती सही फंड का चुनाव करना है। अक्सर निवेशक पिछले एक साल का रिटर्न या पांच स्टार रेटिंग देखकर फैसला ले लेते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यही सबसे बड़ी भूल साबित हो सकती है। दरअसल, किसी भी म्यूचुअल फंड का मूल्यांकन केवल रिटर्न के आधार पर नहीं किया जा सकता। फंड का जोखिम, खर्च, पोर्टफोलियो, फंड मैनेजर और निवेश का उद्देश्य जैसे कई पहलू भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। यदि दो फंडों में से किसी एक को चुनना है, तो कुछ बुनियादी मानकों को समझना बेहद जरूरी है।

सबसे पहले एक जैसी श्रेणी के फंड की तुलना करें

किसी भी तुलना की शुरुआत सही आधार से होनी चाहिए। यदि एक फंड लार्ज कैप है और दूसरा मिड कैप, तो दोनों की तुलना करना उचित नहीं होगा। दोनों का निवेश उद्देश्य, जोखिम और संभावित रिटर्न अलग-अलग होते हैं। यदि आपका लक्ष्य स्थिरता और अपेक्षाकृत कम जोखिम है, तो लार्ज कैप फंडों की तुलना करें। यदि अधिक जोखिम लेकर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न चाहते हैं, तो मिड कैप- स्मॉल कैप श्रेणी के भीतर विकल्प चुनें।

डायरेक्ट-रेगुलर प्लान में अंतर

हर म्यूचुअल फंड में निवेश के दो विकल्प होते हैं—डायरेक्ट और रेगुलर। डायरेक्ट प्लान में निवेशक सीधे एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के माध्यम से निवेश करता है। इसमें किसी एजेंट का कमीशन नहीं होता, इसलिए एक्सपेंस रेशियो कम रहता है और लंबे समय में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। रेगुलर प्लान उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हो सकता है जिन्हें वित्तीय सलाहकार की सहायता की जरूरत होती है।

केवल रिटर्न नहीं, एक्सपेंस रेशियो भी देखें

दो फंड यदि लगभग समान रिटर्न दे रहे हैं, तो कम एक्सपेंस रेशियो वाला फंड बेहतर माना जाता है। एक्सपेंस रेशियो वह वार्षिक शुल्क है जो एएमसी आपके निवेश के प्रबंधन के बदले लेती है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन 15-20 वर्षों की लंबी अवधि में यही अंतर लाखों रुपये के अतिरिक्त रिटर्न में बदल सकता है।

दोनों फंड किन कंपनियों में निवेश कर रहे हैं

कई निवेशक अलग-अलग फंड खरीद लेते हैं, लेकिन बाद में पता चलता है कि दोनों की शीर्ष 10 होल्डिंग लगभग एक जैसी हैं। निवेश से पहले दोनों फंडों की प्रमुख होल्डिंग और सेक्टर एलोकेशन अवश्य देखें। जोखिम के मुकाबले रिटर्न का मूल्यांकन करें। हर अधिक रिटर्न देने वाला फंड बेहतर नहीं होता।

रिश्ते में प्यार के साथ पैसों की समझ भी जरूरी

पति-पत्नी की कमाई में बड़ा-अंतर हो तो कैसे बनाएं फाइनेंशियल प्लान

बिजनेस डेस्क। शादी केवल दो लोगों का भावनात्मक रिश्ता नहीं, बल्कि दो आर्थिक जिम्मेदारियों का भी मिलन है। आज के दौर में बड़ी संख्या में पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं, लेकिन अक्सर उनकी आय समान नहीं होती। किसी की सैलरी अधिक होती है तो कोई अपेक्षाकृत कम कमाता है। ऐसे में बड़ा सवाल यह होता है कि घर का खर्च कैसे बांटा जाए, ताकि न किसी एक पर आर्थिक बोझ बढ़े और न रिश्ते में असंतुलन पैदा हो। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि सफल वैवाहिक जीवन की नींव केवल भरोसे और प्यार पर नहीं, बल्कि पारदर्शी वित्तीय योजना पर भी टिकी होती है। पैसों को लेकर स्पष्ट समझ और नियमित संवाद भविष्य के विवादों से बचाता है। दोनों को आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस कराता है।

हर परिवार के लिए एक जैसा फॉर्मूला नहीं

फाइनेंशियल प्लानिंग का कोई सार्वभौमिक नियम नहीं होता। हर परिवार की आय, जिम्मेदारियां, जीवनशैली और भविष्य के लक्ष्य अलग-अलग होते हैं। किसी दूसरे का मॉडल अपनाने के बजाय अपनी परिस्थितियों के अनुसार वित्तीय व्यवस्था बनाना समझदारी है। महत्वपूर्ण बात यह है कि कोई भी निर्णय दोनों की सहमति और सुविधा से लिया जाए। आर्थिक मामलों में पारदर्शिता रिश्ते को मजबूत बनाती है।

क्या आधा-आधा खर्च बांटना सही है?

कई दंपती यह मान लेते हैं कि सभी खर्च 50-50 प्रतिशत बांट देना बराबरी का सबसे अच्छा तरीका है। लेकिन यह हर स्थिति में उचित नहीं होता। मान लीजिए पति की मासिक आय 1.50 लाख और पत्नी 50,000 रुपये कमाती हैं। यदि दोनों 40-40 हजार घर के खर्च में दें, तो पत्नी की आय का बड़ा हिस्सा खर्च हो जाएगा, जबकि पति के पास बचत और निवेश के लिए पर्याप्त राशि बची रहेगी। ऐसी व्यवस्था आर्थिक रूप से संतुलित नहीं मानी जाती क्योंकि इससे कम आय वाले साथी पर अपेक्षाकृत अधिक दबाव पड़ता है।

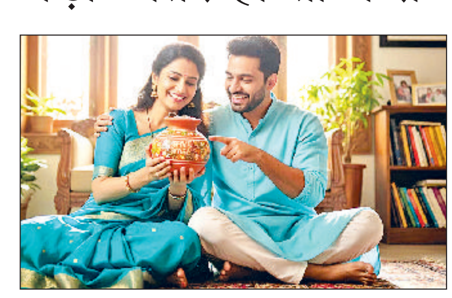

आय के अनुपात में खर्च बांटना बेहतर विकल्प

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार यदि पति-पत्नी की आय में बड़ा अंतर है तो खर्च भी आय के अनुपात में बांटना अधिक व्यावहारिक होता है। उदाहरण के लिए यदि एक साथी कुल आय का 70 प्रतिशत कमाता है और दूसरा 30 प्रतिशत, तो साझा खर्चों में योगदान भी लगभग उसी अनुपात में रखा जा सकता है। इस व्यवस्था से दोनों के पास बचत, निवेश और व्यक्तिगत जरूरतों के लिए पर्याप्त धन बचता है।

जॉइंट अकाउंट हो सकता है अच्छा समाधान

- आज कई कामकाजी दंपती साझा खर्चों के लिए जॉइंट बैंक अकाउंट का विकल्प अपना रहे हैं।
- इस व्यवस्था में दोनों अपनी आय का एक तय हिस्सा संयुक्त खाते में जमा करते हैं। इसी खाते से घर का किराया, ईएमआई, राशन, बिजली-पानी, बच्चों की फीस और अन्य साझा खर्च पूरे किए जाते हैं। वहीं शेष राशि दोनों अपने व्यक्तिगत खातों में रखते हैं, जिससे उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता भी मिलती है। इससे न तो हर छोटे खर्च का हिसाब देना पड़ता है और न ही वित्तीय तनाव बढ़ता है।

बचत और निवेश की भी संयुक्त रणनीति बनाएं

घर का बजट केवल खर्च तक सीमित नहीं होना चाहिए। पति-पत्नी को मिलकर भविष्य के वित्तीय लक्ष्य तय करने चाहिए। इनमें आपातकालीन फंड, बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने, रिटायरमेंट फंड, स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा, म्यूचुअल फंड एसआईपी और अन्य निवेश शामिल हो सकते हैं। दोनों नियमित निवेश करते हैं, तो आर्थिक सुरक्षा मजबूत होती है।

पैसों पर खुलकर बात करना जरूरी

भारतीय परिवारों में अक्सर पैसों को लेकर खुलकर चर्चा नहीं होती। यही भविष्य में गलतफहमियों और विवादों का कारण बन सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पति-पत्नी को अपनी आय, खर्च, कर्ज, निवेश और भविष्य की योजनाओं पर नियमित रूप से बातचीत करनी चाहिए।

इन गलतियों से बचें

- एक-दूसरे से आय या कर्ज की जानकारी छिपाना।
- बिना चर्चा के बड़े वित्तीय फैसले लेना।
- केवल एक व्यक्ति पर पूरे परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी डाल देना।
- आपातकालीन फंड न बनाना।
- बीमा और निवेश को नजरअंदाज करना।
- हर खर्च का अत्यधिक हिसाब से तनाव पैदा करना।

एसआईपी और एसडब्ल्यूपी की स्मार्ट रणनीति से रिटायरमेंट के बाद मिल सकती है नियमित आय

1,000 रुपये की एसआईपी से बन सकता 1 करोड़ का रिटायरमेंट फंड

हर वर्ष 10% बढ़ाएं एसआईपी कंपाउंडिंग की ताकत से तैयार होगा बड़ा कॉर्पस

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड बनाने के लिए हमेशा मोटी सैलरी होना जरूरी नहीं है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि यदि निवेशक कम उम्र में नियमित निवेश शुरू करे, हर साल निवेश बढ़ाता रहे और लंबी अवधि तक अनुशासन बनाए रखे, तो छोटी-सी एसआईपी भी करोड़ों रुपये का रिटायरमेंट फंड तैयार कर सकती है। इसके बाद उसी फंड से सिस्टेमैटिक विदड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) के जरिए हर महीने नियमित आय भी प्राप्त की जा सकती है। दरअसल, एसआईपी और एसडब्ल्यूपी एक-दूसरे के पूरक हैं। जहां एसआईपी नौकरी के दौरान धीरे-धीरे संपत्ति बनाने का माध्यम है, वहीं एसडब्ल्यूपी रिटायरमेंट के बाद उसी संपत्ति को नियमित मासिक आय में बदलने का तरीका है। यदि दोनों का सही तरीके से उपयोग किया जाए तो व्यक्ति बिना आर्थिक तनाव के रिटायरमेंट का जीवन बिता सकता है।

कैसे काम करती है एसआईपी+ एसडब्ल्यूपी रणनीति

मान लीजिए कोई व्यक्ति 28 वर्ष की उम्र में नौकरी शुरू करता है और हर महीने केवल 1,000 की एसआईपी शुरू करता है। वह अपनी आय बढ़ने के साथ हर साल एसआईपी की राशि में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करता है और 60 वर्ष की उम्र तक लगातार निवेश करता रहता है।

इस उदाहरण से समझें

- निवेश शुरू करने की आयु : 28 वर्ष
- शुरुआती एसआईपी : 1,000 प्रति माह
- हर साल एसआईपी में बढ़ोतरी : 10%
- अनुमानित वार्षिक रिटर्न : 12%
- निवेश अवधि : 32 वर्ष

यह भी जानें

- कुल निवेश : 24.13 लाख रुपये
- अनुमानित फंड : 1.05 करोड़ रुपये
- कुल लाभ : लगभग 80.98 लाख रुपये
- यानी निवेशक ने करीब 24 लाख रुपये जमा किए, लेकिन कंपाउंडिंग और नियमित निवेश बढ़ाने की वजह से रिटायरमेंट तक उसका फंड एक करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

असली ताकत है स्टेप अप एसआईपी

इस उदाहरण की सबसे महत्वपूर्ण बात 1,000 रुपये की शुरुआती एसआईपी नहीं, बल्कि हर साल उसमें 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। अधिकांश लोगों की आय समय के साथ बढ़ती है। यदि वे हर साल अपनी एसआईपी भी बढ़ाते रहें तो बिना अतिरिक्त आर्थिक दबाव के बड़ी पूंजी तैयार की जा सकती है। यदि एसआईपी की राशि पूरे 32 वर्षों तक 1,000 रुपये ही रखी जाए तो एक करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल करना बेहद मुश्किल होगा। इसलिए हर वेतन वृद्धि के साथ एसआईपी बढ़ाने की आदत लंबी अवधि में लाखों रुपये का अतिरिक्त लाभ दिला सकती है।

क्या 12% रिटर्न की उम्मीद वाजिब है?

- इस उदाहरण में 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न केवल गणना के लिए लिया गया है। यह कोई गारंटीड रिटर्न नहीं है।
- हालांकि पिछले कई वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि फ्लेक्सी कैप, मल्टी कैप, लार्ज एंड मिडकैप और कई इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने लंबी अवधि में लगभग इसी स्तर या इससे अधिक का औसत रिटर्न दिया है। हालांकि बाजार जोखिम हमेशा बना रहता है और किसी भी वर्ष रिटर्न कम या ज्यादा हो सकता है।

रिटायरमेंट बाद कैसे मिलेगी हर माह आय

रिटायरमेंट के बाद सबसे बड़ी चुनौती होती है नियमित आय का स्रोत बनाए रखना। यही काम एसडब्ल्यूपी करता है। मान लीजिए रिटायरमेंट के समय निवेशक के पास 1.50 करोड़ रुपये का फंड है और वह इसे किसी मीडियम ड्यूरेशन डेट फंड या कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड में निवेश करता है।

यदि निम्नलिखित मान्यताएं ली जाएं

- निवेश राशि : 1.50 करोड़ रुपये
- अनुमानित वार्षिक रिटर्न : 6%
- मासिक निकासी : 1 लाख
- निकासी अवधि : 12 वर्ष
- इस अवधि में कुल निकासी : 1.44 करोड़ रुपये
- निकासी के दौरान अर्जित लाभ: लगभग 43.13 लाख रुपये
- 12 वर्ष बाद बची राशि : लगभग 4.13 लाख रुपये
- इस तरह निवेशक पूरे 12 वर्षों तक हर महीने 1 लाख प्राप्त कर सकता है, जबकि शेष राशि निवेशित रहकर रिटर्न भी अर्जित करती रहती है।

एसडब्ल्यूपी क्यों है बेहतर विकल्प

यदि रिटायरमेंट के समय पूरी राशि एक साथ निकाल ली जाए तो उसके जल्दी खत्म होने का खतरा रहता है। इसके विपरीत एसडब्ल्यूपी में केवल जरूरत के अनुसार हर महीने निश्चित राशि निकाली जाती है और बाकी पैसा निवेशित रहता है। इससे फंड अधिक समय तक चलता है और नियमित आय भी मिलती रहती है।

विशेषज्ञों के अनुसार एसडब्ल्यूपी पारंपरिक पेंशन की तरह नियमित नकदी प्रवाह उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

किन बातों का रखें ध्यान

- इक्विटी में 12% और डेट फंड में 6% रिटर्न की कोई गारंटी नहीं होती।
- रिटायरमेंट के नजदीक आते समय पोर्टफोलियो में जोखिम धीरे-धीरे कम करना चाहिए।
- महंगाई को ध्यान में रखते हुए रिटायरमेंट फंड का लक्ष्य तय करें।
- एसडब्ल्यूपी की मासिक राशि अपने खर्च और उपलब्ध कॉर्पस के अनुसार निर्धारित करें।
- समय-समय पर निवेश की समीक्षा करते रहें।

ऐसे समझें पूरा गणित

एसआईपी चरण

● शुरुआत : 28 वर्ष की आयु ● मासिक एसआईपी : 1,000 रुपये ● हर साल बढ़ोतरी : 10% ● अवधि : 32 वर्ष ● अनुमानित रिटर्न : 12% ● कुल निवेश : 24.13 लाख रुपये ● अनुमानित फंड : 1.05 करोड़ रुपये

एसडब्ल्यूपी चरण

● शुरुआती फंड : 1.50 करोड़ रुपये ● अनुमानित रिटर्न : 6% ● मासिक निकासी : 1 लाख रुपये ● अवधि : 12 वर्ष ● कुल निकासी : 1.44 करोड़ रुपये

तीसरे दिन भारतीय मुक्केबाज सचिन और महिला लॉन बॉल्स जोड़ी का शानदार प्रदर्शन

कॉमनवेल्थ गेम्स : बाउल्स में भारत की लगातार तीसरी जीत, रूपा-पिंकी का शानदार प्रदर्शन जारी

एजेंसी ▶▶| ग्लासगो

भारत के लिए राष्ट्रमंडल खेलों के तीसरे दिन शनिवार को मुक्केबाज सचिन सिवाच ने कड़े मुकाबले में जीत दर्ज कर पुरुष 60 किग्रा के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जबकि लॉन बॉल्स महिला पेयर्स में रूपा रानी टिर्की और पिंकी सिंह ने लगातार तीसरी जीत हासिल कर सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाया। शुक्रवार को झंडू कुमार ने पुरुषों की हैवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का पदकों का खाता खोला था। भारत के प्रबल पदक दावेदारों में शामिल मुक्केबाज सचिन ने कनाडा के अपने परिचित प्रतिद्वंद्वी केओमा अल-अहमदीह पर 4-1 के विभाजित फैसले में जीत दर्ज की। भिवानी के 26 वर्षीय मुक्केबाज का सामना अब अंतिम-16 में इंग्लैंड के विलियम हेविट से होगा। जीत के बाद सचिन ने कहा यह मुकाबला काफी कठिन था, लेकिन मैं उसे पहले दो बार हरा चुका था, इसलिए मुझे खुद पूरा भरोसा था। 'आज उसे हराना मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था क्योंकि यह राष्ट्रमंडल खेलों का मुकाबला था। रूपा और पिंकी की भारतीय जोड़ी ने अपना दबदबा बरकरार रखते हुए महिला पेयर्स के सेक्शन बी में तीसरे राउंड में टोंगा की पेरिस बेकर और मिलिका नाथन को टाई-ब्रेकर में 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदें जीवंत रखा।

राष्ट्रमंडल खेलों में भारत को पहला पदक बिहार के झंडू ने दिलाकर बढ़ाया मान

ग्लास्गो। राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के पहले पदक विजेता के रूप में झंडू कुमार का नाम जब गूंजा तो वह सिर्फ एक कांस्य पदक की घोषणा नहीं थी, बल्कि संघर्ष, उपहास और अदम्य इच्छाशक्ति की जीत का ऐलान भी था। बिहार के 28 वर्षीय पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने शुक्रवार को पुरुषों के हेवीवेट वर्ग में 130.9 अंक के साथ कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। उन्होंने 181 किलोग्राम और 190 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया, जबकि 196 किलोग्राम का उनका अंतिम प्रयास सफल नहीं हो सका।

TWO YEARS LATER IN LONDON CAME HIS MOST ICONIC NIGHT IN THE POOL, WINNING OLYMPIC GOLD

चाड ले ने जीता 19वां पदक

दक्षिण अफ्रीका के तैराक चाड ले क्लॉस पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में कांस्य पदक जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में सबसे अधिक पदक जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। ले क्लॉस ने राष्ट्रमंडल खेलों में 19वां पदक जीतकर ऑस्ट्रेलिया के निशानेबाज फिल एडम्स और इंग्लैंड के मिक गाल्ट को पीछे छोड़कर नया रिकॉर्ड बनाया।

भारतीय तैराकों ने किया निराश

भारतीय तैराकों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा, जिसमें धक्षन शशिकुमार और आर्यन नेहरा दोनों ही पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। शशिकुमार ने 'टोलक्रॉस स्विमिंग सेंटर' में आयोजित 400 मीटर फ्रीस्टाइल की हीट में 27 तैराकों के बीच 3:58.09 मिनट का समय लेकर 15वां जबकि आर्यन नेहरा ने 4:00.26 मिनट के साथ 16वां स्थान हासिल किया।

खबर संक्षेप

कट हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय बनीं दीक्षा

डंडोनल्ड लिंक्स। दीक्षा डागर दूसरे दौर में वन ओवर 73 का कार्ड खेलकर महिला स्कॉटिश ओपन में कट हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय रहीं। अब वह 74-73 के कार्ड के साथ तीन ओवर पर हैं और संयुक्त रूप से 35वें स्थान पर हैं। प्रणवी उर्स (84-71) 11-ओवर पर रहीं और कट से चूक गईं। अवनि प्रशांत (80-77) भी कट हासिल नहीं कर सकी। दीक्षा ने दूसरे, सातवें और 14वें होल पर बर्डी लगाई लेकिन तीसरे, छठे, 13वें और 15वें होल पर शॉट ड्रॉप भी किए। फिलहाल एलईटी 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' में शीर्ष-10 में शामिल दीक्षा को अगले हफ्ते होने वाले एआईजी वुमेंस ओपन में जगह बनाने के लिए अच्छे नतीजे की जरूरत है।

सिंगापुर चैलेंजर स्क्वाश में भारतीय चुनौती समाप्त

सिंगापुर। ओम सेमवाल, संदेश रविकुमार और रतिका सीलान क्वार्टर फाइनल में हार के साथ पीएसए सिंगापुर चैलेंजर स्क्वाश टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पुरुष एकल में चौथी वरीयता प्राप्त सेमवाल आठवें वरीय जेम्स पीच से हार गए। ब्रिटिश खिलाड़ी ने 7-11, 11-6, 7-11, 11-9, 11-7 से जीत हासिल की। पुरुष एकल के एक अन्य क्वार्टर फाइनल में रविकुमार को दक्षिण कोरिया के तीसरी वरीयता प्राप्त जियोंगमिन रियू से 9-11, 11-5, 7-11, 9-11 से हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल में तीसरी वरीयता प्राप्त रतिका छठी वरीयता प्राप्त यू जी चेन से हार गईं। मलेशियाई खिलाड़ी ने 11-7, 12-10, 9-11, 11-0 से जीत दर्ज की।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेंगे शकील

लाहौर। अनुभवी खिलाड़ी सऊद शकील को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट और उसके बाद इंग्लैंड में होने वाली तीन टेस्ट मैचों श्रृंखला के लिए चोटिल अब्दुल्ला फजल की जगह पाकिस्तान की टीम में शामिल किया जा सकता है। मई में बांग्लादेश में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले फजल शनिवार से तारौबा में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच से पूर्व अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

15 अगस्त से गॉल में श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की सीरीज

अगले सप्ताह टीम इंडिया का ऐलान बुमराह की फिटनेस पर टीकी नजरें

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम की घोषणा अगले सप्ताह की जाएगी और चयन समिति की बैठक में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस पर गहन चर्चा होने की संभावना है। भारत 15 अगस्त को गॉल में होने वाले पहले टेस्ट मैच से दौरे की शुरुआत करेगा। दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। बुमराह हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे और निर्णायक मैच से बाहर रहे थे, क्योंकि उनके बाएं घुटने में चोट लग गई थी और उसमें सूजन आ गई थी।

बुमराह के फिटनेस पर नजर

इस घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'हम उनके ठीक होने की प्रक्रिया पर नजर रख रहे हैं। टेस्ट श्रृंखला शुरू होने में अभी तीन सप्ताह का समय है , इसलिए उनके पास ठीक होने और श्रीलंका में टीम से जुड़ने के लिए पर्याप्त समय है।' भारतीय टीम 4 अगस्त तक श्रीलंका पहुंच जाएगी और वहां की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब में चार दिवसीय मैच खेलेगी। लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या बुमराह अगस्त के पहले सप्ताह में टीम के साथ यात्रा कर पाएंगे या नहीं।

वापसी करने के लिए तैयार जडेजा

अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक वनडे मैच खेलने के बाद शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। श्रीलंका में उनकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण होगी। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए जडेजा को टीम में शामिल नहीं किया गया था, जिसमें भारत को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। जहां तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी बुमराह, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा संभालेंगे, वहीं अनुभवी कुलदीप यादव और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार के साथ स्पिन विभाग की अगुवाई करेंगे।

मानव ने डेब्यू में छोड़ा प्रभाव

मानव ने हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करते हुए अपना प्रभाव छोड़ा था। तीसरे स्पिनर वाशिंगटन सुंदर हो सकते हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरी पारी में चार विकेट लिए थे, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे स्पिन विभाग में विकल्प के तौर पर टीम में बने रहेंगे।

इशान, तिलक के दम पर भारत ने जिम्बाब्वे से श्रृंखला जीती

- किशन ने 44 गेदों में 81 रन बनाए, बने मैन ऑफ द मैच

एजेंसी ▶▶| बहरारे

इशान किशन (81) और तिलक वर्मा (नाबाद 60) की आक्रामक अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने शनिवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जिम्बाब्वे को 90 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली।

जीत के लिए 220 रन का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम की शुरुआत आक्रामक रही, लेकिन नौ ओवर के भीतर पांच विकेट गंवाने के बाद उसकी हार लगभग तय हो गई। पूरी टीम 17.5 ओवर में 129 रन पर सिमट गई। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 219 रन बनाए थे। इस जीत के साथ भारतीय टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने आयरलैंड (0-2) और इंग्लैंड (0-4) में लगातार दो श्रृंखलाओं में मिली हार के बाद पहली बार बतौर कप्तान श्रृंखला जीत दर्ज की। जिम्बाब्वे की ओर से ब्रायन बेनेट ने 19 गेंदों में 32 रन बनाकर तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज यश ठाकुर पर छक्का और चौका जड़ा, लेकिन अगली ही कोशिश में विकेटकीपर किशन ने उनका कैच लपक लिया। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने मेजबान बल्लेबाजों को संभलने का कोई मौका नहीं दिया। रेयन बर्ल (20) और तादिवानाशे मारुमनी (24) कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन भारतीय आक्रमण के सामने कोई बड़ी साझेदारी नहीं बन सकी। अभिषेक शर्मा ने 17 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि पदार्पण कर रहे यश ठाकुर (30 रन पर दो विकेट) और प्रिंस यादव (10 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट झटके। तिलक और शिवम दुबे को एक-एक सफलता मिली। भारत की इस शानदार जीत के बीच प्रिंस यादव की चोट चिंता का विषय रही।

विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप

अनाहत सिंह बनीं विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियन

एजेंसी ▶▶| ओंटारियो

भारत की स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शनिवार को मिस्र की रुकैया सलेम को हराकर विश्व जूनियर स्क्वाश व्यक्तिगत चैंपियनशिप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज और टूर्नामेंट की शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत ने महिला फाइनल में रुकैया को सीधे गेमों में 11-3, 11-7, 11-9 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। दिल्ली की रहने वाली अनाहत ने पिछले साल भी इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया था और सेमीफाइनल तक पहुंचकर कांस्य पदक जीता था। इस बार उन्होंने एक कदम आगे बढ़ते हुए विश्व जूनियर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में मिस्र की तीसरी-चौथी वरीयता प्राप्त बार्ब समेह को 11-3, 8-11, 11-4, 11-6 से हराया। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज अनाहत भारत की पहली जूनियर विश्व स्क्वाश चैंपियन बनी है।

जीत पर बोली 'मैं बहुत खुश हूं

अनाहत ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। अनाहत ने कहा, 'मैंने चार विश्व जूनियर टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है लेकिन क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में हार गई थी, इसलिए फाइनल में पहुंचने से मेरे माता-पिता और कोच बहुत खुश हैं, लेकिन टूर्नामेंट अभी खत्म नहीं हुआ है।'

काउंटी क्रिकेट डेब्यू में चमके कुलदीप, चटकाए दो विकेट

एजेंसी ▶▶| लंदन

कुलदीप यादव ने इंग्लैंड में घरेलू लिस्ट ए टूर्नामेंट वन-डे कप में यॉर्कशायर के लिए ग्लेमोर्गन के खिलाफ शानदार डेब्यू किया। उन्होंने 39 रन देकर 2 विकेट लिए। बाएं हाथ के इस चाइना मैन गेंदबाज को पहले नौ ओवर में कोई विकेट नहीं मिला था, लेकिन उन्होंने आखिरी ओवर में तीन गेंदों में दो विकेट झटक लिए।

कुलदीप ने 44वां ओवर फेंकते हुए पहली गेंद पर एलेक्स हॉर्टन को आउट किया। दो गेंद बाद जेमी मैक्लरॉय को आउट किया। यॉर्कशायर ने दाएं हाथ के मीडियम पेसर बेंजामिन क्लिफ के 29 रन देकर चार विकेट की मदद से ग्लेमोर्गन को सिर्फ 186 रन पर रोक दिया। कुलदीप ने बल्ले से भी 12 रन बनाए और उनकी टीम ने दो विकेट से मैच जीत लिया। इंडियन प्रीमियर लीग में बल्ले से शानदार प्रदर्शन करने वाले आशुतोष शर्मा ने काउंटी में गेंद से धाक जमाई है।

55वीं केवीएस राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता

निशानेबाजी में शुभी ने जीता स्वर्ण

एजेंसी ▶▶| फगवाड़ा

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (लपीयू), फगवाड़ा में आयोजित 55वीं केवीएस राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता-2026 में जबलपुर की प्रतिभाशाली निशानेबाज़ शुभी शर्मा ने अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर एयर राइफल (महिला वर्ग) में स्वर्ण पदक जीतकर जबलपुर शहर एवं अपने विद्यालय का गौरव बढ़ाया है।

देशभर के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों से चयनित शीर्ष 75 महिला खिलाड़ियों के बीच हुए कड़े मुकाबले में शुभी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता के स्वर्ण पदक विजेताओं को अब स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जो उनके खेल करियर की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। शुभी शर्मा पिछले चार वर्षों से जबलपुर स्थित 'गन फॉर ग्लोरी' शूटिंग अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। उन्हें वरिष्ठ कोच निशांत नाथवाणी एवं सहायक कोच शक्ति चक्रवर्ती के कुशल मार्गदर्शन में निरंतर प्रशिक्षण मिल रहा है।

15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में हॉकी विश्व कप

फुल्टन का दावा, विश्व कप में 51 साल का सूखा तोड़ने को तैयार भारत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन विश्व कप में 51 साल से चले आ रहे पदक के सूखे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम इस टूर्नामेंट में इतिहास रचने के लिए तैयार है।

पेरिस ओलंपिक में भारत को लगातार दूसरा कांस्य पदक दिलाने वाले फुल्टन अच्छी तरह जानते हैं कि अगर भारत को 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप में पदक का सूखा खत्म करना है तो टीम को अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखनी होगी।

भारत ने विश्व कप में जीते मात्र तीन पदक

8 बार का ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारत विश्व कप में अभी तक केवल तीन पदक जीत पाया है। उसने अपना आखिरी पदक स्वर्ण पदक के रूप में 1975 में अजीत पाल सिंह की कप्तानी में कुआलालंपुर में जीता था। फुल्टन ने कहा, 'भारत ने आखिरी बार 1975 में यह खिताब जीता था। हमारे लिए अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखना और उसे एशियाई खेलों तक बरकरार रखना महत्वपूर्ण है। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना भी हमारी प्राथमिकता है।'

प्रत्येक विभाग का अच्छा प्रदर्शन करना अहम

फुल्टन ने कहा, 'हम बेहद खुश हैं कि हमें यह अवसर मिला है। इस तरह के टूर्नामेंट में महत्वपूर्ण मौकों पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना, सही समय पर अपने चरम पर पहुंचना और प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना अहम होता है। हमने पेरिस में यह साबित कर दिया है कि हम कुछ युवा खिलाड़ियों को शामिल करने के बावजूद अनुभवी टीम उतार सकते हैं। हमारे पास अच्छा मौका है और हम किसी भी टीम को हराने में सक्षम हैं।' उन्होंने कहा, ''मैं भारतीय हॉकी की विरासत से अच्छी तरह से वाकिफ हूं और यह भी जानता हूं कि भारत का विश्व कप में प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है। हम इसे बदलना चाहेंगे। हम भारतीय हॉकी में अपना इतिहास लिखना चाहेंगे।'

वेल्स, इंग्लैंड और पाकिस्तान के साथ पूल डी में भारत

भारत को विश्व कप में वेल्स, इंग्लैंड और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ पूल डी में रखा गया है और फुल्टन ने कहा कि टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करना महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा, 'हमारा ग्रुप काफी कड़ा है और हमें वेल्स के खिलाफ पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। हमें लय बनाने पर ध्यान देना होगा। हमें टूर्नामेंट के आखिर तक पहुंचने की कोशिश करनी होगी, जहां हमें अपने सर्वश्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन करना होगा।' भारत अभी विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज है और फुल्टन ने विश्व कप और उसके तीन सप्ताह के भीतर होने वाले एशियाई खेलों को अपना लक्ष्य रखा है।

खबर संक्षेप

सीरिया में दो बसों के बीच टक्कर, 35 की मौत

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क को पूर्वी प्रांत दीर अल जूर से जोड़ने वाले एक राजमार्ग पर दो बसों के बीच टक्कर के कारण कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि यात्री बस और गृह मंत्रालय की बस के बीच हुई इस टक्कर में लगभग 30 लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि घटनास्थल पर जारी बचाव अभियान में सीरियाई सेना के हेलीकॉप्टरों की मदद ली जा रही है। दुर्घटना के कारण का अभी पता नहीं चल सका है।

यौन उत्पीड़न में आईसीसी के करीम खान हटाए गए

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के सदस्य देशों ने शुक्रवार को मुख्य अभियोजक करीम खान को पद से हटाने के लिए मतदान किया। आईसीसी के 125 सदस्य देशों ने महिला सहायक से यौन उत्पीड़न के दोषी करीम खान को हटाया। यह पहला मौका है, जब किसी मुख्य अभियोजक को निकाला गया है।

भारत ने नहीं किया चीन की संप्रभुता का उल्लंघन, 1963 से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख में अवैध कब्जा जमाए बैठा है ड्रैगन

भारत की वजह से नहीं आई पाकिस्तान में बाढ़, निराधार हैं दुश्मन देश द्वारा लगाए गए सभी आरोपः जायसवाल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने शुक्रवार को पाकिस्तानी मीडिया द्वारा उनके देश में बाढ़ के हालात उत्पन्न करने को लेकर नई दिल्ली पर लगाए जा रहे तमाम आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

यहां राजधानी में हुई साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में पूछे गए प्रश्नों के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान के मीडिया का यह आरोप कि भारत ने जानबूझकर चिनाब नदी के पानी को छोड़कर उनके देश में बाढ़ के हालात पैदा किए हैं। पूरी तरह से गलत और निराधार हैं। हकीकत यह है कि बीते 20 से 23 जुलाई तक जम्मू और उसके आसपास के इलाकों में मानसून सीजन के दौरान हुई भारी बारिश की वजह से चिनाब नदी का जलस्तर बढ़ा है। जो कि पाकिस्तान में आई बाढ़ की असली वजह भी है।

पाक ने खुद जारी की थी चेतावनी

उन्होंने कहा कि यहां ध्यान देने वाली एक बात यह भी है कि पाकिस्तान के लाहौर स्थित बाढ़ पूर्वानुमान विभाग ने भी 22 जुलाई को जारी की गई अपनी बाढ़ चेतावनी में चिनाब नदी में आई बाढ़ का कारण नदी के ऊपरी जलक्षेत्र में हुई भारी बारिश को ही बताया था। चेतावनी में यह भी कहा गया था कि मराला में पानी का तेज बहाव बना रहेगा और बारिश कम होने पर यह धीरे धीरे घटेगा। इसलिए नदी में पानी का बढ़ना एक प्राकृतिक प्रक्रिया का नतीजा है। न कि भारत द्वारा जानबूझकर उठाए गए कदम की वजह से पाकिस्तान में बाढ़ जैसे हालात बने हैं। ऐसे में मामले को लेकर नदी के ऊपरी क्षेत्र से छेड़छाड़ करने की पाकिस्तान की कोशिश गलत और तकनीकी रूप से आधारहीन है। जो कि उसकी अपनी आधिकारिक चेतावनी के भी खिलाफ है।

यह जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दी है

जरूरत पड़ने पर देंगे जानकारी

रणधीर ने कहा कि जहां तक बाढ़ की चेतावनी का आरोप है। तो उस संबंध में मैं यह कहना चाहूंगा कि उस दौरान नदी का बहाव ऐसे असाधारण स्तर तक नहीं पहुंचा था। जिसके लिए कोई विशेष चेतावनी जारी करने की जरूरत पड़े। ऊपरी क्षेत्र में मानसून अपने नियमित क्रम के हिसाब से ही आगे बढ़ रहा था। जिसे पाकिस्तान के बाढ़ पूर्वानुमान अधिकारियों ने भी माना है।

इसलिए यह कहना कि भारत ने पाकिस्तान से जानबूझकर बाढ़ की चेतावनी की जानकारी छिपाई। यह पूरी तरह से गलत और तथ्यों से परे है। पिछले साल की तरह ही इस बार भी जब भी ऐसी स्थिति आएगी। भारत आधिकारिक कूटनीतिक माध्यमों के जरिए पाकिस्तान के साथ बाढ़ के आंकड़े, जानकारी को साझा करता रहेगा।

चीन ने किया भारत की जमीन पर कब्जा

एक अन्य प्रश्न के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत ने किसी भी रूप में चीन की संप्रभुता का उल्लंघन नहीं किया है। यह चीन ही है, जिसने वर्ष 1963 से भारत के जम्मू-कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र में भारतीय भूभाग पर अवैध ढंग से कब्जा किया हुआ है। उन्होंने केंद्र-शासित प्रदेश में जारी चीन की कुछ परियोजनाओं को लेकर भी आपत्ति जताते हुए कहा कि यह हमारे इलाके में चल रही परियोजनाएं हैं। साथ ही यह भी कहा कि विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने हाल ही में कहा था कि जब भी संप्रभुता की बात आती है। तो वास्तविक रूप से उसे भारत ही उठाता है। भारत ने कभी भी किसी भी तरह से चीन की संप्रभुता का उल्लंघन नहीं किया है। इस मामले पर हमेशा उसका रुख एक समान रहता है। यह सब कुछ तब है। जब उक्त इलाकों पर खुद चीन भारत के आधिकारिक दावे को स्वीकार करता है यानी उसने इस संबंध में अपनी मान्यता दी हुई है।

हर मसले को धर्म से जोड़ना गलत

बीते दिनों आसियान के मंच से भारत के खिलाफ की गई पाकिस्तान की टिप्पणी को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में रणधीर जायसवाल ने कहा कि पड़ोसी दुश्मन देश का इस मामले पर दिया गया बयान हमने भी देखा है। जिसमें फितना अल हिंदुस्तान का उल्लेख किया गया है। लेकिन भारत का इसे लेकर स्पष्ट रूप से यह मानना है कि पाकिस्तान की कोशिश किसी भी तरह से हर चीज को एक धार्मिक अमलीजामा पहनाकर भारत के खिलाफ प्रोपेगेंडा करने की रहती है। जहां तक सिंधु जल संधि का मामला है तो यह आज तक स्थगित है। पाकिस्तान जब तक सीमापार आतंकवाद को अपना समर्थन देना बंद नहीं करेगा। तब तक यह संधि स्थगित ही रहेगी।

भारत-तंजानिया के बीच हुई बातचीत

व्यापार, निवेश, रक्षा में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर बनी सहमति

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और तंजानिया ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से व्यापार, निवेश, रक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और विकास सहयोग सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। दार एस सलाम में आयोजित विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) के दौरान दोनों देशों ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि भारत और तंजानिया के बीच विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) 22 जुलाई 2026 को तंजानिया के दार एस सलाम में आयोजित किया गया। बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव जनेश काइन और तंजानिया के विदेश मामलों एवं पूर्वी अफ्रीकी सहयोग मंत्रालय के एशिया एवं ऑस्ट्रेलिया विभाग की निदेशक फेलिस्टर रुगाम्बवा ने की।

रक्षा समिति की बैठक जल्द होगी

विदेश मंत्रालय के अनुसार, बैठक में दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा की। इस दौरान व्यापार एवं निवेश, विकास सहयोग, रक्षा एवं सुरक्षा, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि, स्वास्थ्य, संस्कृति तथा लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से संयुक्त आयोग बैठक (जेसीएम) और संयुक्त रक्षा सहयोग समिति की बैठक जल्द आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की। इसके अलावा, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर भी दोनों देशों ने अपने विचार साझा किए। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत और तंजानिया ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक-दूसरे के साथ बेहतर समन्वय और सहयोग की सराहना की।

फ्रांस और स्पेन में बेकाबू हुई जंगल की आग

ढाई लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया

एजेंसी ▶▶ पेरिस

दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस और मध्य स्पेन में जंगल की भीषण आग के कारण लगभग 2,57,000 लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाना पड़ा।

फ्रांस के गृह मंत्रालय के अनुसार,गिरोंडे और लैंडेस इलाके में लगी आग की वजह से 1,97,000 लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाना पड़ा है। स्पेन के गृह मंत्रालय के मुताबिक, मध्य स्पेन में 60,000 लोगों को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।

कार्गो विमान की ली गई मदद

फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि पश्चिमी फ्रांस के गिरोंडे इलाके के जंगलों में लगी आग को बुझाने के लिए खासतौर से तैयार किए गए एक बड़े कार्गो विमान ए400एम का इस्तेमाल शुरू किया है। इस विमान के जरिए केमिकल (फ्लेम रिटार्डेंट) गिराकर आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। जंगल में लगी की वजह से फ्रांस में अब तक लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। बड़ी संख्या में लोगों को रेस्क्यू करना पड़ा है। सेना और कई एजेंसिया आग पर काबू पाने और लोगों को राहत पहुंचाने में जुटी हैं।

बोर्डो शहर के करीब पहुंची आग

मंत्री नुनेज ने बताया कि आग के बोर्डो के और करीब पहुंचने का खतरा पैदा हो रहा है। इसलिए फायर ब्रिगेड की टीमें खाइयां खोद रहे है और आग बुझाने वाले केमिकल का इस्तेमाल कर रहे हैं। आग को रोकने के लिए दूसरे उपाय भी कर रहे हैं। सरकार ने आग से निपटने के लिए सैनिकों को तैनात किया और दम घोंटने वाले धुएं से बचाव के लिए 15 लाख फेस मास्क भेजे हैं।

पीएम मोदी और सीएम योगी ने जताया गर्व

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल हुआ 'सारनाथ'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूपी के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व वाले सारनाथ के प्राचीन बौद्ध स्थल को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया गया है। इस उपलब्धि पर पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ और उपराष्ट्रपति ने इसे पूरे देश के लिए गर्व का क्षण बताया है।

यूनेस्को ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए घोषणा की कि भारत के प्राचीन बौद्ध स्थल सारनाथ को आधिकारिक रूप से विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सारनाथ का यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होना प्रत्येक भारतीय के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी ने यूनेस्को की घोषणा पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

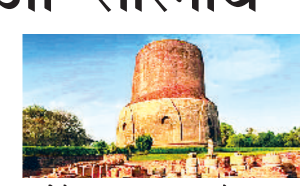

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश स्थित सारनाथ का भगवान बुद्ध से गहरा संबंध रहा है और उनके ज्ञान, करुणा और सद्भाव का कालजयी संदेश आज भी पूरी दुनिया को प्रेरित करता है। पीएम ने कहा कि यह सम्मान भारत की समृद्ध सभ्यतागत और आध्यात्मिक विरासत का वैश्विक स्तर पर सम्मान है। इस मान्यता से दुनिया भर के अधिक लोग सारनाथ आएंगे और भगवान बुद्ध के आदर्शों एवं शिक्षाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित होंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट करके सारनाथ को यूनेस्को की धरोहर में शामिल होने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि पीएम के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत की शाश्वत सभ्यतागत विरासत को वैश्विक मान्यता मिलती जा रही है।

आज भारत मनाएगा पाकिस्तान के साथ लड़े गए कारगिल युद्ध की 27वीं वर्षगांठ

कारगिल यात्रा पर रवाना हुए राजनाथ सिंह, 'विजय दिवस' समारोह में करेंगे शिरकत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

1999 में जम्मू-कश्मीर के दुर्गम ऊंचाई वाले इलाके में लड़े गए कारगिल युद्ध की रविवार को 27वीं वर्षगांठ है। जिसका जश्न पूरा देश जोरशोर से मनाएगा। द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक पर मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसमें शामिल होने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को कारगिल की यात्रा पर रवाना हो गए हैं।

द्रास पहुंचने से पहले रक्षा मंत्री समुद्रतल से 11 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित जोजिला दर्रे पर गए और वहां उन्होंने भारतीय सेना के जवानों के साथ मुलाकात की है। सेनाप्रमुख जनरल धीरज सेठ की भी इस दौरान उपस्थिति रही और उन्होंने रक्षा मंत्री के साथ जोजिला दर्रे के प्रतीक चिन्ह के सामने एक तस्वीर भी खिंचवाई।

राजनाथ सिंह ने जोजिला दर्रे पर भारतीय सेना के जवानों के साथ मुलाकात की है

26 को शहीदों को देंगे श्रद्धांजलि

रक्षा मंत्री की कारगिल की यह यात्रा दो दिवसीय होगी। जो 25 से शुरू होकर 26 जुलाई को समाप्त होगी। 26 जुलाई को राजनाथ सिंह कारगिल युद्ध स्मारक पर आयोजित किए जाने वाले समारोह की अध्यक्षता करेंगे, उनका संबोधन भी होगा। इस युद्ध के शहीदों को उनके द्वारा विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। अपनी यात्रा के तहत रक्षा मंत्री कारगिल के सुदूर सैन्य इलाकों में भी जाएंगे। जहां उनकी जवानों से मुलाकात होगी और वह उन्हें संबोधित भी करेंगे। जवानों के साथ मुलाकात से इतर राजनाथ संबंधित सैन्य इलाकों में सुरक्षा हालात की भी व्यापक स्तर पर समीक्षा करेंगे।

पानी के अत्यधिक बहाव, मौसम की जटिल परिस्थितियों के बीच

दमन, दादरा-नगर हवेली, गुजरात में आई भीषण बाढ़... तटरक्षकबल ने बचाए 170 लोग

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

मानसून के सीजन में दमन, दादरा-नगर हवेली और दक्षिण गुजरात में आई भंयकर बाढ़ के बीच तटरक्षकबल द्वारा बड़े पैमाने पर चलाए गए राहत-बचाव अभियान के जरिए कुल 170 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है।

समूचे इलाके में बल ने कुल 11 अभियान चलाए। जिन्हें प्रतिकूल मौसम, पानी की तेज धाराओं और खतरनाक परिचालन परिस्थितियों के बीच अपने कर्मियों और हेलीकॉप्टरों, नौकाओं व अन्य जरूरी सामग्री की मदद से सफलता के साथ पूरा किया गया। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि बचाव अभियान की वास्तविक रूप में शुरुआत 22-23 जुलाई की रात को हुई थी। जिसमें खानवेल और सिलवासा जैसे इलाकों में फंसे हुए 5 लोगों को सुरक्षित बचाया गया। फिर कदैय्या तटीय क्षेत्र में बाढ़ से प्रभावित नदी के किनारे मुश्किल हालात में फंसे हुए 3 मछुआरों को तटरक्षकबल ने सुरक्षित बाहर निकाला।

सड़क संपर्क टूटा, फिर भी बचाए 60 लोगः तटरक्षकबल द्वारा चलाए गए सबसे बड़े बचाव-राहत अभियान में से एक वेल्सपन औद्योगिक क्षेत्र में चलाया गया। जहां कुल 60 लोग फंसे हुए थे। इलाके की सबसे बड़ी समस्या यहां पूरी तरह से टूट चुका सड़क संपर्क था। लेकिन बल ने हार नहीं मानी और पांच दर्जन को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। 23, 24 जुलाई को इलाके में अभियान चलाया गया था।

अभियान में बचायी गई गर्भवती महिलाः मंत्रालय ने बताया कि तटरक्षकबल ने बाढ़ के दौरान जिन अलग-अलग इलाकों में अभियान चलाया।

उनमें एयरो फाइबर प्राइवेट लिमिटेड के पास बाढ़ के पानी में फंसी एक बस से 7 लोगों को बचाया गया, वलसाड-पर्डी क्षेत्र से हेलीकॉप्टर की मदद से 4 लोगों को बचाया गया। जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज क्षेत्र से रात में 8 लोगों की निकासी की गई है। एक अन्य अभियान में अवध सोसाइटी क्षेत्र से 10 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। जिसमें 9 महीने की गर्भवती महिला और सांस लेने में तकलीफ से पीड़ित एक अन्य महिला शामिल है। 24 जुलाई की बात करें, तो उस दौरान बल ने गुजरात के नवसारी जिले में 2 हेलीकॉप्टरों ने मेंदर गांव में फंसे हुए 33 लोगों एयरलिफ्ट किया। जिनमें सीने में तेज दर्द की शिकायत वाला एक व्यक्ति भी शामिल था।

अभियान को लेकर प्रतिबद्ध तटरक्षकबलः बाढ़ की इस प्राकृतिक आपदा के बीच तटरक्षकबल ने स्थानीय और नागरिक प्रशासन को हर प्रकार से सहायता प्रदान करने को लेकर प्रतिबद्धता जताई है। साथ ही किसी भी तरह की आपात परिस्थिति पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए जरूरी तैयारी को बनाए रखने पर जोर दिया है। बचाव अभियान के दौरान बल ने अपने सेवा के आदर्श वाक्य 'वयम रक्षामः यानी हम रक्षा करते हैं' का जिक्र करते हुए कहा कि हमने इसे पूरी तरह से सार्थक किया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109